WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | देश-विदेश 4 | अभिव्यक्ति 8 | छत्तीसगढ़ 11 | खेल/बिजनेस

रायपुर, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025 शुक्ल पक्ष- प्रतिपदा, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-14 अंक- 162 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

किसी को वक्त से पहले या हैसियत से ज्यादा कुछ मिल जाता है तो उसकी मति मारे जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लोगों में से कुछ बुड़बक तो कनक कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय वो खाए बौरात है वो पाए बौराए वाली उक्ति को चरितार्थ कर लेते हैं। नतीजतन अर्श से औंधे मुंह फर्श पर गिर पड़ते हैं। उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारणों का परत दर परत जो खुलासा हो रहा है उसे देखते हुए लगता है कि अतिमहत्वाकांक्षा के चलते ही उन्होंने आ बैल मुझे मार वाली कहावत चरितार्थ की है।

बिहार : वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का एक महीने का विशेष अवसर

पटना (आईएएनएस)। बिहार में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण का कार्य समाप्ति की ओर है। इस बीच, विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि सरकार वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटा रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटेगा। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए स्पष्ट किया है कि 1 अगस्त से 1 सितंबर तक, मतदाता या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को यह अवसर दिया जाएगा कि वे बीएलओ या बीएलए द्वारा हुई किसी त्रुटि को सुधारने के लिए आवेदन दे सकें।

रूसी विमान दुर्घटनाग्रस्त, 49 मौतें

मास्को (आईएएनएस)। रूस के अमूर क्षेत्र में गुरुवार को एक एएन24 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार 49 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 बच्चे और 6 क्रू-मेंबर भी शामिल हैं। विमान ने ब्लागोवेशचेंस्क से उड़ान भरी थी। वह रूस-चीन सीमा के पास स्थित टिंडा की ओर जा रहा था, लेकिन निर्धारित लैंडिंग से कुछ समय पहले ही विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस फ्लाइट को साइबेरिया की अंगारा एयरलाइंस संचालित कर रही थी।

मंडी में बस खाई में गिरी 7 की मौत, सीएम सुक्खू ने जताया दुख

शिमला (आईएएनएस)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में गुरुवार को एक सड़क हादसा सामने आया है, जहां हिमाचल रोड परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस पहाड़ी से नीचे गिर गई। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस में 30 यात्री सवार थे, तभी यात्रियों से भरी बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। घायलों को सरकाघाट कस्बे के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वोक एआई पर ट्रंप ने लगाई पाबंदी, एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी

वाशिंगटन (आईएएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी एजेंसियों में वोक (डब्ल्यूओकेई) एआई के उपयोग पर रोक लगाने का एक कड़ा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी कर दिया है। अपने आदेश में ट्रंप ने आरोप लगाया है कि ऐसे एआई से फैक्ट्स प्रभावित होते हैं। ट्रंप ने अपने आदेश में कहा, कई एआई सिस्टम्स विविधिता, समानता, समावेशन (डाइवर्सिटी, इक्विटी, इंक्लूजन यानी डीईआई) जैसे वैचारिक एजेंडों से प्रभावित हैं, जिससे इतिहास, विज्ञान और तथ्यों की विश्वसनीयता पर आंच आती है।

हरेली छत्तीसगढ़ की परंपरा, प्रकृति और खेती-किसानी से जुड़ा पर्व : साय

सीएम साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ कर रहा है ऐतिहासिक प्रगतिः डॉ. रमन सिंह

- किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारा प्रमुख ध्येय मुख्यमंत्री साय
- हरियाली उत्सव बना मुख्यमंत्री निवास का आयोजन

रायपुर /नवप्रदेश। रायपुर सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में आज हरेली पर्व का गरिमामय आयोजन हुआ। त्यौहार मनाने के लिए पूरे परिसर को ग्रामीण परिवेश में सजाया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की परंपरा, प्रकृति और खेती-कसिानी से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो हमें अपने मूल से जोड़ता है। आज पूरा छत्तीसगढ़ हरेली की खुशी में डूबा है। मुख्यमंत्री निवास में भी यह पर्व पूरे उल्लास और पारंपरिक तरीके से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर से लेकर सरगुजा तक हरेली को मनाने का अपना-अपना अंदाज है। लेकिन सभी जगह इसका रंग एक ही है, आस्था और उत्साह एक ही है। जिस तरह प्रकृति हमारा ख्याल रखती है, उसी तरह हमें भी प्रकृति का ख्याल रखना चाहिए। हरेली केवल खेती-किसानी का त्यौहार नहीं है, बल्कि यह अपनी धरती की हरियाली और प्रकृति पूजा का भी त्यौहार है। छत्तीसगढ़ महतारी की कृपा हम सब पर बरसाती रहे और सभी किसान भाई खुशहाल रहें। यही मंगल कामना है

उन्होंने कहा कि साय ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने और 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तय कर ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। हम सभी ने 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ का सपना देखा है और इसके लिए हमने अपना विजन डॉक्यूमेंट भी बनाया है। हमारी सरकार राज्य से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पूरी तरह से प्रयास कर रही है। हरेली त्योहार पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और किसान जीवन का उत्सव है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। यह त्योहार प्रकृति, कृषि और पशुधन से जुड़े हमारे जीवन मूल्यों की गूंज है। उन्होंने कहा कि ऐसा विश्वास है कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती स्वयं धरती पर आकर किसानों के बीच उपस्थित होते हैं और उनके खेतों का निरीक्षण करते हैं। यही कारण है कि इस दिन किसान अपने कृषि यंत्रों, हल-बैल और खेत-खलिहानों की पूजा करते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति कर रहा है। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीद और विभिन्न योजनाओं में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। यह हिंदुस्तान में किसी भी राज्य द्वारा किसानों के लिए किया गया सबसे ब?ा कार्य है। यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में एक ऐसा मुख्यमंत्री है, जो केवल घोषणाएं नहीं करता, बल्कि धरातल पर किसानों के पसीने की कीमत चुका रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कृषि मंत्री राम विचार नेताम, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायकगण, निगम मंडल आयोग के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लोकसभा में लगातार चौथे दिन नहीं हुआ कामकाज

नयी दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले, ऑपरेशन सिंदूर तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया जिसके कारण मानसून सत्र में लगातार चौथे दिन सदन में कोई कामकाज नहीं पाया। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने एक बार के स्थगन के बाद दोबारा जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी दलों के सदस्य अपनी मांगों के समर्थन में तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच आकर नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने शोरशराबे के बीच ही जरूरी कागजात पटल पर रखवाये। उन्होंने सदस्यों से सदस्यों से आग्रह किया कि आज गोवा में अनुसूचित जनजाति से संबंधित विधेयक पर चर्चा होनी है इसलिए सदस्य अपनी सीटों पर जाकर उसमें भाग लें। उनका कहना था कि इसे कल भी चर्चा के लिए रखा गया था, लेकिन विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण इस पर चर्चा नहीं हो सकी। सदस्यों ने उनकी एक नहीं सुनी और हंगामा करते रहे। हंगामा बढ़ता देख उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सुबह 11 बजे अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू की सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया जिसके कारण उन्होंने कुछ ही मिनट में कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी।

तख्तियां लाना, मेज थपथपाना आपकी पार्टी के संस्कार नहीं

संसद के मानसूत्र सत्र के चौथे दिन विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर जमकर हंगामा किया। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी पार्टियों के सांसदों के वेल में पहुंचकर तख्तियां लहराई और नारेबाजी की। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कांग्रेस के सांसदों पर बिफर गए। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए और वेणुगोपाल को संबोधित करते हुए कहा कि संसद में तख्तियां लेकर आना, नारेबाजी करना, मेज थपथपाना आपकी पार्टी के संस्कार नहीं रहे हैं, लेकिन नई पीढ़ी जिस तरह का संस्कार ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

सहकारिता नीति अर्थतंत्र को करेगी मजबूत : शाह

नयी दिल्ली (वार्ता)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारी नीति 2025 का अनावरण करने के बाद कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है और सहकारिता के मार्ग पर चलने से देश का अर्थतंत्र मजबूत होगा।

शाह ने कहा कि पिछले चार वर्षों में सहकारिता मंत्रालय की अनेक उपलब्धियां रही, लेकिन इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आज देश की छोटी से छोटी सहकारी इकाई का सदस्य गर्व के साथ खड़ा हो गया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। वर्ष 2002 में भारत सरकार ने सहकारिता नीति में बनायी थी उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार थी और आज भाजपा सरकार द्वारा दूसरी सहकारिता नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि जो सरकार के दृष्टिकोण को, जो भारत को, उसके विकास को, और भारत के विकास के लिए आवश्यक सभी कारकों को समझता है, वही सहकारी क्षेत्र को महत्व दे सकता है। यदि देश और अर्थव्यवस्था की मूल इकाई समृद्धि रोजगार देने वाली हो तो वह आर्थिक मॉडल कभी विफल नहीं हो सकता। शाह ने कहा कि सहकारिता नीति बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि नीति का केंद्र बिंदु व्यक्ति, गाँव, कृषि, गाँव की महिलाएँ, दलित, आदिवासी हों। इसका विजन ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

दंतेवाड़ा में 15 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोडऩे की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। गुरुवार को दंतेवाड़ा जिले में 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें से पांच माओवादियों पर कुल 17 लाख रुपए का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण बस्तर क्षेत्र में चलाए जा रहे लोन वर्राटू और पुना मार्गेम ऑपरेशन के तहत एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उदित पुष्कर ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में शामिल बुधराम उर्फ लालू कुहराम पर 8 लाख रुपए का इनाम था। कमली उर्फ मोटी पोटावी पर 5 लाख, पोज्जा मड़कम पर 2 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा, दो महिला माओवादी आयते उर्फ संगीता सोडी और माडवी पांडे ने भी आत्मसमर्पण किया है।

भारत-ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए

द्विपक्षीय कारोबार में 34 अरब डॉलर की होगी वृद्धि

लंदन (आईएएनएस)। भारत-ब्रिटेन व्यापार और आर्थिक संबंधों के लिए गुरुवार का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार में लगभग 34 अरब डॉलर की वृद्धि होगी। इस ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते के तहत, भारत ब्रिटेन के 90 प्रतिशत उत्पादों पर शुल्क में कटौती करेगा, जबकि ब्रिटेन 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा, जिससे सभी क्षेत्रों में शुल्क सीमा और नियामक प्रक्रियाओं में बड़ी कमी आएगी। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टारमर ने ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

लंदन में प्रवासी भारतीयों के स्वागत से मोदी अभिभूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो देशों की चार दिन की यात्रा के पहले चरण में बुधवार देर रात ब्रिटेन की राजधानी लंदन पहुंच गये जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी गुरुवार को अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ विभिन्न विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेताओं की मौजूदगी में भारत और ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा - गरम

सीजीपीएससी भर्ती घोटाला | एग्जाम कंट्रोलर समेत 3 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हत्या से भी बड़ा अपराधः कोर्ट

बिलासपुर /नवप्रदेश । हाईकोर्ट ने सीजीपीएससी भर्ती घोटाले में एग्जाम कंट्रोलर सहित तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है. मामले में जस्टिस बीडी गुरु ने कहा कि 'जो प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक करता है, वह लाखों युवाओं के भविष्य से खेलता है, यह कृत्य हत्या से भी गंभीर अपराध है. प्रश्नपत्र लीक कर पीएससी जैसी प्रतिष्ठित संस्था को शर्मसार किया है. मामले के आरोपी बाड़ द्वारा फसल खाने जैसा उदाहरण हैं।

सीजीपीएससी 2020 में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई। जिस पर पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने सवाल उठाते हुए मामले में जनहित याचिका लगाई। याचिका में बताया गया, कि कैसे अफसर और कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदारों को चयनित किया गया, और डिप्टी कलेक्टर जैसे पद दिए गए हैं. मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भी टिप्पणी करते हुए कहा था कि एक साथ इस तरह से रिश्तेदारों का चयन इत्तेफाक नहीं हो सकता. हाईकोर्ट ने भर्ती की जांच के आदेश भी दिए। राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ तब इस मामले में ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ऑनलाइन सट्टा एप मामला

छत्तीसगढ़ समेत देशभर में ऑनलाइन सट्टा एप की बढ़ती गतिविधियों के खिलाफ दायर जनहित याचिका अब सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में दाखिल याचिका को शीर्ष अदालत ने अन्य संबंधित मामलों के साथ जोड़ते हुए ट्रांसफर कर लिया है। अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में की जाएगी। राज्य में पिछले कुछ समय से ऑनलाइन सट्टा एप, खासकर बहुचर्चित महादेव सट्टा एप को लेकर कई आपराधिक और राजनीतिक चर्चाएं हो चुकी हैं। इसी कड़ी में दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि छत्तीसगढ़ में सक्रिय कई ऑनलाइन सट्टा एप राज्य के जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का खुला उल्लंघन कर रहे हैं और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। हाईकोर्ट में याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान न्यायालय ने राज्य शासन, केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई और गृह सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि इन ऑनलाइन सट्टा एप्स के जरिए प्रदेश में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक क्षरण हो रहा है, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इस बीच, देश के अन्य हिस्सों में भी ऑनलाइन सट्टेबाजी के मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं लंबित थीं। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने सभी संबंधित मामलों को एक साथ संज्ञान में लेते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में लंबित ▢ शेष पृष्ठ 6 पर

11 वर्षों में भारत के एक्सप्रेसवे की लंबाई 5,110 किलोमीटर हो गई : नितिन गडकरी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को संसद में बताया कि भारत में एक्सप्रेसवे सहित एक्सेस-कंट्रोल्ड नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर (प्रवेश-नियंत्रित राष्ट्रीय उच्च गति गलियारों) की लंबाई मार्च 2014 में मात्र 93 किलोमीटर थी जो बढ़कर वर्तमान में लगभग 5,110 किलोमीटर हो गई है। मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को बताया कि 5,110 किलोमीटर लंबाई में से 2,636 किलोमीटर पहले ही चालू हो चुकी है। मंत्री ने अपने उत्तर में यह भी बताया कि भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नेटवर्क की कुल लंबाई मार्च 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,342 किलोमीटर हो गई है।

जजों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, भोपाल गैस त्रासदी की याचिका खारिज

नई दिल्ली(आईएएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों के बावजूद जजों की नियुक्ति में देरी को लेकर दाखिल याचिकाओं पर दो हफ्ते बाद सुनवाई करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रशांत भूषण की अपील पर यह सहमति दी। अधिवक्ताओं ने कहा कि कुछ नाम 2019, 2020 और 2022 में दोबारा सिफारिश के बावजूद अभी तक मंजूर नहीं हुए हैं, जिससे उम्मीदवारों की रुचि और वरिष्ठता दोनों प्रभावित हो रही है। दातार ने बताया कि दिल्ली और मुंबई के कुछ वकीलों ने अंततः नाम वापस ले लिए। प्रशांत भूषण ने एक महिला वकील का उदाहरण दिया जो नेशनल लॉ स्कूल की टॉपर थीं, लेकिन उनका नाम बार-

बार अटका। यह मामला उस बड़ी बहस का हिस्सा है जिसमें केंद्र और न्यायपालिका के बीच कॉलेजियम प्रणाली को लेकर मतभेद जारी हैं।

असम में 667 घरों की तोड़फोड़ पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को असम के गोलपारा जिले में हुई तोड़फोड़ और निष्कासन की कार्रवाई को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि जून महीने में की गई इस कार्रवाई में 667 परिवार प्रभावित हुए हैं और यह सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्देशों का उल्लंघन है।

मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने असम के मुख्य सचिव और अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब मांगा है।

याचिका में कहा गया कि प्रभावितों को न तो पर्याप्त नोटिस दिया गया, न ही व्यक्तिगत सुनवाई का मौका मिला। वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने कोर्ट को बताया कि दो दिन में ही नोटिस देकर तोड़फोड़ शुरू कर दी गई, जबकि वहां के लोग 60-70 वर्षों से रह रहे हैं। याचिका में अंतरिम राहत, पुनर्वास और मुआवजे की भी मांग की गई है।

भोपाल गैस त्रासदी पर कोर्ट ने याचिका की खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी से जुड़े एक मामले में याचिका खारिज कर दी, जिसमें दावा किया गया था कि कई गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को गलत श्रेणी में डालकर कम मुआवजा दिया गया। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को संबंधित हाईकोर्ट में जाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने याचिका के तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की। याचिका में मांग की गई थी कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार उन पीड़ितों की दोबारा पहचान करे जिन्हें 'अस्थायी विकलांगता' या 'हल्की चोट' मानकर कम मुआवजा दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि कई लोगों को किडनी फेल और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हुईं, फिर भी उन्हें मामूली रूप से घायल माना गया।

झारखंड डीजीपी की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। मुख्य न्यायाधीश की बेंच ने कहा कि यह मामला 30 या 31 जुलाई को सूचीबद्ध किया जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने दलील दी कि राज्य सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया में शीर्ष अदालत के 2006 के फैसले और दिशा-निर्देशों की अनदेखी की है। याचिकाकर्ता ने गुप्ता की सेवा विस्तार को भी असंवैधानिक बताया, जिसे केंद्र सरकार ने पहले ही खारिज कर दिया है।

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का एक महीने का विशेष अवसर चुनाव आयोग ने दी राहत

पटना(आईएएनएस)। बिहार में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण का कार्य समाप्ति की ओर है। इस बीच, विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि सरकार वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटा रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटेगा। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए स्पष्ट किया है कि 1 अगस्त से 1 सितंबर तक, मतदाता या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को यह अवसर दिया जाएगा कि वे बीएलओ या बीएलए द्वारा हुई किसी त्रुटि को सुधारने के लिए आवेदन दे सकें। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम छूट गया हो या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम जोड़ दिया गया हो, तो उसकी जानकारी देकर सुधार कराया जा सकेगा। यह व्यवस्था एसआईआर आदेश के पृष्ठ 3, पैरा 7(5) के तहत लागू होगी। वोटर लिस्ट से वंचित लोगों के पास एक बार फिर से नाम जुड़वाने के लिए महीने का समय रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 99 प्रतिशत मतदाता कवर किए जा चुके हैं। 20 लाख मृतक मतदाता, 28 लाख स्थायी प्रवासी मतदाता और 7 लाख से अधिक दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता चिन्हित किए गए हैं। करीब 1 लाख मतदाताओं का कोई पता नहीं चल पाया है। 15 लाख से अधिक मतदाताओं ने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है। कुल 7.17 करोड़ मतदाताओं (90.89%) के फॉर्म प्राप्त होकर डिजिटाइज किए जा चुके हैं।

राहुल गांधी ने मतदाता सूची के मुद्दे पर कर्नाटक का उदाहरण दिया

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को दी चेतावनी

■ **चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा**

नई दिल्ली(आईएएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मतदाता सूची के मुद्दे पर चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाए कि चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की टिप्पणियों को 'बकवास' बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग के अधिकारी इससे बच नहीं सकते क्योंकि हम उनके पास आएंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यह बयान तेजस्वी यादव की 'चुनाव बहिष्कार' वाली टिप्पणी पर किए गए सवाल पर दिया। उन्होंने एसआईआर मुद्दे पर दिल्ली में संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, यह बहुत गंभीर मामला है। चुनाव आयोग भारत के चुनाव आयोग की तरह काम नहीं कर रहा है। उन्होंने कुछ बयान दिया है, यह पूरी तरह से बकवास है। सच तो यह है कि चुनाव आयोग अपना काम नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने मतदाता सूची के मुद्दे पर कर्नाटक का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की एक सीट पर चुनाव आयोग ने गड़बड़ी करने दी, जिसके 90 प्रतिशत नहीं, बल्कि 100 प्रतिशत सबूत ठोस हैं। अभी एक निर्वाचन क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद गड़बड़ी का पता चला। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि हर निर्वाचन क्षेत्र में यही नाटक चल रहा है। हजारों नए मतदाता बनाए गए, लेकिन उनकी उम्र 50 साल, 45 साल या 60 साल है। मतदाताओं का नाम हटाना, नए मतदाता जोड़ना और 18 साल से ज्यादा उम्र के नए मतदाता, हमने उनका पता लगाया। मैं चुनाव आयोग को कहना चाहता हूं अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं। आप इससे बच नहीं पाएंगे। हम आपके पास आएंगे।

प्रियंका गांधी वाड्रा का आरोप, 'विपक्षी नेता को सदन में बोलने नहीं देते'

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष

गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विपक्षी नेता सदन में बोलना चाहते हैं, तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को संसद परिसर में मीडिया से बात की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने कहा, जब भी विपक्षी नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग करते रहे हैं और उन्हें इस पर सहमत होना चाहिए। पिछले सत्र में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि व्यवधान सत्ता पक्ष की ओर से शुरू होता है। वे कोई विषय चुनते थे, ताकि हम उस पर प्रतिक्रिया दें। फिर हंगामा होता है और सदन स्थगित हो जाता था। यह उनके लिए बिल्कुल सही है। यह पहली बार नहीं है जब किसी विपक्षी नेता ने सरकार पर सदन में नहीं बोलने देने का आरोप लगाया है। इससे पहले, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पीड़ितों ने किया स्वागत

मुंबई(आईएएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में 12 आरोपियों को बरी करने से जुड़े बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपियों की रिहाई पर रोक नहीं है और उनको दोबारा जेल नहीं भेजा जाएगा। कोर्ट ने इसी के साथ आरोपियों को नोटिस भी जारी किया है। मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले के पीड़ितों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाई कोर्ट के फैसले पर रोक का स्वागत किया और दोषियों को सख्त सजा की मांग की। पीड़ित राधेश्याम दुबे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाने के फैसले की सराहना करता हूं। हम हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा रोक लगाए जाने के लिए एससी का धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को न्याय प्रणाली में बदलाव करना चाहिए। 19 साल बाद यह केस सुप्रीम कोर्ट में आया है, न्याय प्रणाली मजाक बनकर रह गई है। मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। मैं सुप्रीम कोर्ट से अपील करना चाहता हूं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्णय पूरी पारदर्शिता के साथ हो,

निर्दोष को बरी किया जाए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। पीड़ित लालजी पांडे ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं और यह भी अनुरोध करता हूं कि मामले के हर पहलू पर गहन विचार करने के बाद कानून के अनुसार सख्ती से निर्णय लिया जाए, यह वास्तव में सराहनीय होगा। क?योंकि ज?यादातर केस में हाई कोर्ट के फैसले के आधार पर ही सुप्रीम कोर्ट में फैसले लिए जाते हैं। लोअर कोर्ट में प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर जज ने आरोपियों को सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट को मामले में स्टे लगाने के साथ ही जेल की सजा बरकरार रखनी थी। बरी रहने पर आरोपी साक्ष?य के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। न्यायपालिका से उम्मीद है कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

उत्तर कोरिया में सैन्य ड्रील, किम जोंग उन ने कहा- सेना रहे तैयार

सोल (आईएएनएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अपनी सेना से कहा है कि वह गहन प्रशिक्षण के जरिए अपनी युद्ध क्षमता को और बढ़ाए। उन्होंने कहा सेना को ÷किसी भी समय युद्ध का सामना करने और हर लड़ाई में दुश्मन को हराने÷ के लिए तैयार रहना चाहिए। यह जानकारी उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया ने गुरुवार को दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के हवाले से योनहाप ने बताया कि किम जोंग-उन ने यह बयान कोरियाई पीपुल्स आर्मी की तोपखाना इकाइयों की फायरिंग प्रतियोगिता का निरीक्षण करते वक्त दिया। इस दौरान उनके साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा अधिकारी भी मौजूद थे। केसीएनए के अनुसार, यह प्रशिक्षण तोपखाने की फायरिंग क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इसमें भाग लेने वाली इकाइयों को एक तय समय और जगह पर समुद्र में मौजूद लक्ष्य पर निशाना लगाने का आदेश दिया गया।

पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा पर कांग्रेस का तंज

■ **एफटीए नहीं, भगोड़ा ट्रांसफर एग्रीमेंट चाहिए**

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर करारा तंज कसा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भारत को ब्रिटेन से असली जरूरत 'फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट' की है, जिससे विजय माल्या, नीरव मोदी और ललित मोदी जैसे भगोड़े वापस आ सकें। उन्होंने इस तंज के साथ केंद्र की विदेश नीति और भगोड़ों की वापसी पर सवाल खड़े किए।

कांग्रेस संचार प्रमुख जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए आज लंदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में साइन होगा।

लेकिन भारत को वास्तव में चाहिए एक और असरदार एफटीए यानी 'फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट'। मोदी मॉडल के तीन प्रमुख भगोड़े विजय माल्या, नीरव मोदी और ललित मोदी आज भी 'घर वापसी' का इंतजार कर रहे हैं।

कांग्रेस ने उठाया घरेलू उद्योगों पर असर का मुद्दा

एफटीए पर हस्ताक्षर से पहले ही कांग्रेस ने इसकी प्रक्रिया और प्रभाव पर सवाल खड़े किए थे। पार्टी का कहना है कि यह समझौता भारत के घरेलू उद्योगों, खासकर लघु और मध्यम उद्यमों पर असर डाल सकता है। पार्टी ने सरकार से यह भी पूछा है कि किन क्षेत्रों में छूट दी जा रही है और इससे कौन फायदे में रहेगा।

भारत-यूके व्यापार समझौते की खास बातें

इस व्यापार समझौते को ब्रेग्जिट के बाद ब्रिटेन के लिए सबसे अहम माना जा रहा है। इसमें भारत के 99 फीसदी निर्यात पर टैरिफ खत्म किया जाएगा। वहीं ब्रिटेन की ओर से व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों की व्यापारिक टोकरी को बड़ा करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

'यूके-इंडिया विजन 2035' भी होगा लॉन्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के बीच मुलाकात के दौरान 'यूके-इंडिया विजन 2035' भी लॉन्च किया जाएगा। इसका मकसद दोनों देशों के संबंधों को अगले दशक में नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

तीन साल की बातचीत के बाद बनी सहमति

भारत और ब्रिटेन के बीच यह व्यापार समझौता तीन साल की लंबी बातचीत के बाद तैयार हुआ है। इस समझौते के तहत भारत को सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच मिलेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि करीब 99 फीसदी टैक्स श्रेणियों में भारत को टैरिफ से राहत मिलेगी, जिससे लगभग पूरी व्यापारिक मात्रा को कवर किया जा सकेगा।

दिल्ली में बाढ़ का खतरा यमुना उफान पर

नई दिल्ली। देश भर में मानसून ने रौद्र रूप ले लिया है, जिससे उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान पर बह रही है, तो वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल और उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है। मुंबई समेत कई राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राजधानी दिल्ली पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से खतरे के निशान तक पहुँच गया है, जिसके चलते कई निचले इलाकों में पानी घुसना शुरू हो गया है।

कांग्रेस ने फिर उठाए धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल

■ **सम्माजनक 'विदाई समारोह' की मांग की**

नई दिल्ली। कांग्रेस पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। विपक्षी पार्टी ने अब उनके लिए एक 'विदाई समारोह' की मांग की है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। यह मांग बुधवार शाम व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उठाई।

सूत्रों के मुताबिक, इस मांग पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा और किरेन रिजिजू ने इस विषय पर कुछ नहीं कहा। बताया जा रहा है कि जयराम रमेश की इस मांग का किसी अन्य विपक्षी नेता ने भी समर्थन नहीं किया। कांग्रेस चाहती है कि धनखड़ को एक 'सम्मानजनक विदाई' दी जाए। वह तीन साल तक उपराष्ट्रपति के पद पर रहे। कांग्रेस ने उनके अचानक इस्तीफे पर भी सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि धनखड़ पर इस्तीफे का दबाव बनाया गया, क्योंकि उन्होंने विपक्षी सांसदों की ओर से दिए गए

उस नोटिस को स्वीकार कर लिया था, जिसमें जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने की मांग थी। कुछ महीने पहले जस्टिस वर्मा के घर से जली हुई नकदी बरामद की गई थी। यह मांग ऐसे समय पर उठी है, जब राज्यसभा गुरुवार को अपने छह सदस्यों को विदाई दे रही है। इन सदस्यों में अंबुमणि रामदास, वाइको, पी. विल्सन, एम. षणमुगम, एम. मोहम्मद अब्दुल्ला और एन. चंद्रशेखरन शामिल हैं, जिन्हें विदाई दी जा रही है।

पाकिस्तान में तूफान और मूसलाधार बारिश से तबाही, 18 की मौत

इस्लामाबाद(आईएएनएस)। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश से हालात खराब हैं। पड़ोसी मुल्क में बाढ़ और तूफान के कारण 18 अन्य लोगों की जान चली गई।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) ने चेतावनी जारी करते हुए 25 जुलाई तक देश के अधिकांश हिस्सों में लगातार बारिश की आशंका जताई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में करीब 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में 10-15 लोग बह गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने बुधवार को बताया कि केपी प्रांत में मरने वाले 13 लोगों में नौ बच्चे, तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इसके अलावा, बारिश से संबंधित घटनाओं में दो बच्चों और एक महिला सहित तीन अन्य घायल हो गए हैं।

पीडीएमए की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार प्रांत में 19 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 17 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं, जबकि दो पूरी तरह से नष्ट हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटनाएं प्रांत के कई जिलों में हुईं, जिनमें स्वात, बुनेर, बाजौर, तोरघर, अपर कोहिस्तान, मर्दन, कुर्रम, हरिपुर, मनसेहरा, अपर चित्राल, मलकंद और शांगला शामिल हैं। पिछले 48 घंटों में, स्वात जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां अचानक आई बाढ़ के चलते घर ढहने से छह बच्चों और एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला और बच्चा घायल हो गए।

एयर इंडिया के पायलट लेने लगे बीमारी की छुट्टी

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया पायलटों की बीमारी की छुट्टी लेने की संख्या में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकार ने संसद में इस बारे में जानकारी दी है। पिछले महीने 12 जून को अहमदाबाद में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। इस हादसे में कुल 260 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से 241 विमान में सवार थे। लोकसभा के एक सदस्य ने प्रश्न पूछा था कि क्या एयर इंडिया के फ्लाइट, क्रू सदस्य बड़ी संख्या में बीमारी की छुट्टी ले रहे हैं? यह सवाल विमान हादसे के बाद की स्थितियों को लेकर पूछा गया था। इसके उत्तर में नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि पायलटों की ओर से बीमारी की छुट्टी लेने की संख्या में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है।

21000 अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड न मिलने पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

पंचकूला(आईएएनएस)। सीईटी एग्जाम के लिए 21 हजार अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड नहीं मिलने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन से जवाब मांगा है। 26 और 27 जुलाई को हरियाणा में आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा से ठीक पहले अभ्यर्थियों ने एडमिट कार्ड न मिलने पर हाईकोर्ट का रुख किया। इस संबंध में कई याचिकाएं दाखिल की गईं। हाईकोर्ट इन याचिकाओं पर 25 जुलाई को अगली सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील रविंद्र ढुल ने बताया कि हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने मई 2025 में सीईटी

परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी किया था। आवेदन की अंतिम तिथि 14 जून और ऑनलाइन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 16 जून निर्धारित की गई थी। रविंद्र ढुल ने बताया कि कई उम्मीदवारों ने समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी की, लेकिन पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी के कारण उम्मीदवारों के एक्नॉलेजमेंट दस्तावेज अपलोड होने के बावजूद आयोग की साइट पर शो नहीं हुए।

घमासान... स्थिति गंभीर है कि लोग पूरी चुनाव प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर चिंतित

एसआईआर पर घमासान : विपक्ष ने तेजस्वी के बयान को बताया सही

नई दिल्ली(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार के बयान को विपक्षी दलों का समर्थन मिला है। विपक्ष ने तेजस्वी के बयान का हवाला देकर चुनाव आयोग और सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। दूसरी ओर, सत्तापक्ष ने विपक्ष पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया है। राजद नेता तेजस्वी यादव के 'चुनावों का बहिष्कार' वाले बयान पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं उनकी पार्टी या उनके फैसलों के

बारे में नहीं बोल सकता, लेकिन स्थिति इतनी गंभीर है कि लोग पूरी चुनाव प्रक्रिया की ईमानदारी को लेकर वाकई चिंतित हैं। अगर हर चुनाव क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित किया जाता है, खासकर अगर यह टारगेट है, तो चुनाव की ईमानदारी सवालों के घेरे में आ जाती है। यह एक निष्पक्ष चुनाव नहीं रह जाएगा।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने तेजस्वी के बयान का जिक्र करते हुए कहा, बिहार के लोगों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ हमारा विरोध जारी रहेगा। वहां के लोगों से अनुचित तरीके से दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। इस समय बिहार में बाढ़ जैसे हालात हैं, यह कैसे संभव है? ये सुविधाएं हर गांव तक नहीं पहुंच सकतीं, तो लोगों से मतदाता सूची की पुष्टि की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निष्पक्ष रूप से हम लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। बिहार एसआईआर पर कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, ÷चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठ रहा है और इसी बात को हम अपने विरोध प्रदर्शन के जरिए बता रहे हैं। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷विपक्ष के बहिष्कार के बावजूद बिहार की 99 प्रतिशत जनता ने फॉर्म भर दिया है। यह बात बताती है कि तेजस्वी यादव की हार निश्चित है।

विपक्ष को जनता की कोई परवाह नहीं

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷विपक्ष की भी कई जिम्मेदारियां होती हैं, लेकिन जिस तरह से उनका व्यवहार है, यह पूरा देश देख रहा है। देख रहा है कि विपक्षी दल कैसे लोकतंत्र और संविधान का गला घोंट रहे हैं। वे इतना चिल्लाते हैं और चीखते हैं कि अपने आगे किसी की भी नहीं सुनते हैं। विपक्ष को जनता की कोई परवाह नहीं है।

कारावास को अवसर बनाकर तिलक ने लिखी 'गीता'

■ महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में मनाई गई बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद जयंती

रायपुर/नवप्रदेश । लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जितने ईमानदार और स्पष्ट वक्ता थे, उतने ही आक्रामक विचारों के भी थे। उस काल में गरम दल का अर्थ बंदूक, गोला- बारूद हुआ करता था, लेकिन उनके गरम दल का अर्थ तीव्र विचारधारा के साथ लेखन था। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में चंद्रशेखर आजाद और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर इस आशय के विचार दिव्यांग बालिका विकास गृह के प्रभारी प्रसन्न निमोणकर ने व्यक्त किए।

इस मौके पर निमोणकर ने बच्चों को तिलक और चंद्रशेखर के विचारों और सिद्धांतों के बारे में सविस्तार बताया। उन्होंने कहा कि तिलक ने म्यांमार में कारावास को अवसर बनाकर गीता रहस्य नामक ग्रंथ की रचना की। तिलक न तो असत्य बोलते थे और न ही असत्य बर्दाश्त करते थे। एक बार स्कूल जीवन में मूंगफली के छिलके को लेकर पूरी कक्षा को सजा देने पर आमादा शिक्षक का उन्होंने यह कहकर विरोध किया कि जब मैंने कक्षा में मूंगफली नहीं लाई और न ही छिलके बिखेरे, तो मैं सजा क्यों बर्दाश्त करूं। जब इस मामले में तिलक के आदर्शवादी पिता गंगाधर तिलक को बुलाया गया, तो उन्होंने भी अपने बेटे का साथ दिया।

प्रसन्न ने तिलक और आजाद की शिक्षा, आजादी के आंदोलन में योगदान को भी रेखांकित किया।

जो भ्रष्टाचार किया है न्यायालय फैसला करेगा : डॉ. रमन

■ भूपेश बघेल के डबल इंजन की सरकार गिरने की बयान पर रमन सिंह का पलटवार

रायपुर /नवप्रदेश। बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी से आहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने डबल इंजन की सरकार गिरने की बात कही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार आती है-जाती है। किसी के श्राप से कुछ हो नहीं सकता। जो भ्रष्टाचार किया है उसका न्यायालय सही-सही फैसला करेगा। इसलिए इंतजार करना चाहिए, ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए।

मंत्री टंकराम वर्मा के निवास पर हरेली -खेल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के निवास पर हरेली पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे डॉ रमन सिंह ने गौठानों को बंद करने वाले भूपेश बघेल के बयान पर कहा कि गौठान की हालत खराब 5 साल में भूपेश सरकार ने की. भूपेश बघेल को बोलने का कोई हक नहीं है।

हरेली कार्यक्रम के दौरान डॉ. रमन सिंह ने कहा कि टंकराम वर्मा घर में शादी विवाह के अवसर पर बाहर से बुलाने की आवश्यकता नहीं, तीनों भाई गाना बजाने के लिए काफी है. चारों ओर खुशहाली आए, यह हम कामना करते है. बड़े-बड़े काम करने वाला मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हमारे साथ बने हैं।

आवास में आयोजित कार्यक्रम में इस अवसर पर मंत्री टंकराम वर्मा ने गेड़ी भी चलाई. इस दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरा छत्तीसगढ़ हरेली का त्यौहार मना रहा है. हम भी आज हरेली के रंग में रंग गए है. बचपन के दिनों को याद करते हैं. अब तक मै 6 पौवा वाली 10 फीट की गाड़ी चल चुका हूं. वहीं कांग्रेस के बयानों का पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें किसी का एकाधिकार नहीं है. हम जब से होश संभाले है. तब से खेल खेलने आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

तन, मन और स्वजन से दु:ख पाता है ग़लत काम करने वाला : मनीष

रायपुर/नवप्रदेश। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी

चातुर्मासिक प्रवचनमाला में गुरुवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि व्यक्ति जब गलत काम करता है तो तन से, धन से और स्वजन से दुख पाता है। आपको कार्य क्षेत्र में लोभ होगा, लेकिन लालच में नहीं पड़ना चाहिए। लोभ इतना मत रखना कि विवेक लुप्त हो जाए। लोभ की सीमा रखो। परिग्रह की सीमा रखो। बहुत लालच में ना आओ। बहुत महत्वाकांक्षी मत बनो, जिससे आपका विवेक लुप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि फुर्सत के समय में हमेशा धर्म कार्य करते रहना चाहिए। जीवन में परिस्थितियां तो आपको विचलित करेगी लेकिन विचलित नहीं होना है। धर्म ही आपको संबल देगा।

पचरंगी तप महोत्सव 28 जुलाई से

उपाध्याय भगवंत ने बताया कि 28 जुलाई से 5 दिन का तप आरंभ हो रहा है। इस पचरंगी तप में प्रतिदिन नए तप होंगे। पहले दिन 28 जुलाई को निवि होगा। 29 जुलाई को एकसना होगा। 30 तारीख को आयम्बिल। 31 जूलाई को बियासना होगा और 1 अगस्त को उपवास होगा। यह पांच दिवसीय तप होगा। इस तरह से पंचकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। 28 जुलाई को च्यवन कल्याणक की कल्पना करेंगे। 29 जुलाई को भगवान नेमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक, 30 जुलाई को दीक्षा कल्याणक, 31 जुलाई को कैवल्य ज्ञान और 1 अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक अवसर आएगा। इस महोत्सव में हम सब तप और आराधना से जुड़ेंगे।

छगरा ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष ने भवन का किया उद्घाटन

रायपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के

अध्यक्ष विनोद कुमार अरोरा द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय कोरबा अंतर्गत शाखा जमनीपाली के नवीन शाखा भवन परिसर का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान शाखा के सम्माननीय ग्राहकगण, क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक उत्तम नवरंग, शाखा प्रबंधक संजय राठौर एवं शाखा के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

इस दौरान अध्यक्ष महोदय द्वारा नवनिर्मित शाखा भवन परिसर का निरीक्षण किया गया एवं शाखा के ग्राहकों एवं मीडिया को संबोधित करते हुए बैंक एवं सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना इत्यादि एवं मुख्य बैंकिंग उत्पादों जैसे आवास ऋण, कार लोन, गोल्ड लोन, डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग ःक्र कोड आदि के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गई एवं शाखा एवं बैंक हित में ग्राहकों से आवश्यक सुझाव साझा किए गए एवं सभी ग्राहकों को बेहतर से बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु आश्वस्त किया गया , उनके द्वारा बताया गया कि निकट भविष्य में क्रमबद्ध तरीके से बैंक की समस्त शाखाओं को नवीनीकृत एवं वातानुकूलित किया जावेगा ताकि आने वाले ग्राहकों को स्तरीय सुविधाएं एवं ग्राहक सेवा प्रदान की जा सके। अंत में उनके द्वारा उपस्थित समस्त ग्राहकों एवं सेवायुक्तों को नवीन शाखा भवन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई एवं व्यवसाय वृद्धि एवं बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु उत्साहवर्धन किया गया।

प्रकृति की संगोष्ठी का दिया आमंत्रण

रायपुर/नवप्रदेश। प्रकृति की ओर सोसायटी के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी ने 2 अगस्त शनिवार समय 10:30 से 1:00 बजे , वृंदावन हॉल, रायपुर में आयोजित होने वाली संगोष्ठी प्रकृति के संग हरित छत्तीसगढ़ नीति, प्रकृति और परिवर्तन के मुख्य अतिथि के रूप में अरुण साव उपमुख्यमंत्री, को हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए आमंत्रित किया।संगोष्ठी में विशेष अतिथि मीनल चौबे महापौर, नगरनिगम रायपुर होगी।

मुख्यमंत्री साय ने की फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना

■ प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की

रायपुर/नवप्रदेश। सावन मास के पावन अवसर पर मुख्यमंत्रीविष्णुदेव साय ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ बगिया स्थित श्री फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुप्रसिद्ध कथा वाचिका किशोरी राजकुमारी तिवारी द्वारा किए जा रहे शिव महापुराण कथा का श्रवण भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी पर बनी रहे और हमारा देश और छत्तीसगढ़ सतत् रूप से विकास, शांति और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। हमारी सरकार की नई उद्योग नीति से आकर्षित होकर बीते छह से आठ महीनों में लगभग साढ़े छह लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों के अवसर सृजित किए हैं। इस अवसर पर फलेश्वरनाथ महादेव मंदिर परिसर में आयोजित 01 लाख 108 पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं विशेष पूजन अनुष्ठान श्रद्धा, आस्था और शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन 22 जुलाई से प्रारंभ हुआ था और इसका समापन आज 24 जुलाई को विधिपूर्वक किया गया। पूरे आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। भक्तगण पूर्ण श्रद्धा, निष्ठा और भक्ति भाव से पार्थिव शिवलिंग निर्माण में सहभागी रहे। पूजन एवं अनुष्ठान का आयोजन प्रतिष्ठित विद्वान पंडितों द्वारा शास्त्र सम्मत विधियों के अनुसार किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा।

छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा त्योहार है हरेली : भूपेश बघेल

❍ बेटे की गिरफ्तारी इत्तेफाक नहीं, साजिश

❍ मोदी सरकार पर गरजे भूपेश बघेल, ईडी पर भी साधा निशाना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूरी पारंपरिक छवि के साथ मनाया। अपने निवास पर उन्होंने हल, बैलगाड़ी और कृषि उपकरणों की विधिपूर्वक पूजा की, साथ ही गेड़ी चढ़कर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनका पूरा परिवार भी मौजूद रहा।

गोठानों को लेकर सरकार पर तीखा हमला–पूर्व मुख्यमंत्री ने गोठानों को बंद करने की कथित कोशिशों को लेकर भी बीजेपी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा बीजेपी एक ओर गाय के नाम पर राजनीति करती है, दूसरी ओर गोठानों को खत्म करने में जुटी है। महिलाओं को जमीन खाली करने के नोटिस दिए जा रहे हैं और वहां सामुदायिक भवन बनाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गोठान केवल पशुधन के लिए नहीं, बल्कि महिला स्व सहायता समूहों की आय का भी आधार हैं। ऐसे फैसले ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रहार हैं।

हरेली हमारी पहचान है

भूपेश बघेल ने गेड़ी चढ़ते हुए ग्रामीण संस्कृति को सम्मान देने का संदेश दिया।

कैट टीम ने कौर संधू एवं देवाशीष माखीजा का किया स्वागत

रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन मगेलाल मालू, प्रदेश एक्जीक्यूटिव चेयरमैन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज कैट टीम ने रोवर रेंजर के रोवर अवार्ड प्राप्तकर्ता मंत्रीप्त कौर संधू एवं देवाशीष माखीजा का स्वागत सम्मान किया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि 22 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में वर्ष 2018-21 के लिए 52वें राष्ट्रपति स्काउट/ गाइड/रोवर/रेंजर पुरस्कार प्रमाणपत्र वितरित किए। समारोह में कुल 16 स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर्स को उनके अनुशासन, सामाजिक सेवाकार्यता और नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें छत्तीसगढ के मंत्रीप्त कौर संधू एवं देवाशीष शामिल रहे।

दुकान का ताला तोड़कर चोरी, नागपुर से 4 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के कटोरा तालाब स्थित शोभा टेलीकॉम दुकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी मामले में पुलिस ने 2 नाबालिग समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सिविल लाइन पुलिस और एंटी क्राइम यूनिट ने मुख्य आरोपी नवीन पिंजानी और शेख इमरोज को नागपुर से ट्रेन में पकड़ा. आरोपियों के पास से चोरी के कुल 87 मोबाइल फोन, नगदी 20,000 और दो एक्टिवा जब्त की गई है. आरोपी शेख इमरोज पहले भी लूट और आर्म्स एक्ट में जेल जा चुका है। पूरे मामले का खुलासा आज रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने किया। प्रार्थी विशाल विरनानी ने थाना सिविल लाईन में कटोरा तालाब स्थित शोभा टेलीकॉम मोबाइल दुकान से चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया था कि वह 22 जुलाई 2025 को रात्रि 10 बजे अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था. अगले दिन सुबह 06.30 बजे पड़ोसी ने उसे फोन कर बताया कि आपके दुकान का आधा शटर खुला हुआ है. दुकान जाकर देखा तो दुकान का ताला टूटा हुआ था. अंदर जाकर देखा तो दुकान में रखें विभिन्न कंपनियों के नये एवं पुराने मोबाइल फोन एवं नगदी रकम नहीं था।कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के दुकान में लगे शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर दुकान में रखे कुल 87 नग नए/पुराने मोबाइल फोन, नगदी रकम, मोबाइल बिल एवं रजिस्टर को चोरी कर ले गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाइन में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना सिविल लइन पुलिस की संयुक्त टीम ने घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया।

सुविचार

आज के दौर में लोगों के पास हर जटिल से जटिल समस्या का हल है बशर्ते समस्या दूसरों की हो। - अज्ञात

संसद में जारी गतिरोध टूटना जरूरी

21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र में लगातार गतिरोध बना हुआ है। संसद के मानसून सत्र का अगाज ही हंगामे के साथ हुआ था और विपक्ष आपरेशन सिंदूर पर संसद में चर्चा की मांग को लेकर जिद पर अड़ गया। विपक्ष चाहता था कि आपरेशन सिंदूर पर तत्काल चर्चा कराई जाये और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर जवाब दें। सरकार इसपर चर्चा के लिए तैयार भी हो गई लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस पर चर्चा नियमों के अनुसार ही होगी इसके लिए लोकसभा में 16 घंटे और राज्यसभा में 9 घंटे बहस के लिए तय कर दिये गये। किन्तु विपक्ष तत्काल चर्चा की मांग को लेकर हंगामा करता रहा है। नतीजतन यह पूरा सप्ताह हंगामों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष इस मुद्दे को लेकर हंगामा करना शुरू कर देता है। जिसकी वजह से बार बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर चर्चा से भागने का आरोप प्रत्यारोप लगाते रहे हैं। विपक्ष ने तो संभवतः हंगामा खड़ा करना ही अपना मकसद बना लिया है। सत्ता पक्ष भी संभवतः संसद में जारी गतिरोध को तोड़ने का इच्छुक नहीं है अन्यथा दो तीन दिनों के हंगामे के बाद यह गतिरोध समाप्त किया जा सकता था। ससंद को सुचारू रूप से चलाना सत्ता पक्ष की ही जिम्मेदारी होती है जिसके निर्वहन में सत्ता पक्ष विफल सिद्ध हो रहा है। संसद का मानसून सत्र महत्वपूर्ण है इसमें मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर संशोधन विधेयक तथा मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को हर छह महीने में संसद की मंजूरी बढ़ाने की तथा इसके विस्तार के लिए एक विधेयक लाने के अलावा अन्य आधा दर्जन महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश किये जाने हैं किन्तु संसद में गतिरोध के चलते विधि विधाई कार्य नहीं हो पा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खींची हुई है दोनों ही अपनी जिद पर कायम हैं जिसकी वजह से बीच का रास्ता नहीं निकल पा रहा है। इस बीच मानसून सत्र के पहले ही दिन राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक दिये गये इस्तीफे को लेकर भी नया सियासी बवाल खड़ा हो गया है। कुल मिलाकर संसद में हंगामों के कारण कामकाज बाधित हो रहा है और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पा रही है। जनहित में यह जरूरी है कि संसद में जारी गतिरोध जल्द से जल्द टूटे और इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष गंभीरतापूर्वक विचार कर संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए आपसी सहमति बनाई।

नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति आखिर कब

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव हुए एक साल पूरा होने जा रहा है लेकिन अभी तक नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। नगरीय निकाय चुनाव में जिन लोगों को पार्षद पद की टिकट से वंचित करके उन्हें एल्डरमेन बनाने का वादा किया गया था और उन्हें नगरीय निकाय चुनाव में मेहनत करने को कहा गया था। ऐसे सभी कार्यकर्ता बड़ी बेसबरी से एल्डरमेन पद पर अपनी नियुक्ति की बांटजोह रहे हैं। किन्तु एल्डरमेन पदों पर नियुक्ति के लिए उन लोगों ने महीनों पूर्व अपना बायोडाटा भी सौंप दिया है। किन्तु अभी तक नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति नहीं की गई है और न ही यह स्पष्ट हो रहा है कि आखिर कब तक नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति हो पाएगी। एल्डरमेन पद के दावेदारों में बेचैनी बढ़ती जा रही है और वे पार्टी नेताओं के घरों का चक्कर काट काट कर परेशान हो रहे हैं किन्तु संबंधित नेता भी उन्हें कोई ठोस अश्वासन नहीं दे पा रहे हैं। नतीजतन एल्डरमेन पद के दावेदारों के मन में निराशा की भावना घर करती जा रही है। उन्होंने राज्य शासन से अनुरोध किया है कि वे जल्द से जल्द नगरीय निकायों में एल्डरमेनों की नियुक्ति करके उन्हें भी जनसेवा का अवसर प्रदान करें। ऐसे दावेदारों का कहना है कि पूर्ववर्तीय कांग्रेस की सरकार ने उस समय नगरीय निकाय चुनाव के तत्काल बाद एल्डरमेनों की नियुक्ति कर दी थी इसलिए भाजपा सरकार को भी इसमें ज्यादा विलंब नहीं करना चाहिए।

आम आदमी के क्षितिज को अनुप्राणित करती है भारत की अंतरिक्ष यात्रा

डॉ. जितेन्द्र सिंह
केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

यह सिर्फ़एक अंतरिक्ष यात्री की बात नहीं है। यह एक राष्ट्र के उत्थान की बात है। यह अंतरिक्ष विज्ञान को जनसेवा में बदलने की बात है। यह माइक्रोग्रैविटीअनुसंधान के लाभ भारत के कोने- कोने तक – दूरदराज के गाँवों में सैटेलाइट इंटरनेट से लेकर शहरी अस्पतालों में पुनर्योजी चिकित्सा तक पहुँचाना सुनिश्चित करने की बात है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के शब्दों में, गगनयान का आशय है किसी भारतीय को भारतीय साधनों के द्वारा अंतरिक्ष में पहुँचाना। एक्सिओम-4 एक पूर्वाभ्यास है, अवधारणा का प्रमाण है, आकांक्षा और उपलब्धि के बीच का सेतु है। और जब हम तारों को देखते हैं, तो हम उन्हें सिर्फ़अचरज भरी निगाहों से ही नहीं निहारते, बल्कि इरादे से देखते हैं। क्योंकि भारत के लिए आकाश कोई सीमा नहीं, बल्कि प्रयोगशाला है।

इसकी शुरुआत बमुश्किल दिखाई दे रही एक दरार से हुई–जो फाल्कन-9 बूस्टर की प्रेशर फीडलाइन के वेल्ड जॉइंट में छिपी हुई थी। यह अंतरिक्ष उड़ान की विशाल मशीनरी में संभवतः एक छोटी सी खामी रही होगी। लेकिन भारत के लिए, यह निर्णायक घड़ी थी। इसरो के हमारे सचेत और अटल वैज्ञानिकों ने जवाब माँगा। उन्होंने कामचलाऊ उपायों की बजाए,मरम्मत पर ज़ोर दियाऔर ऐसा करके, उन्होंने न सिर्फ़एक मिशन की रक्षा की बल्कि–एक सपने की भी हिफाजत की ।

उस सपने ने 25 जून, 2025 को उड़ान भरी, जब भारतीय वायु सेना के अधिकारी और इसरो-प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम-4 मिशन के ज़रिए कक्षा में पहुँचे। एक दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़कर, वह –न सिर्फ़ अंतरिक्ष में, बल्कि मानव-केंद्रित विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के भविष्य में भीभारत की अगली बड़ी छलांग का चेहरा बन गए। यह कोई रस्मी् यात्रा नहीं थी। यह एक वैज्ञानिक धर्मयुद्ध था। शुक्ला अपने साथ सात माइक्रोग्रैविटीप्रयोग लेकर गए थे। इनमें से प्रत्येक प्रयोग को भारतीय शोधकर्ताओं ने उन सवालों के उत्त्र जानने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया था, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, बल्कि हमारे समूचे देश के किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

अंतरिक्ष में मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरित होने के बारे में विचार कीजिए। यह सुनने में सरल, लगभग काव्यात्मक प्रतीत होता है। लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। अंतरिक्ष यान के सीमित क्षेत्र में, जहाँ पोषण का प्रत्येक ग्राम मायने रखता है, वहाँ यह समझना कि माइक्रोग्रैविटीमें भारतीय फसलें कैसे व्यवहार करती हैं, लंबी अवधि के मिशनों के लिए चालक दल के आहार को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पृथ्वी पर, विशेष रूप से मृदा क्षरण और जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में, ऊर्ध्वाधर खेती और हाइड्रोपोनिक्स में नवाचारों को प्रेरित कर सकता है।

इसके अलावा भारतीय टार्डिग्रेड्स का अध्ययन–इन सूक्ष्म जीवों को इनकी मजबूती के लिए जाना जाता है।

सुप्तावस्था से जागे इन सूक्ष्म जीवों का अंतरिक्ष में जीवित रहने, प्रजनन और जेनेटिक एक्स्प्रेशन की दृष्टि से अवलोकन गया। उनका व्यवहार जैविक सहनशक्ति के रहस्यों को उजागर कर सकता है, जो टीके के विकास से लेकर जलवायु-प्रतिरोधी कृषि तक, हर चीज़ में सहायक हो सकता है। शुक्ला ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया। इस प्रयोग में इस बात की पड़ताल की गई कि मानव मांसपेशी कोशिकाएँ अंतरिक्ष की परिस्थितियों और पोषक तत्वों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। ये निष्कर्ष मांसपेशीय क्षय के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिससे न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को, बल्कि वृद्ध रोगियों और आघात या ट्रामा से उबर रहे लोगों को भी लाभ होगा।

अन्य जारी प्रयोगों में सायनोबैक्टीरिया की वृद्धि–ये ऐसे जीव हैं, जो संभवतः किसी दिन अंतरिक्ष में जीवन-रक्षक प्रणालियों की सहायता कर सकते हैं–तथा चावल, लोबिया, तिल, बैंगन और टमाटर जैसे भारतीय फसलों के बीजों का माइक्रोग्रैविटीके संपर्क में आना शामिल है।इन बीजों को पीढ़ी दर पीढ़ी उगाया जाएगा ताकि वंशानुगत परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सके, जिससे संभावित रूप से चरम वातावरण के अनुकूल नई फसल किस्में विकसित हो सकें।

यहाँ तक कि मानव-मशीन संपर्क को भी परखा गया। शुक्ला ने यह समझने के लिए वेब-आधारित आकलन किया कि इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के साथ बातचीत करने की हमारी क्षमता को माइक्रोग्रैविटी किस प्रकार प्रभावित करती है - जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और अंतरिक्ष यान के लिए सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस डिजाइन करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है।

ये कोई अमूर्त प्रयास नहीं हैं। ये समाज के लिए विज्ञान के भारतीय लोकाचार में गहराई से निहित हैं। एक्सिओम-4 का हर प्रयोग पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है–चाहे वह ओडिशा का कोई जनजातीय किसान हो, शिलांग का कोई स्कूली बच्चा हो, या लद्दाख का कोई फ्रंटलाइन डॉक्टर हो।

इस मिशन ने वैश्विक अंतरिक्ष कूटनीति में भारत के बढ़ते कद को भी दर्शाया। सुरक्षा प्रोटोकॉल पर हमारे द्वारा ज़ोर दिए जाने ने स्पेसएक्स को एक संभावित विनाशकारी खामी की पहचान करने और उसे ठीक करने में मदद की। नासा, ईएसए और एक्सिओम स्पेस के साथ हमारा सहयोग समान साझेदारी के एक नए युग को दर्शाता है, जहाँ भारत केवल भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि नेतृत्व भी कर रहा है।

पूरे मिशन के दौरान, इसरो के फ़्लाइट सर्जनों ने शुक्ला के स्वास्थ्य पर नज़र रखते हुए उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखा। वे पूरे जोश में रहे और लखनऊ से लेकर त्रिवेंद्रम, बैंगलोर से लेकर शिलांग तक, पूरे भारत के छात्रों से बातचीत करते रहे और युवा मन में विज्ञान और अंतरिक्ष की संभावनाओं के प्रति उत्साह जगाते रहे। शुक्ला अब लौट आए हैं, और वह अपने साथ प्रचुर मात्रा में डेटा, नमूने लाए हैं और उनके द्वारा लाई गई अंतर्दृष्टि भारत के आगामी गगनयान मिशन और भारत अंतरिक्ष स्टेशन को शक्ति प्रदान करेगी।

गेम चेन्जर साबित होगी पीएमडीडीकेवाई

प्रेम शर्मा

केंद्रीय स्तर पर केंद्रीय मंत्रियों की और सचिव की अध्यक्षता में अन्य विभागों के अधिकारियों की टीम होगी। वैसे देखा जाए तो कृषि पर संसद की स्थायी समिति ने अनुदान मांगों पर ताजा रिपोर्ट में, कुल केंद्रीय योजनागत खर्च के प्रतिशत के रूप में कृषि के लिए आवंटनों में निरंतर गिरावट का उल्लेख किया था। यह वित्त वर्ष 2021-22 में 3.53 फीसदी था। जो घट कर 2022-23 में 3.14 फीसदी, 2023-24 में 2.57 फीसदी, 2024-25 में 2.54 फीसदी और 2025-26 में 2.51 फीसदी रह गया। इसके बावजूद किसानों के हित में 36 योजनाओं को एक करके जो महत्वकांक्षी योजना लागू होने जा रही है वह अगर बिना भेदभाव, क्षेत्रवाद, राजनीति और नौकरशाही से मुक्त होगा धरातल पर उतारी गई तो इसके दूरगामी लाभ अवश्य मिलेगे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' (पीएमडीडीकेवाई) को 11 विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं को मिलाकर लागू किया जायेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चैहान के मुताबिक, यह योजना विभिन्न राज्यों के बीच, और एक राज्य के भीतर विभिन्न जिलों के बीच भी, ÷उत्पादकता में असमानता÷ से निपटने पर ध्यान देगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) जैसी केंद्र की चहेती योजनाओं के साथ-साथ जिला धन-धान्य समितियों द्वारा चिह्नित संबंधित राज्य की योजनाओं को भी पीएमडीडीकेवाई में समाहित किया जायेगा।

निजी क्षेत्र के साथ स्थानीय साझेदारियों को भी इस प्रस्तावित योजना के तहत प्रोत्साहित किया जायेगा, जो अक्टूबर में रबी की फसल के मौसम के दौरान शुरू होगी। इस योजना पर छह वर्षों के लिए 24,000 करोड़ रुपये का सालाना खर्च तय किया गया है।

उम्मीद लगायी गयी है कि इस योजना का नतीजा उच्च उत्पादकता, कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन, स्थानीय आजीविका सृजन, घरेलू उत्पादन और आत्मनिर्भरता में वृद्धि के रूप में सामने आयेगा। योजनाओं के इस एकीकरण को कृषि पर घटते सार्वजनिक खर्च की पृष्ठभूमि में देखना होगा। नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम की तर्ज पर, केंद्र कम उत्पादकता व फसल सघनता (क्रॉपिंग इन्टेन्सिटी) और कम ऋण वितरण के आधार पर 100 जिलों की शिनाख्त करेगा। इस योजना से फिलहाल 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्रालय के अनुसार, योजना का उद्देश्य खेती की उपज बढ़ाना है. गेहूं-चावल और गन्ने के अलावा दलहन-तिलहन की फसलों और नकदी फसलों पर सरकार का जोर है। सरकार इस योजना के जरिये पंचायत और ब्लॉक स्तर पर ही फसलों के भंडारण क्षमता तैयार करेगी, ताकि स्थानीय स्तर पर ही इन्हें सुरक्षित रखकर खर्च बचाया जा सके। इसमें छोटे किसानों को सस्ता कर्ज मुहैया कराया जाएगा. साथ ही सिंचाई योजनाओं का दायरा बढ़ाया जाएगा।

इस जंबो स्कीम के तहत योजनाओं के एकीकरण से इसका संचालन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। निजी क्षेत्र को भी भागीदारी भी इसमें होगी।

सरकार की मंशानुसार केंद्र के साथ राज्य सरकार की कृषि योजनाओं को भी इसमें मिलाकर लागू किया जाए। हर राज्य का कम से कम एक जिला इसमें शामिल होगा।

कृषि मंत्रालय के मुताबिक, हर जिले के लिए एक नोडल अफसर होगा।

वैसे तो हमारा उत्पादन 40 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। फल-दूध और सब्जियों के उत्पादन में भी उछाल है। फिर भी राज्यों की उत्पादकता में काफी अंतर है। राज्य के भीतर भी एक जिले की दूसरे जिले से उत्पादकता कम है। जिन जिलों में फसलों की उपज कम है।

किसान आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीकों के लिए लोन बहुत कम लेते हैं। उन जिलों को इस योजना में प्राथमिकता दी जाएगी। चिन्हित जिलों में 11 विभागों कीयोजनाओं को समाहित करके सिंगल विंडो सिस्टम के तहत एक ही जगह सारे लाभ दिए जाएंगे।

इस महत्वाकांक्षी योजना को लागू करने के लिए स्टेट और नेशनल लेवल के साथ जिला स्तर पर समिति बनाई जाएंगी। समितियों में किसान प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

नीति आयोग चयनित जिलों के लिए कुछ पैमाने तय करेगा। जिनके आधार पर प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

इसकी निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड बनाया जाएगा। ये अभियान अक्टूबर के रबी सीजन से शुरू होगा. जिला स्तर की समिति को ग्राम पंचायत या जिला क्लेक्टर द्वारा चलाया जाएगा। केवल जिले में ही नहीं, राज्य स्तर पर भी टीम बनेगी।

राज्य स्तर टीम की जिम्मेदारी जिले में योजनाओं के सही तरीके से एकीकरण पर ध्यान देने की होगी।

केंद्रीय स्तर पर केंद्रीय मंत्रियों की और सचिव की अध्यक्षता में अन्य विभागों के अधिकारियों की टीम होगी। वैसे देखा जाए तो कृषि पर संसद की स्थायी समिति ने अनुदान मांगों पर ताजा रिपोर्ट में, कुल केंद्रीय योजनागत खर्च के प्रतिशत के रूप में कृषि के लिए आवंटनों में निरंतर गिरावट का उल्लेख किया था।

यह वित्त वर्ष 2021-22 में 3.53 फीसदी था। जो घट कर 2022-23 में 3.14 फीसदी, 2023-24 में 2.57 फीसदी, 2024-25 में 2.54 फीसदी और 2025-26 में 2.51 फीसदी रह गया। इसके बावजूद किसानों के हित में 36 योजनाओं को एक करके जो महत्वकांक्षी योजना लागू होने जा रही है वह अगर बिना भेदभाव, क्षेत्रवाद, राजनीति और नौकरशाही से मुक्त होगा धरातल पर उतारी गई तो इसके दूरगामी लाभ अवश्य मिलेगे।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆ प्रश्नकर्ता के ऊपर भी गुरुदेव कभी-कभी रीझ जाते हैं और प्रश्नकर्ता मूर्ख हुआ तो खीज भी जाते हैं। रीझ जाना या खीज जाना प्रश्नकर्ता के ऊपर निर्भर हैं।

◆ विश्वास तो तभी दृढ़ होता है, विश्वास तो तभी स्थापित होता है

◆ जब मनुष्य के जीवन में श्रवण बढ़ जाता है।

◆ जिसको शिवोहम प्राप्त नहीं हुआ, अहम् ब्रह्मास्मि का ज्ञान नहीं हुआ वो फिर दासोहम कैसे होगा? हमारा मत, हमारा पंथ, हमारा भक्ति संप्रदाय तो यही कहता है ये अंतिम पथ है- 'दासोहम'।

◆ आलस्य का प्रकाश, प्रमाद का प्रकाश, काम का प्रकाश, वासनाओं का प्रकाश दिखाते फिरते हो पर क्या कहीं शत प्रतिशत गुरुभक्ति का प्रकाश दिखाया ?

◆ गुरु शाश्वत हैं, सत्य हैं, आनंद मूर्ति हैं, करुणा मूर्ति हैं।

◆ इस दुनिया में सबसे बड़ा महामंत्र कौन सा है? बोला - सद्गुरु आदेश पालन के सिवाय दूसरा कोई महामंत्र इस जगत में बना नहीं हैं।

आज का इतिहास

नयी दिल्ली(वार्ता)। 1837 इलेक्ट्रिक टेलिग्राफ के इस्तेमाल का पहली बार सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया गया। 1854 वाल्टर हंट को पहले पेपर शर्ट कॉलर का अमेरिकी पेटेंट हासिल हुआ। 1909 बार्सिलोना शहर में श्रमिकों ने विद्रोह आरम्भ किया। 1938 फ़िलिस्तीन की एक मंडी में दो बम विस्फोटों में 62 असैनिक मारे गये और लगभग 100 अन्य घायल हो गये। 1957 कनाडा में वाटरलू विश्वविद्यालय ओंटारियो शहर में स्थापित किया गया। 1993 जायोनी शासन के सैनिकों ने दोबारा दक्षिणी लेबनान पर जल थल और वायु आक्रमण किया। 1994 जॉर्डन और इजरायल के बीच 46वर्षों से चल रहा युद्ध समाप्त हुआ। 2000 एयर फ्रांस का कॉनकॉर्ड विमान उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें 113 लोगों की मौत हुई। 2012 Ivica Dacic को आधिकारिक तौर पर सर्बिया के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

एक उम्र गुज़र

एक उम्र गुज़र जाती है समझ आते-आते कभी आती है मुई और कभी बहाने बनाकर प्रेम के आते-आते रह जाती है, सुनो हर बार तुमने बस अपना ही हाल बताया मेरे शाने पर सर टिकाया और मैं उम्र भर करती रही इंतज़ार सिर्फ़तुम्हारे एक प्रश्न का जब तुम सिर्फ़ यह पूछते ÷कैसी हो तुम, मगर नासमझी की आदत खुश रखती है मुझे प्रेम अंधा ही नहीं नासमझ भी होता है न, काश! तुम्हें भी हुआ होता प्रेम, – **शुचि भवि**

मोह की कैद में

मोह की कैद में रुग्ण होता मन एक दिन चित हो गिर पड़ता है कराहते गात की पीड़ा खुद ही जब सहलाने हैं तो फिर क्यूं मति से काम नहीं लेता मायावी शब्दों के बुने तार किसी पौध के कहां सम्मोहन की चचरी पर लेटा यह देह जितनी पीड़ा सहता है कभी व्यक्त भी नहीं कर पाता मोहपाश के धागे, मकड़ी की जाले कितनी समानताएं लिए है इस छद्मावरण की राहों पर ढ़ेरों अदृश्य कपाट हैं जो सिर्फ भीतर की ओर खुलते हैं।

– **सपना चन्द्रा**

उसके सज़दे में सिर ये झुकाना

उसके सज़दे में सिर ये झुकाना पड़ा प्रेम था उसको मुझसे तो आना पड़ा हो गया था खफ़ा वो मेरी बात से पास जाकर उसे तब मनाना पड़ा उसको रूठे हुए दिन हुए थे बहुत फोन पर एक मुक्तक सुनाना पड़ा मान सम्मान की बात आई तो फिर आईना सच का उसको दिखाना पड़ा हो गया था अकेला मैं उसके बिना उसको आवाज़ दे कर बुलाना पड़ा मान जाओ खता हो गई प्यार में नाज़ नखरे सभी कुछ उठाना पड़ा मुस्कुराता रहा सामने उसके मैं दर्द दिल का मुझे फिर छिपाना पड़ा भूल संजय से होती नहीं थी न मगर उसके पहलूँ में सिर को झुकाना पड़ा। – **संजय कुमार गिरि**

काले बादल दे रहे, कुछ ऐसा आभास

काले बादल दे रहे, कुछ ऐसा आभास। घिर-घिर कर हैं आ गये, मिलने प्रियतम पास॥ मिलने प्रियतम पास, मान मनुहार करेंगे। गौर वर्ण की हीर, प्रीति के रंग भरेंगे। 'सुमन' प्रेम के भाव, लगे कितने मतवाले। हिय में भरते आस, झूमते बादल काले ॥ सुमन ओमानिया तरंगिणी। – **सुमन ओमानिया**

यहां कब है कौन कहां किसका

यहां कब है कौन कहां किसका- ये है सिर्फभोलेनाथ की इच्छा, सब कैसे जियें इस जहाँ में- ये तो है भोलेनाथ की इच्छा, तूने दिया- तूने लिया, धरा पर- कैसे हुआ- भोलेनाथ की इच्छा, इसका हुआ तू उसका हुआ- जो किया- है भोलेनाथ की इच्छा, एकाग्र हो तू चले शिव पथ पर- तेरे कदम पर भोलेनाथ की इच्छा, हर हर महादेव। – **ललित**

खुद सा कोई मिले तो बात बने

खुद सा कोई मिले तो बात बने 5आज भी खुद की तलाश बाकि हैं। खुद को नकाब में रहना मंजूर नही तन्हा खुद से मिल कर सकूं में हूँ ताउम्र खुद की तलाश में, कशमकश कही, दुनियाँ को देख, खुद से मिल कर सकूं में हूँ। जय माता दी। – **मीनू वोहरा**

भीषण झंझावत ह्रदय में डट गया

भीषण झंझावत ह्रदय में डट गया, पर भागा नहीं टूट गया , पर हारा नहीं मूल्य चूका कर स्वप्न के अड़ गया ,लक्ष्य टारा नहीं टूट गया , पर हारा नहीं दुर्दिन के भयंकर भार में रट देव देव पुकारा नहीं टूट गया , पर हारा नहीं शून्य ही प्रारब्ध में मिला गिनने को कोई सहारा नहीं टूट गया , पर हारा नहीं – **नीरज वर्मा नीर**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज के दिन का पूर्वार्ध भी परेशानी वाला रहेगा। कहीं से कोई भी आशा नहीं दिखने से बेचैन रहेंगे।

वृष : आज भी परिस्थितियां आपकी आशाओं के अनुकूल रहेंगी परन्तु आज किसी विशेष व्यक्ति द्वारा भ्रम की स्थिति बनाने से असमंजस में पड़ सकते है।

मिथुनः आज के दिन भी आप कार्यो के प्रति लापरवाही दिखाएंगे फलस्वरूप महत्त्वपूर्ण कार्य अधूरे रहंगे एवं लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते है। मौज-शौक के प्रति आज अधिक आकर्षण रहेगा फिजूल खर्च बढ़ेंगे।

कर्क : आज का दिन राहत का अनुभव करेंगे। कार्यो को लेकर पहले थोड़ा आशंकित रहेंगे परन्तु एक बार सफलता मिलने पर यही क्रम दिन भर बना रहेगा।

सिंहः आज का दिन विपरीत फल देने वाला रहेगा। पूर्व निर्धारित योजनाएं अधूरी या असफल हो सकती है। कार्य क्षेत्र पर मनमानी के कारण आर्थिक हानि होगी।

कन्याः आज का दिन सभी प्रकार से लाभ देने वाला रहेगा परन्तु आज आपको किसी अच्छे मार्गदर्शक की आवश्यकता पड़ेगी। व्यवहार में गर्मी रहने से बीच-बीच में वातावरण अशान्त भी हो सकता है।

तुलाः आज भी दिन आपकी आशाओं की पूर्ति कराने वाला रहेगा। दिन भर मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। झगड़ो को टालने के लिए छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। कार्य क्षेत्र पर परिश्रम के अनुसार लाभ मिलने से संतोष रहेगा।

वृश्चिकः आज दिन का पहला भाग आलस्य के कारण बेकार हो सकता है। लेट-लतीफी के कारण कार्य बिगड़ने की संभावना है। कार्य क्षेत्र पर अधूरे कार्यो को लेकर परेशानी में पड़ सकते है।

धनुः आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा। घर एवं बाहर आज विवेक से कार्य करें। आर्थिक समस्याओं को लेकर भविष्य की चिंता सताएगी। परिजन भी आज आपके रूखे व्यवहार के कारण दूरी बना कर रखेंगे।

मकरः आज के दिन आपका स्वास्थ्य उत्तम रहने से मानसिक रूप से किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। अपनी पुरानी योजनाओं को सिरे चढ़ायेंगे परिस्थितियां भी आपके साथ रहने से कार्यो में सफलता सुनिश्चित रहेगी।

कुंभः आज के दिन आपमें उतावलापन अधिक रहेगा जिसके कारण समस्याएं सुधरने की जगह और गहरी हो सकती है। नए कार्य का आरम्भ आज ना करें। किसी के जमानती भी ना बने।

मीनः आपका आज का दिन छोटी मोटी उलझनों को छोड़ सामान्य ही रहेगा। व्यवस्तता अधिक रहने से पारिवारिक आवश्यकताओ पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

QUIZ TIME

1) हर साल 10 अगस्त को कौन सा दिन मनाया जाता है?

2) केन्द्रशासित राज्य दादर एवं नागर हवेली भारत के किस राज्य के पास स्थित है?

3) अल्बुकर्क ने गोवा को 1510 ई. में किससे छीना था?

4) किसे जहांगीर ने खान की उपाधि से सम्मानित किया था?

5) पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की 100 मीटर दौड़ का गोल्ड मेडल किसने जीता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) विश्व जैव ईंधन दिवस (2) महाराष्ट्र (3) बीजापुर के सुल्तान आदिलशाह (4) विलियम हॉकिन्स (5) नोह लायल्स

शब्द सागर

हरेली पर्व हर्षोल्लास मनाया गया

बागबाहरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहारों में प्रमुख हरेली पर्व का नगर पालिका बागबाहरा में आज 24 जुलाई को हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल ने पूजा-अर्चना कर पालिका के सभी वाहनों की विधिवत पूजा करवाई और राज्य की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। हरेली पर्व के अवसर पर अध्यक्ष द्वारा नगर पालिका के सभी सफाई दीदी एवं सफाई कर्मियों को रेनकोट का वितरण भी किया गया ताकि बारिश के मौसम में सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो और उन्हें कार्य करने में सुविधा मिल सके।वहीं उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की परंपराओं और

तीज-त्यौहारों को जीवंत रखने के साथ ही जनसेवा के भाव से सफाई कार्य को निरंतर गति दी जाएगी। इस कार्यक्रम के अवसर पर पार्षद रमेश यादव, मंता यादव, मिथुन अमीर, थानूराम पांडे, रुपेश कुमार (प्रेम) साहू, शिवा जगत, पार्षद प्रतिनिधि महेंद्र गुप्ता, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष लोकेश उइके, नगर पालिका के सीएमओ गिरीश चंद्रा, सब इंजीनियर शशिप्रताप सिंह एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक्शन मोड में प्रशासन,12 अवैध कालोनियों के 217 प्लाट होंगे शून्य

जीवन एस साहू

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद मुख्यालय के आसपास 12 अवैध कालोनाइजरो ने 50 एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि को 217 टुकड़ों में ,वर्गफीट के आधार पर बेचा था। एसडीएम ने नियम विरुद्ध खरीदी बिक्री बता भूमि को पंचायतों के अधीन किया। नगर पालिका क्षेत्र में हुए अवैध प्लाटिंग पर भी हो सकती है कार्यवाही।

गरियाबंद मुख्यालय या उसके सीमाओं से लगे पंचायत क्षेत्र में पिछले 10 सालों से अवैध प्लाटिंग का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। लेकिन डेढ़ माह पहले प्रशासन ने पालिका के सीमा क्षेत्रों में मौजूद मजरकट्टा,आमदी,पारागांव और केशोडार पंचायत क्षेत्र में हुए अवैध प्लाटिंग पर बड़ी कार्यवाही किया है।

खबर का असर

तत्कालीन एसडीएम ऋक्षा ठाकुर ने ऐसे 12 अवैध कालोनियों में किए गए 217 प्लाट को अवैध प्लाटिंग की सूची में शामिल करने का आदेश जारी किया है,साथ ही इन प्लाट से क्रेताओं का अधिकार शून्य करते हुए ,उन्हें सारे करो से मुक्त करते हुए पंचायत के निहित करने का भी आदेश पारित कर दिया है। मई 2025 में जारी इस आदेश के मुताबिक पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 61(घ)(2) के अलावा अन्य धाराओं के उल्लंघन के दोषी करार देते हुए भूमि के रिकॉर्ड,हक या हित को आदेश दिनांक समाप्त कर दिया है।

मामले की पुष्टि करते हुए एसडीएम प्रकाश राजपूत ने कहा कि आदेश का पालन कराया गया है साथ ही सभी क्रेताओं को सुनवाई के लिए उपस्थित होने कहा जा रहा है।संबंधितों से अभस्वकृति के बाद प्रकरण नस्ती किया जाएगा।

सिटी प्लानिंग के चलते डायवर्शन नहीं,अवैध प्लाटिंग कर दियाट्ठ गरियाबंद नगर पालिका बनने के साथ ही पालिका सीमा के चौहद्दी से लगे कृषि भूमि के डायवर्शन पर रोक लगा दिया गया है।क्यूंकि नगर निवेश सिटी प्लानिंग का कार्य देख रही है।जिला मुख्यालय होने के कारण शहर का विकास तेजी से होता देख भू माफिया कृषि भूमियों को कम दामों पर खरीद लिए ,फिर इसी कृषि भूमि को बगैर परिवर्तन कराए ही वर्ग फूट में बेंच दिया।इससे करोड़ों की राजस्व की हानि हुई है।नगर पालिका क्षेत्र में भी कई अवैध प्लाटिंग जोरो पर चल रहा है,जिसमें से 5 से अधिक मामले की सुनवाई एसडीएम दफ्तर में जारी है। देर सबेर इन अवैध प्लाटिंग पर भी कार्यवाही सुनिश्चित है।इसलिए अगर आप मुख्यालय में निवेश करे तो सोच समझ कर करे।

जानिए कहा कहा के प्लेट अवैध घोषित कर पंचायत में निहित किया गयाट्ठ आमदी के खसरा 491/1 में स्थित 12प्लाट,477में 13 प्लाट,500 के टुकड़े में स्थित 58 प्लाट,443 में स्थित 8 व 486 में स्थित 18 प्लाट । मजरकट्टा के खसरा क्रमांक 1108, 780, 781, 782,783,784,786,790 में मौजूद 33 प्लाट, केशोडार के डोंगरी गांव के खसरा 321 में11,41 में स्थित9,8में स्थित 24 व 29 में स्थित 19प्लाट।इसी तरह पारागांव के खसरा 733 में मौजूद 12 प्लाट को अवैध घोषित किया गया है। माफिया लाल हुए क्रेताओं को कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ेगाट्ठ इस पूरे खेल में अवैध प्लाटिंग करने वाले करोड़ों कमा लिए,इन भूमि स्वामियों को खसरा के आधार पर मार्च 2025 में महज 10,10 हजार का जुर्माना किया गया है।लेकिन जमा पूंजी बचा कर सपनों के घर हो या घर को आकार देने का ख्वाब रखने वालों को तगड़ा झटका लगा है।

बाइक की ठोकर लगने से मौत, मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बाइक की ठोकर से युवक की मौत के मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार बाइक क्रमांक सीजी 06 एचसी 3024 के चालक ने एक अन्य बाइक को पीछे से ठोकर मार दिया। जिससे रूकेश निषाद पुलिया के नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में 281,125 (ए), 106(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया है। देवसराल निवासी प्रमोद निषाद(32) ने पिथौरा पुलिस को बताया कि उसका भाई रूकेश निषाद अपने दोस्त नरेन्द्र पटेल के साथ 5 जुलाई को रथ यात्रा देखने पिथौरा गया था। वह रथयात्रा देखकर वापस घर देवसराल आ रहे थे, कि ग्राम टेका नाला पुलिया के पास उक्त वाहन ने पीछे से बाइक को ठोकर मार दी । जिससे उनकी मौत हो गई।

असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए चंद्राकर हुए क्वालीफाई

महासमुंद/नवप्रदेश। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट 2025 (अखिल भारतीय) का परीक्षा परिणाम देर शाम जारी किया। जिसमें महासमुंद के नवीन चंद्राकर ने अंग्रेजी में 92.23 प्रतिशत अंक लाकर असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीएचडी एडमिशन के लिए क्वालीफाई किया है। श्री चंद्राकर वर्तमान में नगर के सीबीएसई चंद्रोदय पब्लिक स्कूल में बतौर प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

आम आदमी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक आज

महासमुंद/नवप्रदेश। आम आदमी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक 25 जुलाई को पिथौरा रेस्ट हाउस में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रखी गई हैं। जिलाध्यक्ष राकेश झाबक ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से राज्य स्तरीय प्रतिनिधि मंडल भी उपस्थित रहेगा। बैठक में संगठन को सशक्त बनाने आवश्यक चर्चा होगी।

कृषि उप मंडी के दोनों गेट खुलवाने की मांग

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, भाजपा शहर मण्डल आईटी सेल प्रभारी शरद मराठा ने कृषि उपज मंडी के सचिव पूरनसिंग कश्यप से मुलाकात कर पुरानी कृषि उपज मंडी गेट के दोनों बड़े द्वार का ताला 24 घंटे के अंदर खोलने की मांग की है। उन्होने कहा कि पुरानी कृषि उपज मंडी गेट को लगभग 15 दिनों से दोनों तरफ बन्द कर देने से जनता को आवाजाही में परेशानी हो रही है क्योंकि, वार्ड नं. 14, 19, 20, 21 रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आने -जाने का मार्ग है। स्कूल आने -जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी को भी परेशानी हो रही है। सचिव से कहा गया कि कृषि उपज मंडी में कांप्लेक्स निर्माणाधीन है। विधायक सिन्हा ने पहले भी आप से काम्पलेक्स चालू करने का निर्देश दिया है, जो भी कमी है उसे तत्काल पूरा कर कांप्लेक्स की दुकानों की नीलामी कराई जाए तथा आसपास अव्यवस्था फैली हुई है, उसे जिला प्रशासन ,तहसीलदार से सहयोग लेकर अतिक्रमण हटाया जाए।

हरेली त्योहार धूमधाम से मना, लगा चीला का भोग

■ **गांव में गेड़ी चढ़ने की परंपरा लुप्त होती नजर आ रही है एक भी बच्चे गेड़ी चढ़ते दिखाई नहीं दिए**

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हरेली सावन माह की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक और कृषि में महत्व रखता है। जब खेत खलिहान हरियाली की चादर ओढ़ लेता है और खेतों में धान की बुवाई लगभग पूरी हो जाती है

हरेली शब्द ही हरियाली और समृद्धि का प्रतीक है। यह पर्व छत्तीसगढ़ी कृषकों के लिए चार प्रमुख अमावस्यों में से सबसे पवित्र माना जाता है। सिहावा अंचल के उमरगांव के किसान इस दिन अपने कृषि यंत्रों जैसे नागर, कुदाली, टंगिया, फावड़ा, बसुला एवं अपने मवेशियों को धोकर उन पर चंदन, हल्दी और हाथों की छाप लगाकर धूप-दीप दिखाकर पूजा किए और प्रसाद स्वरूप चीला-रोटी का भोग लगाकर धरती माता एवं कृषि देवताओं का आह्वान किए।

इस दिन किसान सुबह से ही भेलवा और नीम की शाख और दूध, धूप का होम देकर लेकर अपने खेतों में जाकर पूजा पाठ कर अपने खेतों में गड़ाकर रस्म पूरी किए। उमरगांव के किसान घुरऊ राम शेष, कैलाश पुजारी ने बताया कि यह त्यौहार छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है जो हमारे कृषि परंपरा पर आधारित है।

इस दिन कृषि कार्यों को पूरी तरह से बंद रखकर सुबह से ही खेतों में पहुंचकर नीम अथवा भेलवा की शाख को खेत में गड़ाकर उसे पानी, दूध से आचमन कर धूप इत्यादि होम डालकर पूजन अर्चन करते हैं।

कृषि औजारों को खेतों से घर लाकर साफ सफाई कर पूजा अर्चना करते हैं साथ ही प्रसाद स्वरूप चीला रोटी का भोग चढ़ाकर फसल की सुरक्षा और अच्छी फसल की कामना करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस दिन गांव के मवेशी चराने वाले यादव बंधुओ के द्वारा गौठान में जंगली जड़ी बूटियों का वितरण किया जाता है, इन जड़ी बूटियों को मनुष्यो के अलावा मवेशियों को भी खिलाया जाता है जो विभिन्न रोग दोष को दूर करने के लिए सहायक होता है।इस पर्व में परंपरागत कार्य करने वाले जैसे राऊत, लोहार, केंवट, नाई लोग भी अपने अपने ठाकुरों के घर जाकर उनसे मेल मुलाकात कर भेंट स्वरूप चांवल, दाल एवं राशि प्राप्त करते हैं।

गेड़ी चढ़ने की परंपरा इस पर्व में गेड़ी का विशेष महत्व है।गेड़ी जो की लकड़ी से निर्मित होती है जिस पर बच्चे और युवा चढ़कर गलियों का भ्रमण करते हैं। इस दिन छत्तीसगढ़ के कई स्थानों पर गेड़ी दौड़ का भी आयोजन रखते हैं।

तंत्र सिद्धि की मान्यता भी प्रचलित

हरेली पर्व में गांवों में एक और मान्यता प्रचलित है कि हरेली अमावस्या की पूर्व रात्रि में जो लोग तंत्र साधना में लगे रहते हैं वे इस रात्रि में प्रयोग कर सिद्धि प्राप्त करने का प्रयास करते हैं हालांकि इस संबंध में कोई प्रामाणिक तथ्य मौजूद नहीं है फिर भी ग्रामीण लोग भूत, प्रेत तंत्र साधना से बचने के लिए अपने घर की दीवारों पर गोबर से मानव आकृति उकेरते हैं साथ ही पुर्व रात्रि में अपने घरों के दरवाजों पर मड़ीया (रागी) इत्यादि छिड़ककर रखते हैं ताकि बुरी शक्ति घर पर प्रवेश न कर सके। यह मान्यता आज के समय में विलुप्ति की कगार पर है।

बिरगुड़ी में हरेली महोत्सव

नगरी/नवप्रदेश। युवा प्रभाग हल्बा समाज बिरगुड़ी के द्वारा छ.ग के पहले लोकपर्व हरेली तिहार के अवसर पर हरेली महोत्सव शक्ति भवन बिरगुड़ी में मनाया गया। जिसमें पारंपरिक खेल कब्बडी, रसाकसी, गोला फेक,कुर्सी दौड़,मटकी फोड़ आदि खेलो का आयोजन किया गया। जिसे देखने भारी संख्या में ग्रामीणजनों की उपस्तिथि रही। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि प्रमोद कुंजाम, जनपद सदस्य ने कहा छत्तीसगढ़ की संस्कृति,परम्परा और तीज त्यौहार आत्मा है। कृषि से जुड़ा प्रमुख लोकपर्व है हरेली।

सामाजिक समरसता का त्यौहार है। इस तरह का आयोजन आंनद के साथ एकता प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हुमन बिसेन अध्यक्ष हल्बा समाज,सिरधन सोम जनपद सदस्य, अमृत नाग सरपंच,अकबर कश्यप उपसरपंच,नरेंद्र कश्यप,मनोज कश्यप,राजेश कश्यप,रविन्द्र गौर,भोजराज नाग, हेमिन बाई बिसेन,सत्यवान समुंद, बुधेश नायक, गोवर्धन नाग, शुभम गौर,खेमराज कश्यप,विकास शांडिल्य, शीतल भंडारी, चूड़ामडी सोम आदि उपस्थित रहे।

घरोघर हुई पार्थिव शिवलिंग की पूजा अर्चना

■ **श्रद्धालुओं की ,उमड़ी भीड़, लोगो में भारी आस्था और भक्ति**

कुरूद/नवप्रदेश। बुधवार को आस्था और भक्ति के संगम के बीच हर हर महादेव की गूंज के साथ आमजनों ने घरों में सावन महीने का शिवरात्रि पर्व मनाया।इस दौरान पहले इसकी काफी तैयारी की गई थी और घरों में मिट्टी के भोले बाबा का स्वरूप देकर इसका अस्तित्व प्रदान किया।

बुधवार को पार्थिव शिवलिंग की पूजा नगर सहित क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं ने अपने अपने घर में पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूरे विधि-विधान के साथ पूजा करते हुए जलाभिषेक दुध से अभिषेक कर शिव जी और माता पार्वती की आरती कर भंडारे का भोग लगाते हुए घर परिवार एवं इस्ट जनो को प्रसाद वितरण किया। साथ ही पार्थिव शिवलिंग का सरोवरों में विसर्जन किया।इस बीच भानु चन्द्राकर ने भी अपने पूरे परिजनों के साथ पार्थिव शिवलिंग के पूजा अर्चना पूर्ण जलाशय मे परिवार साथ विसर्जित किया और क्षेत्र के विकास की कामना की।

पूरे नगर में इस पूजन को लेकर उत्सव जैसा वातावरण रहा।नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति चंद्राकर ने क्षेत्रवासियों को सावन पर्व की बधाई देते हुए सभी के कल्याण की कामना की है। विदित है कि पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करने और उसका विधिवत पूजन करने से जीवन में सुख, संपत्ति और शान्ति की प्राप्ति होती है. इसके साथ ही, संतान सुख से वंचित दंपत्तियों को संतान प्राप्ति की कामना की जाती है और सभी प्रकार के दुखों से मुक्ति मिलती है।

पार्थिव शिवलिंग की पूजा करते समय, शिवलिंग के सामने बैठकर मन ही मन पूजा का संकल्प पढ़ा जाता है. इसके बाद, पवित्र मिट्टी को फूल और चन्दन से शुद्ध करते हुए, भगवान शिव के मन्त्रों का जाप करते हुए इस मिट्टी में गाय का दूध, गोबर, गुड़, भस्म और गाय के दूध से बनाया गया मक्खन मिलाकर शिवलिंग का निर्माण किया जाता है. इसका ध्यान रखना चाहिए कि शिवलिंग को पूर्व या उत्तर दिशा में मुख करके ही बनाया जाता है।

अवैध रूप से शराब बेचने पर कार्रवाई

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले की पुलिस ने शराब जब्ती के तीन मामलों में कार्रवाई की है। महासमुंद पुलिस ने मुढ़ैना फर्शी खदान के पास शराब विक्रय करते हुए राकेश ध्रुव को घेराबंदी कर पकड़ा और उसके कब्जे से 32 पौवा शोले मसाला देशी शराब, कीमत 3200 रुपए एवं बिक्री रकम 600 रुपए जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की । इसी तरह सरायपाली पुलिस ने लिमऊगुड़ा निवासी रामलाल निषाद (32) से छह लीटर शराब (कीमत 1200 रुपए) जब्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के निवास में मना हरेली तिहार

■ **विधायक ओंकार ने की पारंपरिक औजारों की पूजा**

रायपुर/धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक हरेली तिहार इस बार भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास में पारंपरिक रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें धमतरी विधायक ी ओंकार साहू ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ओंकार साहू ने कृषि कार्यों में प्रयुक्त होने वाले परंपरागत औजारों – जैसे हल, गैंती, कुदाल , गेड़ी , फावड़ा आदि – की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हरेली तिहार हमारी संस्कृति, प्रकृति और मेहनतकश किसानों के प्रति सम्मान प्रकट करने का पर्व है। इस त्यौहार से हमें अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की आत्मा उसकी कृषि संस्कृति में बसती है और हरेली तिहार उसका प्रतीक है।

इस आयोजन में छत्तीसगढ़ी लोकगीतों, पारंपरिक व्यंजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

माइनिंग बंद, तो रेत भरी हाईवा किसके संरक्षण में चल रही है : योगेश

धमतरी/नवप्रदेश। जिले में रेत के अवैध उत्खनन,भंडारण और परिवहन का मामला लगातार सामने आ रहा है,माइनिंग बंद के दरमियान भी रोज़ हाईवाओं का रेला शहर में लगा रहता है,आखिर किसके संरक्षण में संचालित हो रहा है यह सब खेल,कौन है इसके पीछे का मुख्य व्यक्ति जिसने शासन और प्रशासन दोनों को अपने अधीनस्थ रख सारे नियमों को ताक में रखते हुए यह खेल करवा

रहा है,उक्त बातें कांग्रेस नेता योगेश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कही,आगे श्री शर्मा ने कहा भाजपा नेताओं और अधिकारियों की साँठ गाँठ से चल रहे उक्त अवैध कार्यों पर तत्काल रोक लगनी चाहिए,आखिर प्रशासन इतना दबा हुआ क्यों है,एक माह पूर्व खनिज अधिकारियों द्वारा एक कार्यवाही की गई उसके बाद से अवैध परिवहन करने वालों के लिए मैदान खुल्ला छोड़ दिया गया है,क्या उसके बाद से प्रशासन की जिम्मेदारियाँ समाप्त हो गई हैं? अधिकारियों पुलिस और कई नाकों को पार कर उनके नाक के नीचे से रेत का अवैध परिवहन रोज़ाना सैकड़ों हाइवा गाड़ियों द्वारा हो रहा है और यही नहीं यह कारोबार इतने दिलेरी से चल रहा है।

रिकार्ड में हेराफेरी ... शासन से जमीन खरीदी में लिए 58 लाख की छूट, अब तालाब को पाटने की तैयारी

मनोरमा इंडस्ट्री ने रजिस्ट्री में 100 साल पुरानी चुहरी तालाब को बताया कृषि भूमि

जयदेव सिंह

महासमुंद/नवप्रदेश। बिरकोनी के ग्रामीणों के सार्वजनिक निस्तारी और सिंचाई के लिए 100 साल पुराने 4 एकड़ से ज्यादा में फैला चुहरी तालाब को कृषि भूमि बताकर फर्जी तरीके से मनोरमा इंडस्ट्री को बेचने का मामला सामने आया है। मनोरमा इंडस्ट्री ने तालाब को कृषि भूमि दर्शाकर एक झूठ के सहारे शासन से करीब 58 लाख रुपये स्टांप ड्यूटी में छूट भी हासिल की है। मनोरमा इंडस्ट्री ने जिन 6 खसरे की जमीन को उद्योग के उपयोग के लिए रजिस्ट्री कराया है उनमें से एक खसरा नंबर तालाब की है। और इस पूरे फर्जीवाड़ा में तहसीलदार, पटवारी, जमीन दलाल और जमीन बेचने वालों ने अहम भूमिका निभाई है। अब इस तालाब को इंडस्ट्री द्वारा पाटा जा रहा है।

ग्राम पंचायत बिरकोनी के इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित मनोरमा इंडस्ट्री लिमिटेड के ओमनगर खमतराई रायपुर निवासी डायरेक्टर गौतम कुमार पाल ने प्लांट के ठीक पीछे पटवारी हल्का नंबर 33 में स्थित खसरा नंबर 2613, 2615, 2617, 2623 और 2626 रकबा 7. 86 हेक्टेयर, 19 एकड़ 65 डिसमिल जमीन 30 जून 2025 को बिरकोनी निवासी दिनबंधु पिता मनराखन चंद्राकर, तुकाराम पिता बाबूलाल चंद्राकर और अशोक पिता छबिराम चंद्राकर से 8 करोड़ 80 लाख 51 हजार 911 रुपये में कृषि भूमि बताकर खरीदा है। इस रजिस्ट्री में 100 साल पुरानी चुहरी तालाब का कही भी उल्लेख नही किया गया है। मनोरमा इंडस्ट्री के डायरेक्टर ने बिक्रय -विलेख के साथ 6 कृषि भूमि की तस्वीर को लगाकर उप पंजीयक के समक्ष पेश किया है लेकिन उन 6 तस्वीरों में से चुहरी तालाब की तस्वीर नही थी। इसके अलावा

1955-56 के अधिकार अभिलेख पंजी में दर्ज खसरा नंबर 1220 है, जो रि - नंबरिंग के बाद वर्तमान में खसरा नंबर 2613 है, जिसका रकबा 1.90 हेक्टेयर यानी 4 एकड़ 75 डिसमिल है। अधिकार अभिलेख पंजी में पानी के नीचे भूमि को निस्तारी के लिए चुहरी तालाब उल्लेख किया गया है। मनोरमा इंडस्ट्री ने इन जमीनों को खरीदने के लिए छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग संचालनालय से 25 जून 2025 को बकायदा स्टांप शुल्क छूट प्रमाण पत्र भी लिया है। जिसके आधार पर मनोरमा इंडस्ट्री को स्टांप शुल्क में करीब 58 लाख 11 हजार 426 रुपये की छूट दिया गया है।

शासन को झूठी जानकारी देकर ली छूट

मनोरमा इंडस्ट्री लिमिटेड प्रबंधन ने झूठी जानकारी देकर बिरकोनी के खसरा नंबर 2013 रकबा 1.90 हेक्टेयर पर सौ साल पुरानी चुहरी तालाब की अस्तित्व को मिटाने के लिए शासन से ही स्टांप ड्यूटी में छूट लिया है। शासन द्वारा उद्योग के विकास के लिए रजिस्ट्री में छूट देने का प्रबंधन किया गया है। लेकिन क्या अब शासन ही उद्योग को पुरानी सरोवर को पाटने के लिए छूट प्रदान कर रहे हैं? एक तरफशासन -प्रशासन गिरते भूजल स्तर को बचाने के लिए लोगों के घरों में ऑफिस में भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। तो दूसरी ओर मनोरमा इंडस्ट्री जैसे उद्योग शासन से छूट का फायदा उठाकर 100 साल पुरानी तालाब का नामोनिशान मिटा रहे हैं।

जम्मो प्रदेशवासी मन ला हरेली तिहार के गाड़ा-गाड़ा बधई: अनुज शर्मा

धरसीवां/नवप्रदेश। धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने छत्तीसगढ़ के परंपरागत लोकपर्व हरेली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी 7 अनुज शर्मा ने बधाई देते हुए कहा

कि हरेली छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो हमारी कृषि संस्कृति, लोक परंपरा और प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। हरेली पर्व खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्योहार है, जिसमें किसान अपने कृषि उपकरणों की पूजा कर धरती माता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। यह पर्व न केवल अच्छी फसल की कामना का अवसर है, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को भी प्रकट करता है। मैं पूरे क्षेत्र व प्रदेशवासियों से आग्रह हूं कि इस वर्ष हरेली पर्व को हम और भी सार्थक बनाएं, धरती माता की पूजा के साथ वृक्षारोपण करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक बने।श्री शर्मा ने आशा व्यक्त की कि हरेली पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में खुशियाँ, समृद्धि और हरियाली लेकर आए। उन्होंने सभी नागरिकों से इस लोकपर्व को आपसी सौहार्द, प्रकृति प्रेम और परंपरा के सम्मान के साथ मनाने का आह्वान किया।

न्यूज गैलरी

धूमधाम से मनाया हरेली पर्व

राजनांदगांव। हरेली पर्व को लेकर किसानों द्वारा अपने घरों में कृषि उपकरणों एवं गायों की पूजा की गई परंपरा अनुसार गायों को चिला खिलाकर हरेली का पर्व मनाया गया। बताया जाता है जो भी किसान अपने खेती कार्य में आने वाले उपकरण है वह सबको विधि विधान से पूजा करते हैं एवं आने वाले समय में किसान जो खेतों में अपने अन्य उगते हैं वह अच्छे से हो यह भगवान से कामना करते हैं। हरेली पर हर साल की तरह इस साल भी खेल का आयोजन किया गया। जहां बच्चों के लिए दौड़ और गेड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कई प्रतिभागी भी शामिल हुए।

जिला सलाहकार समिति की बैठक

बालोद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि पीसीपीएनडीटी एक्ट अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक 28 जुलाई को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बालोद में दोपहर 1 बजे से होगी।

जिपं की सामान्य सभा 31 को

बालोद। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 31 जुलाई को सुबह 12 बजे से जिला पंचायत बालोद के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में सर्वसंबंधितो को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित होने कहा है।

27 को आबकारी आरक्षक परीक्षा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 12.15 बजे तक होगी। जिले में परीक्षा के लिए कुल 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों में कुल 5279 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने परीक्षा की समुचित तैयारी करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा संचालन और अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु मूलभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। परीक्षा पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए कृष्णा चन्द्राकर को पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। व्यापम द्वारा परीक्षा केंद्रों पर कड़े दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता से बचा जा सके। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने व्यापम की सभी परीक्षाओं के लिए दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। 16 परीक्षा केन्द्र में पीजी कॉलेज, शासकीय राजमाता विजया राजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय, संत कबीर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च स्टेशन, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल दुर्गावती चौक, सहित अन्य को केन्द्र बनाया गया है।

चौथे दिन पंडरिया विधायक भावना एवं कांवड़ यात्रियों ने तय की गौरकांपा से मोहतरा की यात्रा, पुष्पवर्षा के साथ शिवभक्तों ने किया भव्य स्वागत

कवर्धा/नवप्रदेश। माँ नर्मदा मंदिर, अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर कांवड़ यात्रा के चौथे दिन आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों ने गौरकांपा स्थित शनिदेव मंदिर में पूज-अर्चना कर मोहतरा में यात्रा का आगमन हुआ। इस दौरान गौरकांपा, करपीकला, बम्हनदेई और मोहतरा में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, सामाजिक व हिन्दू संगठनों तथा क्षेत्रवासियों द्वारा भावना बोहरा और कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान 300 से अधिक कांवड़ यात्री भावना बोहरा के साथ उनकी इस यात्रा में सहभागी बनें हैं। सभी ने बड़े ही उत्साह और उर्जा के साथ बोल बम और हर हर महादेव के नारे के साथ यात्रा की शुरुआत करते हुए तेज बारिश एवं जंगलों के रास्ते छत्तीसगढ़ वासियों एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के संकल्प के साथ यात्रा के लिए प्रस्थान किया। यात्रा के पांचवे दिन मोहतरा से डोंगरिया महादेव तक कांवड़ यात्रा की जाएगी जहाँ डोंगरिया महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान पत्थलगांव की विधायक गोमती साय ने भी विधायक बोहरा और सभी कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर उनके साथ पद यात्रा में शामिल हुईं और मंगलमय यात्रा के लिए सभी को शुभकामनाएं दी।

विधायक भावना ने कहा कि सबके जीवन में सुख-समृद्धि का वास हो,हमारा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो इसी कामना के साथ और हमारी आने वाली पीढ़ियों को सनातन संस्कृति, हमारी धार्मिक आस्था,परंपरा एवं रीती-रिवाजों से अवगत कराना हमारा उद्देश्य है। यह यात्रा मेरे लिए माँ नर्मदा और भोलेनाथ बाबा के प्रति कृतज्ञता का एक विनम्र प्रयास है और आज उनकी ही कृपा से हमारी यह पुण्य यात्रा शुरू हुई है। इस पदयात्रा के माध्यम से मैं पंडरिया विधानसभा और पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करती हूँ। इस यात्रा में मेरे साथ सैकड़ों कांवड़ यात्री और शिवभक्तों ने भी मेरे इस संकल्प पूर्ति में अपना बहुमूल्य सहयोग निभाया है तो वहीं जिन क्षेत्रों से हिकार यह यात्रा गुजरी है वहां विभिन्न सामाजिक व हिन्दू संगठन, भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने भव्य स्वागत कर हमारी इस यात्रा को बल दिया है जिसके लिए मैं सभी का आभार एवं अभिनंदन करती हूँ।

सभी के अंदर वही उर्जा और भगवान भोलेनाथ के प्रति भक्ति का संचार स्पष्ट दिखाई दे रहा है और सभी बोल बम के नारे लगते हुए भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए निरंतर अपनी यात्रा पर गतिमान हैं। मुझे विश्वास है कि आपके साथ और भोलेनाथ के आशीर्वाद से यह यात्रा निश्चित ही सफल होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस संकल्प और छत्तीसगढ़ वासियों के जीवन में सुख-शांति और हमारे प्रदेश की समृद्धि के लिए यह हमारी यात्रा माँ नर्मदा एवं भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से जरुर पूरा होगा। डोंगरिया महादेव और भोरमदेव महादेव जी का जलाभिषेक कर इस यात्रा की समाप्ति होगी। सभी कांवड़ यात्रियों ने हर हर महादेव और बोल बम के नारे के साथ नव उत्साह और ऊर्जा के साथ भगवान भोलेनाथ और माँ नर्मदा के आशीर्वाद से हमारी यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है।

गोलीकांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने बसंतपुर थाने में हल्ला बोला

भाजपा छग के लोगों को बाहर से गुंडे बुलवाकर गोली मरवा रही: कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर

राजनांदगांव/नवप्रदेश। मोहड़ वार्ड 49 में विगत डेढ़ माह पूर्व रेत माफिआओं द्वारा निर्दोष ग्रामीणों पर मारपीट व बंदूक की नोक पर वारदात को अंजाम दिया था। प्रदेश के गृहमंत्री का प्रभार व वीआईपी जिला कहलाने वाला राजनांदगांव संस्कारधानी कलंकित हो गई। जिसको लेकर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज स्वयं मोहड़ आकर घटनास्थल पर जाकर पीड़ितों एवं मोहड़ के नागरिकों से मिलकर चर्चा की थी। आठ दिन के अंदर मुख्य आरोपी संजय सिंह सहित सभी की गिरफ्तारी की मांग की थी। गिरफ्तार नहीं होने पर थाना घेराव के निर्देश दिए थे, शहर कांग्रेस द्वारा इस बाबत प्रशासन को पत्र भी दिया गया था लगातार घटना में संलिप्त सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते आ रहा है। इसको लेकर छत्तीसगढ़

विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग भी हुई थी। इसके बावजूद अब तक मुख्य आरोपी भाजपा पदाधिकारी संजय सिंह की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। जिसको लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेसजन व मोहड़ के ग्रामीणों की उपस्थिति में बसंतपुर थाने का घेराव कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो चुकी है, आरोपियों को बचाने हर संभव प्रयास कर रही है। मोहड़ गोलीकांड के सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें नहीं तो आने समय में इससे बड़ा उग्र आंदोलन करेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।

मानपुर विधायक इंदरशाह मंडावी ने कहा कि राजनांदगांव जहां शांति का टापू कहा जाता है आज उस शहर में बाहर से गुडे बदमाश बुलाकर अशांति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। मोहड़ वार्ड में निर्दोष ग्रामीणों पर जबदस्ती मारपीट कर उन पर गोलियां चलाई। भाजपा सरकार की करनी और कथनी आज पूरा प्रदेश देख रहा है।

डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने कहा कि भाजपा की सरकार आते ही प्रदेशभर में गुड़ों बदमाशों को संरक्षण मिला गया है जिसके कारण आज माताएं-बहने, निर्दोष जनता असुरक्षित हो गयी है। मोहड़ की घटना निंदनीय है रेत माफिआओं को कहां से इस तरह का सरंक्षण मिला गया है कि वे निर्दोष ग्रामीणों पर अत्याचार करें, अपराधिक घटना करने से नहीं चूक रहे इससे साफ जाहिर है कि यह संरक्षण भाजपा सरकार कर रही है।

बेहतर परिणाम लाने कार्ययोजना के साथ करें कार्य : कलेक्टर

बालोद/नवप्रदेश। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि जिले में कक्षा 12 वीं और कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिये शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्राचार्यों को बेहतर कार्ययोजना के साथ काम करना होगा। यह कार्य शिक्षा के क्षेत्र में जिले के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कलेक्टर ने जिले के कक्षा 10 वीं और 12 वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाने विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था को ज्यादा बेहतर बनाने विद्यार्थियों के लिए मेंटर नियुक्त करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को विद्यार्थियों के लिए मेंटर की नियुक्ति दो स्तर पर करने कहा। उन्होंने प्राविण्य सूची में स्थान बनाने के लिये संभावित बच्चों के लिए मेंटर की जवाबदारी प्राचार्यों को और 50 प्रतिशत से कम अंक के संभावित कमजोर बच्चों के लिए शाला के व्याख्यताओं को मेंटर की जवाबदारी देने के निर्देश भी दिए। सभी मेंटर और अधिकारियों के माध्यम से इन चिन्हित बच्चों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक लेकर बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में बेहतर सुधार लाने विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हर स्कूल के प्राचार्य से परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्राचार्यों से स्कूलों की शैक्षणिक स्थिति, छात्रों की तैयारी, मौजूदा चुनौतियों के बारे में गहन चर्चा की। कलेक्ट ने जोर देकर कहा कि शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यवहारिक और प्रभावी कार्ययोजना बनाकर अमल करना जरूरी है।

राजपूत क्षत्रिय महासभा ने किया युवा मंडल का गठन

■ महेश सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रांशु क्षत्रिय व पीयूष ठाकुर उपाध्यक्ष व नीरज सिंह राजपूत कोषाध्यक्ष नियुक्त

बेमेतरा/नवप्रदेश। राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़, रहटादह द्वारा केंद्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए उपसमिति रायपुर उत्तर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मंडल का गठन किया गया। उपसमिति साजा के परपोड़ा निवासी जनपद सदस्य नीरज सिंह राजपूत को केंद्रीय युवा कोषाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों में महेश सिंह को केंद्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रांशु क्षत्रिय और पीयूष ठाकुर को उपाध्यक्ष, अमन सिंह ठाकुर उपसचिव, मंगल सिंह संगठन सचिव, समित सिंह राजपूत को सह सचिव और सत्यम सिंह को प्रचार सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष बजरंग सिंह बैस, शिवेंद्र सिंह थानेदार विधानसभा थाना रायपुर केंद्रीय युवा अध्यक्ष अनुराग सिंह ठाकुर और केंद्रीय सचिव महेंद्र सिंह ठाकुर सहित महासभा व उपसमिति उत्तर रायपुर के पदाधिकारी वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। उन्होंने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर व फूलमालाओं से अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों ने समाज के विकास व उत्थान के लिए अपने पद की जिम्मेदारी को निष्ठा एवं ईमानदारी से निभाने का संकल्प भी लिया।

आयुक्त ने ली जल विभाग के अधिकारियों एवं वालमेनों की बैठक

राजनांदगांव/नवप्रदेश। निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने आज जल विभाग के अधिकारियों एवं वाल्वमेन की बैठक लेकर पेयजल सप्लाई के लिए व्यवस्था में सुधार करने दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पेयजल सप्लाई महत्वपूर्ण विषय है इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए, जल विभाग का पूरा अमला सामंजस्य बनाकर कार्य करे। आयुक्त विश्वकर्मा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पेयजल सप्लाई में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। गर्मी में

एनिकट में पानी की कमी तथा कुछ वार्डो में अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी नहीं आने संबंधी समस्या थी, लेकिन वर्तमान में वर्षाऋ्रतु में पानी की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद हम शहर में समुचित पेयजल सप्लाई नही कर पा रहे है। ऐसी परिस्थिति का आत्म अवलोकन करे हम सबकी लापरवाही से आज ऐसी स्थिति निर्मित हुई है। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाहन करना है। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर सामंजस्य बनाकर समस्या का समाधान करना है।

आयुक्त विश्वकर्मा ने वालमेनो से कहा कि टंकी पूरा भरने के पश्चात ही वाल्व चालू करे, किसी के कहने पर वाल्व से किसी भी प्रकार का छेड़-छाड़ नही करेंगे। उन्होंने कहा कि वाल्व खोलने के पश्चात पाईप लाईन लिकेज, कम पानी आने, पानी नही आने आदि का अपने अपने क्षेत्र में जॉच करेंगे और संबंधित अधिकारी को अवगत करायेगे। उन्होंने कहा कि कई वालमेन की शिकायत प्राप्त होती है कि उनके द्वारा कम चुडी खोला जाता है, या बिना टंकी भरे पानी सप्लाई की जाती है। इस प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिये, वाल्व में निर्धारित चुडी से अधिक न खोले और न ही कम चुडी खोले। टंकी भरने के पश्चात ही वाल्व खोलना है, जिससे पूरे प्रेशर से सभी क्षेत्रों में पानी सप्लाई हो सके।

हर विभाग को सौंपी गई जवाबदारी, मच्छरजनित व जलजनित बीमारियों पर कसा शिकंजा

बरसात में बीमारियों से बचाव के लिए जिला प्रशासन अलर्ट

कवर्धा/नवप्रदेश। बरसात के दिनों में होने वाले संक्रामक डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, फाइलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के साथ-साथ उल्टी, दस्त, पीलिया, आंत्रशोथ जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न जिला स्तरीय विभागों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम बीमारियों के प्रसार के लिए अनुकूल है, इसलिए जनहित में सभी विभाग तत्काल कार्य योजना बनाकर अमल सुनिश्चित करें।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग अपने कार्यों को गंभीरता से लें। जनहित से जुड़े इन मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक सप्ताह के भीतर सभी विभाग अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि बीमारी की रोकथाम में आमजन की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। लोग घरों के आसपास जलभराव न होने दें, मच्छरदानी का प्रयोग करें और लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र जाएं। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तुर्रे ने बताया कि डेंगू व चिकुनगुनिया मादा एडिस मच्छर के काटने से फैलते हैं, जो दिन में सक्रिय रहती है। मलेरिया मादा एनाफिलिस मच्छर के माध्यम से फैलता है। मच्छरों को पनपने से रोका जाए और रोगों की प्राथमिक अवस्था में पहचान कर उपचार किया जाए तो इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। कलेक्टर ने विभाग के अधिकारियों की साझा बैठक लेकर विभागवार अलग-अलग दायित्व दिये हैं। दायित्वों के निर्वहन के लिए कार्ययोजना भी बनाई गई है। कलेक्टर ने नगर निकाय व पंचायत विभाग को नालियों की सफाई, जलभराव की रोकथाम, तालाबों की स्वच्छता, फॉगिंग, पेयजल व सीवरेज लाइन की मरम्मत, कचरा संग्रहण, नालों की रुकावटें दूर करने व माइकिंग के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सभी सार्वजनिक कुआ, हैण्डपम्प, जल स्त्रोतों का परीक्षण व क्लोरीनीकरण कराने और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मत्स्योद्योग विभाग को गम्बुजिया/गप्पी जैसी लार्वा भक्षी मछलियों की मुफ्त उपलब्धता, संवर्धन, परिवहन व जलस्त्रोतों में विमुक्तिकरण के लिए प्रयास करने कहा गया है। स्कूल शिक्षा विभाग को बच्चों को मौसमी बीमारियों की जानकारी देने, स्कूल परिसर में लार्वा नियंत्रण करने जांच कार्य कराने के निर्देश दिए हैं।

संगीत विवि में एनईपी त्रिस्तरीय कार्यशाला

खैरागढ़/नवप्रदेश। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय कैम्पस 2 स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम के संबंध में त्रिस्तरीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पांडेय अपर संचालक उच्च शिक्षा दुर्ग उपस्थित रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. लवली शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. जीए घनश्याम संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा, डॉ. डीके श्रीवास्तव ओएसडी एनईपी रायपुर उपस्थित रहे। कार्यशाला में डॉ. पांडेय ने वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आवश्यकता को लेकर विस्तार से जानकारी देते कहा कि एनईपी में भारतीय ज्ञान

परंपरा को समाहित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी बनाना है। कुलपति लवली शर्मा ने कहा कि एनईपी के तहत छोटे बच्चों के अंदर स्वावलंबन की भावना जागृत करने शिक्षा प्रदान की जायेगी। इसके साथ ही यह सुविधा भी है कि हम अपने अनुसार अपनी शिक्षा की दिशा बदल सकते हैं। एनईपी लागू होने से निश्चित ही सभी बच्चें लाभान्वित होंगे और अपना भविष्य बेहतर बना पायेंगे। विशेषज्ञ डीके श्रीवास्तव ने कार्यशाला में प्रेजेंटेशन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिये अपनाई गई नीतियों की जानकारी दी।

प्रथम पेज का शेष

लोकसभा में लगातार ....

पेश कर रही है वो पूरा देश देख रहा है। दरअसल, गुरुवार को संसद सत्र के शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सांसद वेल के पास तख्तियां लेकर पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर स्पीकर ओम बिरला ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ''मैं आपसे पुनः आग्रह करता हूं कि संसद की मर्यादा और गरिमा को बनाए रखें। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और लोकतंत्र में पारदर्शिता व जवाबदेही हमारी पहचान है, यह दुनिया जानती है। आप इस तरह का व्यवहार-आचरण करेंगे तो इसका लोकतांत्रिक संस्थाओं में क्या संदेश जाएगा?''

सहकारिता नीति अर्थतंत्र...

सहकारिता की समृद्धि के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना है। इसका मिशन पेशेवर, पारदर्शी, तकनीकी, ज़िम्मेदार और आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सफल लघु सहकारी इकाइयाँ विकसित करना है। हम हर गाँव में कम से कम एक सहकारी संस्था के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

भारत-ब्रिटेन के बीच ...

एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के साथ हमारा ऐतिहासिक व्यापार समझौता ब्रिटेन के लिए एक बड़ी जीत है। इससे पूरे ब्रिटेन में हजारों नौकरियां पैदा होंगी, व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे और देश के हर कोने में विकास को गति मिलेगी। इस समझौते से स्कॉच व्हिस्की, जिन, लग्जरी कारें, कॉस्मेटिक और चिकित्सा उपकरण जैसे आयातित सामान भारतीय उपभोक्ताओं के लिए और अधिक किफायती हो जाएंगे। मुक्त व्यापार समझौते के होने से भारतीय कृषि उत्पादों को जर्मनी जैसे प्रमुख यूरोपीय निर्यातकों के साथ टैरिफसमानता प्राप्त होगी। वस्त्र और चमड़े पर शून्य शुल्क से बांग्लादेश और कंबोडिया जैसे क्षेत्रीय समकक्षों से भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की उम्मीद है।

इस करार से भारत के चमड़ा क्षेत्र की हिस्सेदारी अगले दो वर्षों में यूके के बाजार में 5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। अनुमान के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग निर्यात 2030 तक दोगुना होने की संभावना है, जबकि रत्न और आभूषण निर्यात अगले तीन वर्षों में दोगुना (वर्तमान 941 मिलियन डॉलर से) होने की संभावना है। अधिकारियों का अनुमान है कि इस समझौते से लंबी अवधि में भारत को यूके का निर्यात लगभग 60 प्रतिशत बढ़ जाएगा।

लंदन में प्रवासी भारतीयों के...

ब्रिटेन के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने की भी पूरी तैयारी है। लंदन में प्रवासी भारतीयों द्वारा स्वागत किये जाने के बाद श्री मोदी ने कहा कि इस आत्मीय स्वागत से वह अभिभूत हैं। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ब्रिटेन में भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी भरे स्वागत से अभिभूत हूँ। भारत की प्रगति के प्रति उनका स्नेह और जुनून सचमुच उत्साहजनक है।

इससे पहले मोदी ने लंदन में हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद कहा, लंदन पहुँच गया हूँ। यह यात्रा हमारे देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हमारे लोगों की समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना होगा। वैश्विक प्रगति के लिए भारत-ब्रिटिश मैत्री एक मज़बूत मित्रता आवश्यक है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद मोदी का शाम को ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से भी मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद शाम को ही वह अपनी यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में मालदीव के लिए रवाना हो जायेंगे।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ ...

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा ने दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की. फिर बाद में मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया. सीबीआई की जांच में पीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह के इशारे पर बड़े पैमाने पर प्रश्न पत्र लीक किए जाने का खुलासा हुआ. आरोप है कि प्रश्न पत्र उनके दो भतीजों नितेश सोनवानी और साहिल सोनवानी को दिए गए. इसके बाद परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर ने इन्हें बजरंग पावर एंड इस्पात के निदेशक श्रवण गोयल तक पहुंचाया, जिन्होंने यह पेपर अपने बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार को दिलवाया। इसी आधार पर सभी ने डिप्टी कलेक्टर व डीएससी जैसे पद हासिल किए।

हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ...

याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर लिया।

अब क्या होगा आगे?- सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर होने वाली सुनवाई न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि देशभर में चल रही ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ दिशा-निर्देश तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विशेष रूप से महादेव सट्टा एप जैसे बहुचर्चित मामलों में आने वाले समय में कड़ी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

नाम-परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजय कुमार जैन (sanjay kumar jain) आ.- भीकम चंद जैन निवासी म.नं. 1352, वार्ड नंबर 8 शांति पारा भिलाई 03, जिला दुर्ग, छ.ग. 490021,यह शपथ करता हूं कि मैने अपना पुराना नाम संजय जैन को त्याग कर संजय कुमार जैन आ.- भीकम चंद जैन रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम संजय कुमार जैन (sanjay kumar jain) आ.- भीकम चंद जैन से ही जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ता
संजय कुमार जैन
आ.- भीकम चंद जैन निवासी
म.नं. 1352, वार्ड नंबर 8 शांति
पारा भिलाई 03, जिला दुर्ग, छ.ग.
490021(छत्तीसगढ़) 490023

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202507101000238 /अ-27/ सन्- 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जितेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.न. 5245/2 रकबा 0.1262 हे. भूमि आवेदक एवं अन्य के नाम पर शमिलात खातें में दर्ज है। उपर वर्णित भूमि को खातेदार आपसी सहमती के आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11.08.2025 तक या उसके पूर्व स्वय या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 21.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

दिव्यांग बच्चों को दिये उपहार

भिलाई। सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने विशेष आवश्यकता वर्ग वाले बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग, नोटबुक और पेन का वितरण किया। शिक्षण सामग्री मिलने पर विशेष बच्चों के चेहरे खिल उठे। विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बौद्धिक दिव्यांग, श्रवण बाधित, अस्थिबाधित, अल्प दृष्टि बाधित, मस्तिष्क पक्षाघात और सीखने की क्षमता में कमी से प्रभावित बच्चे लाभान्वित हुए। फाउंडेशन संयोजक प्रदीप पिल्लई, समग्र शिक्षा के सुरेंद्र पांडे, सहायक समन्वयक आईके रामटेके, यूआरसी किरण चंदवानी, बीआरसी श्रवण कुमार सिन्हा, चन्द्र किरण दुबे, पुष्पा भट्टाचार्य, खुमति उईके, इतिदास गुप्ता, माया डोमरे, दुर्गा साहू, उत्तम चंद्रवंशी, जीई फाउंडेशन से सुरुचि टावरी, अनुपमा मेश्राम, मोनिका सिंह, विशाखा मनगुड़े, प्रकाश देशमुख व अजीत सिंह सहित शिक्षक, अभिभावक उपस्थित रहे।

शॉप कम्युनिकेशन फोरम का आयोजन

भिलाई। इस्पात संयंत्र के पावर एवं इलेक्ट्रिकल विभाग के लिए शॉप कम्युनिकेशन फोरम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोरम में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नीतिगत अपडेट और कल्याणकारी उपायों से संबंधित कई प्रश्न पूछे। इन प्रश्नों का समाधान महाप्रबंधक (एचआर-वर्क्स) एसके सोनी, महाप्रबंधक (एचआर-मिल्स/ एम एंड एस) संजय द्विवेदी, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर-एम एंड यू) प्रियंका मीणा द्वारा किया गया। इस अवसर पर कनिष्ठ प्रबंधक (एचआर) नवनीता चौहान और सहायक प्रबंधक (एचआर) मिहिर मनोहर द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सेल की वर्तमान पहलों व कर्मचारी-केन्द्रित योजनाओं पर प्रकाश डाला गया।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। बीएसपी के दुल्की माइन्स के सीएसआर के अंतर्गत ग्राम कमकासुर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में लोगों की सामान्य जांच के साथ ही शुगर, बीपी आदि की निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। कुल 45 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराकर शिविर का लाभ उठाया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। संयंत्र सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर रही है।

30 को मुरमुंदा में होगा शिविर, कलेक्टर ने योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

- **रजत जयंती वर्ष को लेकर सभी विभागों को कार्य योजना बनाने के दिए निर्देश**
- **समय-सीमा बैठक में विभागीय कामकाज की समीक्षा की**

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर विभागवार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों और लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए और 30 जुलाई को मुरमुंदा में शिविर लगाकर ग्रामीणजनों को उनके आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी दी जाए।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आगे से समस्त नयी फाइले ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएं। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को लेकर उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार की जाए और उनके आधार नंबर तथा बैंक खाता विवरण पहले से एकत्र कर लिए जाएं। ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को तैयारी रखने को कहा गया ताकि पोर्टल खुलते ही पंजीयन की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जा सके। रजत जयंती वर्ष के आयोजनों को लेकर कलेक्टर ने सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार करने और कार्यक्रमों में नवाचार के साथ अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत नगरीय निकायों में अनुपचारित जल प्रबंधन के लिए परियोजना प्रस्ताव जल्द तैयार करने को कहा गया। उन्होंने 400 केव्ही डबल सर्किट पावरग्रिड रायपुर-पुल-धमतरी ट्रांसमिशन लाइन के अंतर्गत प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी से विद्यार्थियों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र बनाकर विद्यालयों में वितरण की योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त प्रकरणों को संबंधित तहसीलों को शीघ्र भेजा जाए ताकि सत्यापन कर प्रमाण पत्र तैयार किए जा सकें। इसके अलावा स्कूलों में शिविर लगाकर विद्यार्थियों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट करने को भी कहा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सिकलिंग जांच की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए गए। वहीं रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के तहत 6 अगस्त से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। जिला साक्षरता अधिकारी को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में सहायक कलेक्टर अभिजीत बबन पठारे, एडीएम विरेन्द्र सिंह, आयुक्त सुमीत अग्रवाल, आयुक्त मोनिका वर्मा, आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, सिल्ली थॉमस एवं लता उर्वशा उपस्थित थे।

नगपुरा में आयोजित हरेली महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित हुए विधायक ललित चंद्राकर

हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की हरियाली संस्कृति और एकता का पर्व : ललित

भिलाई/नवप्रदेश। युवा स्टार क्लब एवं समस्त ग्रामवासियों नगपुरा के संयुक्त तत्वावधान में हरेली महोत्सव का आयोजन बड़े धूम धाम से किया गया इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर खेती-किसानी से जुड़े पारंपरिक कृषि औजारों की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में अच्छी फसल, हरियाली एवं समृद्धि की मंगलकामना की। तत्पश्चात पारंपरिक खेल प्रतियोगिता का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा सुस्वादु पारंपरिक व्यंजन भेंट कर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की मिठास और आत्मीयता का परिचय दिया। आयोजन समिति की ओर से विधायक चंद्राकर का पारंपरिक खुमरी पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के पहली तिहार, हरेली की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए विधायक चंद्राकर ने कहा छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति में हरेली तिहार का विशेष स्थान है। सावन महीने की पहली अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व न केवल हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि कृषि आधारित जीवनशैली, पारंपरिक आस्था और सामाजिक समरसता का उत्सव भी है यह पर्व उस समय आता है जब किसान अपने खेतों में बीज बो चुके होते हैं और अच्छी बारिश की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं। राउत समाज के चरवाहे जंगल से लाई गई जड़ी-बूटियों को उबालकर गौठान में पशुओं को पिलाते हैं, जिससे वे रोगमुक्त रहें। इसके बदले किसान उन्हें चावल, दाल आदि भेंट स्वरूप प्रदान करते हैं। यह परंपरा ग्रामीण जीवन में सामूहिकता, सेवा भावना और पारंपरिक ज्ञान की मिसाल है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिपं सदस्य प्रिया साहू, सरपंच सरोज भूपेन्द्र रिगरी, अंजोरा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरेश साहू, सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर राजू, उपसरपंच नरेन्द्र निषाद, ओंकार देवांगन, सोसाइटी अध्यक्ष मुकेश मंडाले, स्टार क्लब अध्यक्ष आकाश सेन, उपाध्यक्ष इलेश्वर गायकवाड़, कोमल धनकर, रंजीत निषाद, खिलेंद्र साहू, राकेश यादव, संदीप जैन, बलराम कौशिक, लोकेश सिन्हा, टोप सिंह पारकर, विनोद देवांगन, हेमंत साहू, रमेश सूर्यवंशी, गौतम यादव, संजय देशमुख, महिला अध्यक्ष सरस्वती निषाद उपस्थित रहे।

हरेली पर विधायक सेन ने किया पारंपरिक नृत्य

भिलाई/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रथम और अत्यंत महत्वपूर्ण लोक पर्व हरेली को भाजपा कार्यालय में पारंपरिक उल्लास और संस्कृति के रंग में मनाया गया। विधायक रिकेश सेन की अगुवाई में हुए इस आयोजन में हरेली की छत्तीसगढ़ी परंपराओं को सम्मान और अपनत्व के साथ जीवंत किया गया। कार्यक्रम में विधायक सेन ने स्वयं पारंपरिक नृत्य में भाग लिया और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के प्रति अपना समर्पण दर्शाया। उन्होंने कहा कि हरेली केवल पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा उत्सव है, जो प्रकृति, खेती और संस्कृति को एक सूत्र में पिरोता है। उन्होंने कहा हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है और यह हमारी विरासत, हमारी मिट्टी और मेहनतकश किसान भाई-बहनों को समर्पित है। आज प्रदेशभर में यह पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है, और यह हमारी सांस्कृतिक एकता की मिसाल है। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में आयोजन को खास रंग मिला। कार्यालय परिसर को छत्तीसगढ़ी साज-सज्जा, नीम पत्तों और पारंपरिक उपकरणों से सजाया गया था।

तिलक कन्या शाला में बेटियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला कार्यकम अधिकारी आरके जाम्बुलकर के निर्देश पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 5 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग में प्रारंभ किया गया। मास्टर ट्रेनर व कुडो एसोसिएशन की सेक्रेटरी सेक्रेटरी लिलिमा सोनी के माध्यम से प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समाज में बालिकाओं को आत्मनिर्भर व निडर बनाना है। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग के मार्ग में अवांछित तत्वों द्वारा छेडख़ानी करने, अपशब्दों का प्रयोग करने व पीछा करने की स्थिति में आत्मरक्षा प्रशिक्षण का उपयोग वे स्वयं की सुरक्षा करने में कर सकती हैं। आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बालिका अपने भीतर एक स्किल डेवलप कर सकेंगी। आत्मरक्षा कैरियर के रूप में एक विकल्प भी हो सकता है, जिससे बालिका मजबूत, सशक्त व आत्मनिर्भर बन सके। प्रशिक्षण के बाद बालिका अपने आसपास की सखी सहेलियों को भी आत्मरक्षा प्रशिक्षण की जानकारी देकर उन्हें भी प्रशिक्षित कर सकती है। कार्यकम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

कृषक कल्याण अध्यक्ष चंद्रवंशी ने की समीक्षा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने कृषि व संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों के साथ बैठक लेकर समीक्षा की। सर्किट हाउस में संपन्न बैठक में विधायक गजेन्द्र यादव भी मौजूद रहे। बैठक में बीज-खाद की उपलब्धता और विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई।

विधायक गजेन्द्र ने कहा कि कृषकों को डीएपी खाद का उपयोग कम करने के साथ ही नैनो डीएपी या यूरिया, सुपरफास्फेट, पोटाश और अन्य उपलब्ध मिश्रित उर्वरक का प्रयोग करने की सलाह दी जाए।

उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को बीएसपी देगा 'मेरिट अवार्ड'

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएसपी के नियमित कर्मचारियों के पात्र बच्चों को पुरस्कृत करने की योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत 8 श्रेणियों में 36 अवार्ड दिए जायेंगे। यह प्रबंधन-स्वीकृत योजना दसवीं और बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और 'टेन क्वेस्ट टेस्ट में सम्मिलित हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लागू की गई है।

यह योजना भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्तमान में कार्यरत बीएसपी कर्मचारियों के सीधे आश्रितों पर लागू होती है। बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए सीबीएसई बोर्ड में न्यूनतम 90 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ बोर्ड या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्डों में न्यूनतम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले बीएसपी कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के लिये पात्र होंगे। विज्ञान, वाणिज्य और कला वर्ग के टॉपर्स को पुरस्कृत किया जाएगा। दसवीं कक्षा में 90 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले पात्र विद्यार्थी और कक्षा में प्रथम से दसवीं रैंक तक के विद्यार्थी इस योजना के अंतर्गत सम्मानित किए जाएँगे। कक्षा 8 वीं में आयोजित टेन क्वेस्ट टेस्ट (टीक्यूटी) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष दस विद्यार्थियों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

संयंत्र में माइंस क्षेत्रों में संचालित विद्यालयों के बीएसपी कर्मचारियों के बच्चों के लिए भी पृथक श्रेणी में पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। बारहवीं कक्षा के विज्ञान, वाणिज्य एवं कला वर्गों के टॉपर्स को सम्मानित किया जाएगा, जबकि दसवीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। माइंस क्षेत्रों के उन विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा जिन्होंने टीक्यूटी में भाग लेते हुए प्रथम अथवा द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

हेमचंद यादव विवि में विदाई-स्वागत समारोह

दुर्ग/नवप्रदेश। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में पूर्व में पदस्थ वित्त अधिकारी सुशील गजभिये का विदाई समारोह आयोजित किया गया तथा नए वित्त अधिकारी के रूप में पदस्थ ममता अवस्थी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुशील गजभिये ने अपने उद्गार व्यक्त किए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में सभी के सहयोग के कारण संसाधनों के अभाव में भी कार्य करने की प्रेरणा मिली।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति, प्रो. डॉ. संजय कुमार तिवारी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सुशील गजभिये ने संस्थागत विकास के लिए सराहनीय कार्य किये हैं। उन्होंने वित्त के कार्यो को बारीकी से देखा हैं। इस क्षेत्र में लगातार कार्य करते रहे हैं। वित्त विषय पर मौलिक किताब लिखी है, उनके इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित किये। गजभिये के कार्य क्षमता को देखते हुए वर्तमान में उन्हें दो विश्वविद्यालयों में कार्य का दायित्व सौंपा गया है। वित्त अधिकारी सुशील गजभिये का पदोन्नति कामधेनु विश्वविद्यालय, अंजोरा तथा कृषि विश्वविद्यालय जोरा, रायपुर में छत्तीसगढ़ वित्त अधिकारी के रूप में हुआ है। ममता अवस्थी ने स्वागत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विदाई और स्वागत की परंपरा को बनाए रखने के लिए सर्व प्रथम कुलपति महोदय के मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया।

कार्यक्रम का संचालन दिग्विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के डॉ दिनेश नामदेव, निर्देशक क्रीड़ा अधिकारी, हिमांशु शेखर मंडावी, सहायक कुल सचिव, जनेन्द्र कुमार दीवान, कार्यकम समन्वयक रासेयो सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यू आदर्श नगर की सफाई व्यवस्था सुधारने महापौर ने दिये निर्देश

दुर्ग/नवप्रदेश। महापौर अलका बाघमार ने न्यू आदर्श नगर और अटल आवास बस्ती क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। महापौर ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान एमआईसी मेंबर देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, वार्ड पार्षद सविता साहू, उपअभियंता विनोद मांझी, विकास दमाहे मौजूद रहे।

महापौर ने नालियों की सफाई के साथ -साथ सड़क किनारे लगे गाजर घांस की कटाई करने के निर्देश भी दिए।

महापौर ने न्यू आदर्श नगर में नाली के ऊपर सड़क तक लोहे की सीढ़ी व प्लॉप को हटवाने के सभी को नोटिस जारी करने के निर्देश वार्ड इंजीनियर विकास दमाहे को दिये। अटल आवास स्थित शौचालय जाने वाले सड़क पर पड़े कचरे के ढेर को यथाशीघ्र हटाने और सुलभ शौचालय की प्रतिदिन साफ सफाई करने कहा गया।

तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम

कुम्हारी। विगत दिनों स्व. बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सोनिता सत्संगी की अध्यक्षता में हुआ। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा मुक्त जीवन की आवश्यकता पर बल दिया तथा प्रत्येक व्यक्ति को तंबाकू निषेध हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। जागरूकता रैली निकाली तथा पर्चा वितरण के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा गांव-गांव तक नशा मुक्ति का संदेश पहुँचाया गया। अभियान ने सामाजिक चेतना को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समापन | **सेल की हेड्स ऑफ मटेरियल्स मैनेजमेंट बैठक जनरेटिव एआई और प्रक्रिया दक्षता पर चर्चा**

इन्वेंट्री प्रबंधन कार्यशाला में प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

भिलाई/नवप्रदेश। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की समस्त इकाइयों के हेड्स ऑफ मटेरियल्स मैनेजमेंट एचओएमएम बैठक का समापन आज सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में हुआ। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए.के. चक्रवर्ती ने समापन उद्बोधन दिया।

कार्यपालक निदेशक चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में बैठक के दौरान आयोजित विभिन्न सत्रों में चर्चा हेतु निर्धारित प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किया और विष्वास व्यक्त किया कि यह एचओएमएम बैठक विचारों के रचनात्मक आदान-प्रदान तथा दीर्घकालिक मुद्दों के समाधान हेतु एक प्रभावी मंच सिद्ध हुई है, जिससे सेल की समग्र क्रय एवं सामग्री प्रबंधन प्रणाली की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। उन्होंने बैठक में भाग ले रहे अधिकारियों को अनुभव के लिए शुभकामनाएं दीं और उनसे आग्रह किया कि वे इन तीन दिनों की गहन चर्चाओं से प्राप्त रणनीतियों, नीतिगत दृष्टिकोणों और व्यावहारिक निष्कर्षों को अपनी-अपनी इकाइयों में सामग्री प्रबंधन और इन्वेंट्री प्रबंधन के क्षेत्र में क्रियान्वित करें।

समापन समारोह में इन्वेंट्री प्रबंधन कार्यशाला में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों को एचओएमएम मंच द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसमें उनके सक्रिय योगदान की सराहना की गई।

बैठक के तीसरे दिन, सभी सेल संयंत्रों की इन्वेंट्री स्थिति की समग्र समीक्षा की गई, जिसमें लागत दक्षता एवं लाभप्रदता को बढ़ाने हेतु इन्वेंट्री प्रबंधन पद्धतियों को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, ड्राफ्ट पीआर चेकलिस्ट पर भी संक्षिप्त चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य पर्चेज दस्तावेज़ीकरण प्रक्रियाओं को अधिक सुसंगत बनाना है। बैठक में मेक इन इंडिया (एमआईआई) दिशा-निर्देशों में हुए नवीनतम संशोधनों पर भी विचार-विमर्श किया गया, व दोपहर के सत्र में मेकिन्सी एंड कंपनी द्वारा जनरेटिव एआई के पर्चेज एवं अनुबंध प्रबंधन क्षेत्र में उभरते उपयोग और प्रभावों पर एक व्यापक प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी प्रतिभागियों को वैष्विक प्रौद्योगिकीय रुझानों से अवगत कराया।

अंतिम सत्र में समझौता ज्ञापन, पीसीपी एवं गीईएम से संबंधित चुनौतियों तथा सामग्री प्रबंधन कार्यप्रणालियों की संचालन दक्षता में सुधार हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समापन संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

प्रतिभा स्पॉट लाइट कार्यक्रम का आयोजन

कुम्हारी/नवप्रदेश। भारतीय जैन संघटना द्वारा विचक्षण जैन विद्यापीठ के प्रांगण में प्रतिभा स्पॉटलाइट कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक, खेल, संगीत और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने हेतु आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम. राजीव अधीक्षक जीएसटी विभाग रायपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश सावनसुखा अध्यक्ष विचक्षण जैन विद्यापीठ, सुनील जैन, राजेन्द्र पारेख एवं प्रकाश चंद चोपड़ा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने शिक्षा, खेल, संगीत और कला के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए छात्रों को भी मंच पर सम्मानित किया गया सम्मानित विद्यार्थियों में प्रमुख रूप से अर्हम जैन सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण, पुलकित सुराना सीयूईटी परीक्षा उत्तीर्ण एवं रजत जैन जेईई मेन 2025 शामिल हैं।

इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य ए.पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलता है बल्कि यह प्रेरणा का स्रोत भी बनता है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आभार प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कृषकों को खरीफ की फसलों का प्रशिक्षण

भाटापारा/नवप्रदेश। विकास खंड भाटापारा के कृषि विभाग मे कृषको को खरीफमौसम मे लगने वाले फसलों के लिए वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अवधेश उपाध्याय एवं सहायक संचालक कृषि बी एन वर्मा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान डी एम एफ योजनानतर्गत 64 कृषको को स्प्रेयर एवं दलहन क्षेत्र विस्तार हेतु अरहर बीज का वितरण भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा के द्वारा किया गया जिसमे उनके द्वारा कहा गया कि भाजपा सरकार व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी किसानों के हितों के लिये अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है जिसका लाभ अन्नदाता किसानों को मिल रहा है भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि पूर्व के कांग्रेसी शासन मे किसानों के हितों को लेकर कोई विशेष ध्यान नही दिया गया जो कि वर्तमान के भाजपा डीएमएफ योजना के अंतर्गत स्प्रेयर व दलहन क्षेत्र विस्तार हेतु अरहर बीज का वितरण किसानों को किया जा रहा है जो कि चक्रीय फसलों को प्रोत्साहन फसलों के गुणवत्ता मे सुधार फसलों के वृध्दि व विकास व किट रोग नियंत्रण मुख्य उद्देश्य है क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि विस्तार को लेकर बधाई व शुभकामनाएं भी दिये सरकार द्वारा दिया जा रहा है !

इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अमर मण्डवी जिला सदस्य खनिज संस्थान न्यास व सरपंच संघ अध्यक्ष संकेत अग्रवाल ,कृषि स्थाई समिति के सभापति संतोष साहू, कोदवा सरपंच चन्द्रिका दिलीप रात्रे, खपरी सरपंच पिंकी नारायण यादव,धौरभठा सरपंच हीराबाई ध्रुव, चिचपोल सरपंच सुखमती ध्रुव,निपानिया मंडल के अध्यक्ष मथुरा यादव विक्की वर्मा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी प्रवीण रामटेके, सियाराम हिरवानी, सौरभ सिंह, वीरेंद्र, विनोद कुर्रे सहदेव साहू, ज्योति वर्मा मुकेश तिवारी अंकिता अग्रवाल सहित किसान बंधु उपस्थित थे।

मड़ेली में विशेष समाधान शिविर लगाया गया

गरियाबंद/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार तीन चरणों में आयोजित किया गया था। जिसके तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 09 मई को ग्राम मड़ेली के समाधान शिविर में उपस्थित होकर ग्रामीणों के मांग एवं समस्याओं का निराकरण किये गये थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई विभिन्न विकास कार्यो की घोषणा की थी। कलेक्टर श्री बी.एस. उइके ने आज मड़ेली में आयोजित विशेष समाधान शिविर में बताया कि जिसमें से बहुप्रतिक्षित पीपरछेड़ी जलाशय के निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है।

हरेली तिहार में बालोद जिले में ड्रोन दीदियों ने दिखाई आधुनिकता की झलक

बालोद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का पारंपरिक और प्रथम त्यौहार हरेली आज जिले भर में अपार उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सावन मास की अमावस्या को मनाए जाने वाला यह पर्व, जो छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि, संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है, इस बार भी अपने रंग-रूप और परंपराओं के साथ लोगों के दिलों में उत्सव का माहौल लेकर आया। इस अवसर पर किसानों ने अपने पारंपरिक कृषि यंत्रों हल, नांगर, कुदाली और फावड़े की पूजा कर फसलों की सुखद पैदावार और समृद्धि की कामना की। वहीं बालोद जिले की तीन ड्रोन दीदियों ने आधुनिक तकनीक और परंपरा का अनूठा संगम पेश करते हुए आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन की पूजा कर हरेली तिहार को नया आयाम दिया। जिले में कार्यरत तीन ड्रोन दीदियों चित्ररेखा साहू,भावना साहू और सुश्री रूचि साहू ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हरेली तिहार को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर एक नई मिसाल पेश की है। ये ड्रोन दीदियां, जो शासन की ड्रोन दीदी योजना के तहत तकनीकी रूप से प्रशिक्षित हैं।

जिला पंचायत सदस्य का आरोप 22 लोगों को दी नियुक्ति

गरियाबंद/नवप्रदेश। अनुकम्पा नियुक्ति में नियम कायदों को ताक में रख कर शिक्षा विभाग ने दिखाई दरियादिली। जिला पंचायत सदस्य का आरोप कलक्टर अनुमोदन के बगैर आनन फानन में 22 लोगों को दिया नियुक्ति, इस आड़ में हितग्राहियों से ली गई मोटी सुविधा शुल्क। तत्कालीन डीईओ ने कहा समिति गठित कर विधिवत किया गया,कलेक्टर की अनुमोदन की आवश्यकता नहीं। वर्ष 2024 में शिक्षा विभाग द्वारा की गई 22 हितग्राहियों की अनुकम्पा नियुक्ति पर अब कई सवाल खड़े हो गए हैं।जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम का आरोप है कि नियुकी के पहले छान बिन करने का प्रावधान था जो नहीं हुआ। अपर कलेक्टर के नेतृत्व में नियुक्ति समिति बनाई जाती ,फिर कलेक्टर के अनुमोदन के बाद नियुक्ति आदेश जारी किया जाना था। शासन द्वारा 15 अप्रैल 2024 को जारी गाइड लाइन में उक्त बिंदुओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया है किन्तु शिक्षा विभाग ने प्रकरण के निपटारे में इस महत्वपूर्ण कड़ी को छोड़ दिया।संजय ने कहा कि नियुक्ति आदेश जारी करने से पहले रिक्त पदों का भी ध्यान रखा जाना था किंतु मनचाहे स्थान पर इसको पोस्टिंग दी गई।संजय ने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी कौन सी जानकारी या बिंदु विभाग छुपाना चाह रही थी,जिसके चलते जिले के प्रशासनिक मुखिया का अनुमोदन आवश्यक नहीं समझा गया,इसकी जांच की जानी चाहिए। तत्कालीन डीईओ बोले नियम से हुई नियुक्तिइ्व मामले में तत्कालीन डीईओ आनंद कुमार सारस्वत ने कहा कि तय गाइड लाइन के आधार पर समिति गठित कर प्रकरणों का विधिवत निपटारा किया गया है। कलेक्टर के अनुमोदन की जरूरत नहीं थी। मामले में अपर कलेक्टर अरविंद पांडेय ने कहा कि अनुमोदन नहीं कराई गई है,शिकायत मिलने पर जांच कराई जायेगी।

साइबर ठग नए-नए हथकंडे अपना रहे ठगने के

एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक, निकाले डेढ़ लाख, दो अंतरराज्यीय हैकर गिरफ्तार

राजिम/नवप्रदेश। साइबर ठगी करने वाले ठग के नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। वे एंड्रॉयड पैकेज फाइल (एपीके फाइल) के जरिए मोबाइल फोन हैक कर खाते से पैसे निकाल रहे हैं। ऐसा ही एक मामला गरियाबंद ज़िले से आया है, जहां ठगों ने एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किया और करीब डेढ़ लाख रुपए उड़ा लिए। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दो अंतरराज्यीय हैकरों को गिरफ्तार किया है।

जानिए पूरा मामला

दरअसल, प्रार्थी ने साइबर टोल फ्री नंबर 1930 पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने प्रार्थी से ऑनलाइन ठगी के संबंध में पूछताछ की, जिसमें प्रार्थी ने बताया कि किसी अज्ञात आरोपी ने उसके मोबाइल नंबर पर एक एपीके फाइल भेजी थी। जिसे खोलने के लिए उसने क्लिक किया। क्लिक करते ही उसका मोबाइल हैक हो गया और आरोपी ने फोन-पे के जरिए उससे 1 लाख 42 हजार 239 रुपये की ठगी कर ली।

पुलिस ने किया सतर्क

गरियाबंद पुलिस ने लोगों को सतर्क करते हुए अपील किया है कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें, न ही कोई एपीके फाइल या अन्य ऐप इंस्टॉल करें। इसे रोकने के लिए आम जनता में जागरूकता फैलाएं। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या https://cybercrime.gov.in / पर शिकायत दर्ज करें या नजदीकी पुलिस थाने शिकायत दर्ज कराएं।

ठगी के पैसे से खरीदे इलेक्ट्रॉनिक सामान

प्रार्थी को जब इसकी जानकारी हुई, तो वह तुरंत साइबर सेल पहुंची, जहां उसके मोबाइल से एपीके फाइल डिलीट करके उसका फ़ोन सुरक्षित किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रार्थी के मोबाइल से ट्रांसफर हुए पैसे निकालने वाले व्यक्ति ने किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप के जरिए गिफ्ट वाउचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदा था। इसकी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात खरीदारों पर नजर रखना शुरू कर दिया। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों का पता लगाने के लिए एक टीम गठित की।

उत्तराखंड से गिरफ्तार हुए दो आरोपी

साइबर सेल की मदद से पुलिस टीम आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर उत्तराखंड के लिए रवाना हुई। जहां दो आरोपियों अमन कुमार मीणा और अमित कुमार मीणा को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 318(4) 66(द्व) आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लैपटॉप और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जो ठगी के पैसों से खरीदे थे।

फसल बीमा कराने 31 जुलाई तक अंतिम तिथि

■ पोर्टल अपडेट व डाटा प्रविष्टि के लिए प्रशिक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। खरीफ वर्ष 2025 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिले में ग्राम स्तर पर धान (सिंचित/असिंचित), मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, अरहर, मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी फसलों को शामिल किया गया है। संबंधित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित है। किसानों का समय पर पंजीयन एवं सही डाटा एंट्री करने के लिए आज उप संचालक कृषि महासमुंद के प्रशिक्षण हाल में वित्तीय संस्थाओं, बैंक शाखाओं, सी.एस.सी., लैम्पस, समितियों के प्रबंधकों तथा डाटा एंट्री ऑपरेटरों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फसल बीमा पोर्टल में कृषक विवरण की सफल प्रविष्टि, प्रीमियम कटौती प्रक्रिया, अधिसूचित फसलों का चयन, त्रुटि सुधार एवं पोर्टल पर आंशिक अपडेट की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी गई। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, पंडरी (रायपुर) से आए बीमा प्रतिनिधियों, सहायक प्रबंधक श्रीमती अनुराधा ठाकुर एवं सहायक प्रबंधक आशुतोष ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को डेमो के साथ प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि एफआर. कश्यप, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अविनाश शर्मा, कृषि विकास अधिकारी मनोज पटेल, जिला समन्वयक बीमा कंपनी के रंजीत कुमार साहू तथा सहायक तकनीकी प्रबंधक योगेश कुमार चन्द्राकर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सभी संबद्ध संस्थाओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर अधिकाधिक किसानों का बीमा कराने की अपील की है।

थैलीसीमिया के लिए ब्लड बैंक वरदान

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिला अस्पताल बलौदाबाजार में सिकल सेल और थैलीसीमिया जैसी आनुवांशिक बीमारियों के मरीजों के लिए ब्लड बैंक वरदान साबित हो रहा है। यहाँ आने वाले मरीजों को निःशुल्क ब्लड चढ़ाया जा रहा है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि जिला अस्पताल में सिकल सेल और थैलीसीमिया जैसे आनुवांशिक रोगों के मरीजों को समय-समय पर ब्लड की जरूरत होती है।

छुरा पंचायत की स्वच्छता रैंकिंग पर उठे सवाल जनता ने कहा - मुंगेरीलाल के हसीन सपने!

छुरा/ नवप्रदेश। नगर पंचायत छुरा को स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रदेश स्तर पर दसवां स्थान मिलने की खबर जैसे ही नगर में फैली, लोगों की प्रतिक्रियाएं चौंकाने वाली रही। जहाँ एक ओर शासन-प्रशासन द्वारा इसे बड़ी उपलब्धि बताकर वाहवाही लूटी जा रही है, वहीं स्थानीय नागरिकों ने इस रैंकिंग पर आश्चर्य और नाराजगी जाहिर की है।

नगरवासियों का कहना है कि सड़कों पर बजती गाड़ियाँ और मीडिया प्रचार से शहर साफ नहीं होता, ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। स्थानीय लोगों ने जगह-जगह फैली गंदगी, उखड़ी सड़कें, बजबजाती नालियां और कचरे के ढेर की ओर इशारा करते हुए कहा कि ऐसा लगता है मानो यह रैंकिंग जमीनी सर्वेक्षण की बजाय कागजी आंकड़ों पर दी गई हो।

एक नागरिक ने कटाक्ष करते हुए कहा- ये तो वही बात हो गई, जैसे मुंगेरीलाल सपनों में महल देख रहे हों, जबकि असलियत में घर की छत भी टपक रही हो।

छुरा नगर के कई मोहल्लों में गंदगी की स्थिति जस की तस बनी हुई है। नालियों की सफाई महीनों से नहीं हुई, और कई क्षेत्रों में कचरा संग्रहण की कोई नियमित व्यवस्था नहीं दिख रही।

वहीं नगर पंचायत अधिकारियों का कहना है कि यह रैंकिंग कई मानकों के आधार पर दी गई है, जिनमें जनभागीदारी, प्रचार-प्रसार, कचरा प्रबंधन आदि शामिल हैं। अब सवाल यह उठता है कि क्या यह रैंकिंग वास्तविक विकास का आईना है या फिर सरकारी कागजों का कमाल?

जनता उम्मीद कर रही है कि नगर को मिली इस रैंकिंग के बाद अब वास्तव में सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा, और सिर्फ कागज़ी स्वच्छता नहीं, जमीनी स्वच्छता भी दिखाई देगी।

एचएसआरपी नम्बर प्लेट बनवाने 29 तक लगेगी शिविर

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में परिवहन विभाग द्वारा 01 अप्रैल 2019 के पूर्व के समस्त वाहनों में एच.एस.आर.पी. नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है, जिसके अंतर्गत जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों में लगातार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गरियाबंद ब्लॉक में 29 जुलाई तक शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि 26 जुलाई शनिवार को बाजार चौक आमदी (द) में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 27 जुलाई रविवार को बाजार चौक धवलपुरडीह और 29 जुलाई मंगलवार को यात्री प्रतिक्षालय बिन्द्रानवागढ़ में शिविर आयोजित किया जायेगा।

एसडीएम ने गैरहाजिर शिक्षकों को जारी किया नोटिस

महासमुंद/नवप्रदेश। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बागबाहरा उमेश कुमार साहू द्वारा आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खल्लारी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रारंभ होने का समय प्रातः 10 बजे होते हुए भी विद्यालय के सात व्याख्याता समय पर उपस्थित नहीं पाए गए।

विद्यालयीन व्यवस्था की गंभीरता को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी द्वारा स्वयं प्रार्थना सत्र संपन्न कराया। निरीक्षण में प्रभारी प्राचार्य सविता चंद्राकर सहित व्याख्याता सुमन चंद्राकर, भूषण सिरमौर, लक्ष्मीधर चंद्राकर, पूरी हरपाल, सरोज सिंह मर्सकोले, वेणुका साहू, ग्रंथपाल राजेन्द्र चौहान तथा व्यावसायिक शिक्षक सुभाष साहू अनुपस्थित पाए गए। अनुशासनहीनता एवं समय पालन में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) द्वारा उपरोक्त सभी शासकीय सेवकों को शोकॉज नोटिस जारी करते हुए 3 दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समयावधि में उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। निरीक्षण के बाद अनुविभागीय अधिकारी ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है कि विकासखंड अंतर्गत संचालित सभी शासकीय विद्यालयों में समय पालन एवं शिक्षकीय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सतत निरीक्षण व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रभारी प्राचार्य नियमित रूप से विद्यालयीन गतिविधियों की निगरानी करें तथा अनुपस्थित पाए जाने पर तत्काल शोकॉज नोटिस जारी करते हुए नियमानुसार कार्रवाई प्रस्तावित करें। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शैक्षणिक अनुशासन की बहाली के लिए प्रशासन पूरी सख्ती से कार्रवाई करेगा।

डोकरीडीह स्कूल में जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भटगांव/नवप्रदेश। नगर भटगांव अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत डोकरीडीह के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में आज जिला कलेक्टर संजय कन्नौजे ने निरीक्षण किया। डोकरीडीह स्कूल में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में निरीक्षण किया गया। विगत वर्षो से स्कूल में शौचालय नहीं होने को लेकर दैनिक नवप्रदेश मे समाचार प्रकाशित किया गया था। जहां एसडीएम वर्षा बंसल, सीईओ जनपद पंचायत प्रतीक प्रधान ने भी शाला का अवलोकन किया।अवलोकन के दौरान मिडिल स्कूल में शौचालय नहीं पाया तथा प्राथमिक शाला के शौचालय को जर्जर एवं अनुपयोगी पाया। अधिकारियों ने जल्द बालक एवं बालिका शौचालय निर्माण कराने की बात कही। जिला कलेक्टर ने जर्जर छत वाले कक्षा में बच्चो को बैठाने से मना किया। जिला कलेक्टर ने प्राथमिक एव मिडिल स्कूल के विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों को सवाल जवाब किया।बच्चों के स्तर को सुधारने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया।वही दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र में खबर प्रकाशित गया था। साथ ही शौचालय के समाचार को लेकर कलेक्टर ने शिक्षकों पर नाराजगी व्यक्त किए।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा में आधी बांह वाले कपड़े एवं चप्पल पहनना होगा ज़रुरी

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी व्यापम की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए एसएमएस के यूआरएल से भी प्रवेश पत्र प्राप्त किया जा सकता है। व्यापम ने परीक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। वहां पहचान पत्र से सत्यापन और फ्रिस्किंग के बाद ही प्रवेश के बाद किसी को भी परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थी परीक्षा से एक दिन पहले ही अपने परीक्षा केंद्र की स्थिति देख लें। प्रवेश पत्र डाक से नहीं भेजा जाएगा। परीक्षार्थी को प्रवेश पत्र का प्रिंट आउट साथ लाना अनिवार्य है।

धान संग्रहण केंद्र में कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

छुरा/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के कुण्डेल भाठा स्थित धान संग्रहण केंद्र में पिछले तीन दिनों से कामकाज पूरी तरह से ठप है। कारण है ङ्क कर्मचारियों की हड़ताल, जो अब आंदोलन का रूप ले चुकी है। कर्मचारियों का आरोप है कि बीते 10 महीनों से उनके पीएफकी राशि उनके खातों में जमा नहीं की गई है, जिससे उनमें भारी नाराजगी है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को स्थानीय हेमाल टोली का भी समर्थन मिल चुका है, जिससे आंदोलन को और बल मिला है। करीब 150 से 200 कर्मचारियों का पीएफ अटका हुआ है, बावजूद इसके जिम्मेदार ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे कई बार ठेकेदार के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन विभागीय स्तर पर सिर्फआश्वासन मिला, कार्रवाई नहीं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी खुलासा किया कि अब तक उन्होंने ठेकेदार का चेहरा तक नहीं देखा है, जबकि सारा संपर्क केवल संदीप कोटा नामक व्यक्ति के माध्यम से होता है। वर्तमान हालात को देखते हुए जिला विपणन अधिकारी अमित चंद्रकार और जिला खाद्य अधिकारी स्वयं संग्रहण केंद्र पहुंचे हैं।

चेतावनी... 26 तक मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 28 जुलाई से आंदोलन में उतर जाएंगे

कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ 17 सूत्रीय मांगों को लेकर करेगा चरणबद्ध आंदोलन

नवापारा राजिम। ''संसाधन नहीं तो काम नहीं'' के सिद्धांत पर आधारित छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ 17 सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करने की तैयारी कर रहा है। बताया गया कि यदि 26 जुलाई 2025 तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो संघ द्वारा 28 जुलाई 2025 से चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने 17 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, राजस्व मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव सामान्य

प्रशासन विभाग, सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और संचालक राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग को ज्ञापन दिया है। संघ ने बताया कि पहले चरण में 17 जुलाई को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया है। दूसरे चरण में 21 से 26 जुलाई तक निजी संसाधनों से काम बंद रखा गया है। तीसरे चरण में 28 जुलाई को जिला स्तर पर सामूहिक अवकाश लेकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 29 जुलाई 2025 को संभाग और प्रदेश स्तर पर सामूहिक अवकाश और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 30 जुलाई 2025 को प्रदेश स्तर पर सामूहिक अवकाश लेकर राजधानी में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। चौथे चरण में अगर सरकार कोई पहल नहीं करती है तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। संघ ने बताया कि उनकी 17 सूत्रीय मांगों में सभी तहसीलों में स्वीकृत सेटअप की पदस्थापना, तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति प्रक्रिया, नायब तहसीलदार पद का राजपत्रीकरण करने की मांग, ग्रेड पे में तत्काल सुधार, शासकीय वाहन की उपलब्धता, निलंबन से बहाली, न्यायिक प्रकरणों में आदेशों की पालना, न्यायिक आदेश पर एफआईआर दर्ज न करने, न्यायालय में उपस्थिति की व्यवस्था, मानदेय भुगतान एवं नियुक्ति, प्रशिक्षित ऑपरेटर की नियुक्ति, एसएलआर एवं एएसएलआर की बहाली, व्यक्तिगत मोबाइल नंबर की गोपनीयता, सुरक्षाकर्मी, सड़क दुर्घटना मुआवजा की व्यवस्था, संघ की मान्यता, विशेषज्ञ समिति का गठन शामिल है।

संसाधनों की कमी के चलते तहसीलदारों को होती है समस्याएं

बताया गया कि तहसील कार्यालयों में पदस्थ तहसीलदारों को संसाधनों, मानव संसाधन, तकनीकी सुविधाओं, 2सुरक्षा, शासकीय वाहनों की अत्यधिक कमी और प्रशासनिक सहयोग की अनुपलब्धता के कारण कार्य के क्रियान्वयन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिसके संबंध में छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने समय-समय पर विभाग और सरकार को इन समस्याओं से अवगत भी कराया है। लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

न्यूज गैलरी

कृषि फार्म से लाखों की चोरी

महासमुंद/नवप्रदेश। नरतोरा स्थित कृषि फार्म से 40 हजार रुपये के सामानों की चोरी हो गई। पटेवा पुलिस ने बताया कि भेखराम पटेल (32) के बिजली आफिस के पास स्थित कृषि फार्म से 2 बोरी धान, 3 नग सबमर्सिबल पंप 5 एचपी, 2 नग धान उड़ाने का पंखा, 3 नग चेप कटर मोटर चोरी हो गई। मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

नगर साहू समाज की महिलाओं ने जवानों को भेजी राखी

भाटापारा/नवप्रदेश। गत वर्ष के भाँति इस वर्ष भी नगर साहू समाज की महिलाओं ने भारत देश के वीर जवान जो राजौरी, पूँछ, बारामूला, अखनूर लेह, लद्दाख और उधमपुर में तैनात फौजी भाइयों को स्पीड पोस्ट से राखी (रक्षासूत्र) भेजी। जवानों को राखी के साथ एक-एक संदेश और कविता भी भेजा गया है। राखी भेजने के लिए महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीमती कमला राजेश साहू के साथ , संध्या साहू सरस्वती, डॉ वीणा साहू, सरस्वती साहू, गायत्री साहू, लिपिका साहू , कल्याणी साहू, कामना साहू, रेखा साहू, पेमिन साहू, नीरा साहू के साथ अध्यक्ष राजेश साहू और नभ नारायण साहू उपस्थित रहे।

गुरु घासीदास बस स्टैंड का नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने आज बस स्टैंड का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व ही बस स्टैंड के व्यवसायियों ने बस स्टैंड में व्याप्त समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पालिकाध्यक्ष श्री साहू से पालिका कार्यालय में भेंट कर समस्या बताई थी। जिस पर आज पालिकाध्यक्ष श्री साहू ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए पालिका टीम के साथ बस स्टैंड पहुंचकर निरीक्षण किया। इस सफाई, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं के विस्तार लिए उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश देते हुए तत्काल कार्रवाई करने कहा। श्री साहू ने बस स्टैंड स्थित शौचालय में सफाई को लेकर सख्त निर्देश दिए। साथ ही व्यवसायियों की समस्त समस्याओं को गंभीरता सुनकर शीघ्र समाधान करने की बात कही। इस अवसर पर सभापति ज्योति रिंकू चंद्राकर, पार्षद मुस्ताक खान, स्थानीय व्यापारी गण, लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर, प्रभारी सहित पालिका कर्मचारी उपस्थित थे।

बेलसोंडा प्रीमियर लीग का खिताब ब्रदर्स 11 ने जीता

महासमुंद/नवप्रदेश। बेलसोंडा युवा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित बेलसोंडा प्रीमियर लीग का समापन मंगलवार को हुआ। फाइनल मुकाबला ब्रदर्स 11 और आयांस 11 के बीच खेला गया। जिसमें ब्रदर्स 11 ने टास जितकर बोलिंग करने का फैसला लिया। यह मैच दस ओवर का था, जिसमें आयांस 11 पहले बेटिंग करते 79 रन ही बना पाई। फिर ब्रदर्स 11 ने यह टारगेट 6 ओवर 5 बाल में चेज कर लिया। चेज करते हुए 8 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच दुष्यंत रहे। जिसमें बेलसोडा प्रिमियर लीग के बेस्ट बैट्समैन तुषार चंद्राकर अथवा बेस्ट बॉलर तोयेश निर्मलकर दोनों खिलाड़ियों को ट्रॉफी और 5500-5500 सौ रुपए नगद पुरस्कार जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने प्रदान किया । एमबीपी संशाक (विन्नी) चंद्राकर रहे, उसे 7700 रुपए व ट्राफी विकास सिंग ठाकुर ने प्रदान किया। फाइनल विजेता टीम टीम को 75 हजार एवं उप विजेता टीम को 40 हजार एवं ट्राफी युवा क्रिकेट क्लब द्वारा प्रदान किया गया। आयांश 11 उपविजेता रही। समापन समारोह में जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विजेता टीम ब्रदर्स 11 को ट्रॉफी और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विशेष अतिथि बेलसोंडा सरपंच प्रीति धीवर, पंचगण राजेश्वर चंद्राकर, पूजा शाहनी, कुंती धीवर, वीणा धीवर आदि मौजूद रहे।

हिन्दू जागरण मंच ने मातृशक्तियों के साथ सनातन धर्म पर किया संवाद

■ सनातन संस्कृति में नारी सदैव वंदनीय एवं पूजनीय है-हिन्दू जागरण मंच

धमतरी/नवप्रदेश। हिन्दू जागरण मंच धमतरी अपने हिंदू समाज को संगठित ,सक्रिय ,और जागरूक करने में लगा हुआ है जिले के प्रत्येक गांवों में जागरण टोली के रूप में युवा शक्ति,मातृ शक्तियों का संगठन निर्माण कार्य किया जा रहा है। हिन्दू समाज में सनातन संस्कृति की संस्कार को स्थापित करने निरंतर हिन्दू जागरण मंच लगा हुआ है ।जिस समाज में नारी को देवी के रूप में वंदनीय एवं पूजनीय माना जाता है अन्य समाज अथवा समुदाय में नारी किस रूप में देखा जाता है या क्या स्थिति है समाज चिंतन जरूर करे अपने हिन्दू समाज के प्रति लोगों को निष्ठावान होना चाहिए । विश्व की एक मात्र ऐसे पावन पवित्र भूमि जहां की नदियों में पवित्र जल धारा बहती है ।जिस भूमि में देवता गण भी अवतरित होने की सदैव इच्छा रखते एवं तरसते है। विश्व के अन्य भूमि पर नहीं, जिस भूमि को भारत मां कहा जाता है ,अन्य को मां नहीं सिर्फ भूमि का टुकड़ा वहां के निवासी मानते है ।उस समाज की संस्कृति को मिटाने के लिए विधर्मीयो के द्वारा लाख कोशिश किया गया पर कोई नहीं मिटा पाया न मिटा सकता है। सनातन संस्कृति आदि, अनंत है उक्त विषय को लेकर हिंदू जागरण धमतरी के जिला संयोजक पुरूषोतम निषाद सहसंयोजक , डाकेश्वर साहू, प्रतीक सोनी,चित्रेश साहु, ने टिकरापारा वार्ड के नारी शक्तियों का आवश्यक बैठक लेकर मतांतरण ,धर्मांतरण, असमाजिक अवैध गतिविधि ,मंदिरों में चोरी, मूर्ति खंडित करने वालों के खिलाफ एकजुट होकर इतिहास की घटनाओं से सीख लेते हुए जागरूक होकर हमें मिलजुलकर प्रशासन को सहयोग करते हुए भारत मां की रक्षा के लिए समाजिक जागरूकता ,समरसता की भाव से पंच परिवर्तन के द्वारा विजयी समाज का निर्माण करना होगा,जिसमें सर्व प्राणी का कल्याण हो,प्रत्येक मंगलवार हनुमान चालीसा समाज को करने कहा ,समाज निर्माण में वार्ड वासी पुष्पा ठाकुर,शोभा मधु ,ऊषा महाजन,मीनाचक्रधारी,सरस्वती ,द्रोपदी दशमत ,मुन्नी, ममता,भूरी, रमेसरी,सुमित्रा,कोसली,संध्या,राम बाई चक्रधारी,कुमारी यादव, अनूप भैया, संकेतठाकुर,ललित ,धीरज पंकज चक्रधारी सहयोग करने कहा,हिन्दू जागरण मंच के प्रांत युवा प्रमुख दीपक सिंह ठाकुर, ने समाज के लोगो से कहा समाज के प्रत्येक लोग एक दूसरे को सहयोग करे जिससे हिन्दू समाज मजबूत होगा, कोई भी समस्या आने पर हिन्दू जागरण मंच को सूचित करे हिन्दू समाज की रक्षा में प्रांत प्रमुख प्रवीण साहू, जिला युवा आयाम सत्यम सिन्हा,प्रचार आयाम तुषार साहू, ,आर्थिक समाजिक आयाम गौरव जैन ,आशीष शर्मा,सुनील सोलंके,नगर खंड नेतृत्व कर्ता , करण सेन, शिवांश साहू,पुरुषोत्तम पटेल अमित सोना कार्य करते रहेंगे।

जमीन विवाद पर घर घुसकर धारदार हथियार से हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। जमीन विवाद को लेकर एक युवक ने जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि दुरपति पटेल ने एफआईआर दर्ज कराई है कि उसके जेठ का पुत्र योगेश पटेल पुरानी जमीन बाड़ी की बात को लेकर आपसी रंजिश रखता है। 21 जुलाई की शाम करीब सात बजे वह अपने पति के साथ घर के आंगन में थी, इसी बीच योगेश कत्ता लेकर आया और हम लोगों से गाली-गलौज की। साथ ही मारने का प्रयास किया, जिससे वह भाग गई, बाद पति हंसराज पटेल पर प्राणघातक हमला कर दिया जिससे उनके सिर, कान के नीचे चोटें आई है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 109, 296 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

किसानों ने कृषि यंत्रों, मवेशियों को नहलाकर की पूजा-अर्चना

नगरी/नवप्रदेश। हरेली शब्द ही हरियाली और समृद्धि का प्रतीक है। यह पर्व छत्तीसगढ़ी कृषकों के लिए चार प्रमुख अमावस्यों में से सबसे पवित्र माना जाता है। नगरी सिहावा अंचल के दुगली के किसान इस दिन अपने कृषि यंत्रों जैसे नागर, कुदाली, टंगिया, फावड़ा, बसुला एवं अपने मवेशियों को धोकर उन पर चंदन, हल्दी और हाथों की छाप लगाकर धूप-दीप दिखाकर पूजा किए और प्रसाद स्वरूप चीला-रोटी का भोग लगाकर धरती माता एवं कृषि देवताओं का आह्वान किए।इस दिन किसान सुबह से ही भेलवा और नीम की शाख और दूध, धूप का होम देकर लेकर अपने खेतों में जाकर पूजा पाठ कर अपने खेतों में गड़ाकर रस्म पूरी किए।

दुगली के किसान शंभू राम मरकाम पुजारी गुलेश नेताम ने बताया कि यह त्यौहार छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है जो हमारे कृषि परंपरा पर आधारित है।

इस दिन कृषि कार्यों को पूरी तरह से बंद रखकर सुबह से ही खेतों में पहुंचकर नीम अथवा भेलवा की शाख को खेत में गड़ाकर उसे पानी, दूध से आचमन कर धूप इत्यादि होम डालकर पूजन अर्चना करते हैं।

कृषि औजारों को खेतों से घर लाकर साफ सफाई कर पूजा अर्चना करते हैं साथ ही प्रसाद स्वरूप चीला रोटी का भोग चढ़ाकर फसल की सुरक्षा और अच्छी फसल की कामना करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस दिन गांव के मवेशी चराने वाले यादव बंधुओ के द्वारा गौठान में जंगली जड़ी बूटियों का वितरण किया जाता है, इन जड़ी बूटियों को मनुष्यो के अलावा मवेशियों को भी खिलाया जाता है जो विभिन्न रोग दोष को दूर है जिसमे पुजारी गुलेश नेताम गजराज सिंह ध्रुव शंभू मरकाम सगनू राम नेताम गोपाल यादव बिसाहु राम मरकाम शेखर लाल नेताम मेहताब सिंह यादव राजाराम नेताम परमानंद यादव कोमल सिंह मरकाम भुखन सिंह मंडावी धनेश सोरी वरुण देव नेताम ।

हरियाली त्योहार के उपलक्ष्य में पौधा रोपण

छत्तीसगढ़ राज्य में बड़े धूमधाम से हरियाली त्यौहार का उत्सव मनाया जाता है। इसी प्रक्रिया में धमतरी जिले के वनांचल क्षेत्र नगरी ब्लाक के सामुदायिक वन संसाधन प्राप्त ग्राम सभा अपने जंगल का संरक्षण ,संवर्धन और प्रबंधन को मजबूत करते हुए हरियाली के पावन पर्व पर पौधारोपण कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें ग्राम सभा सदस्य आम, जामुन, नीम,बांस,महुआ, अर्जुन, बेल, इमली, के पौधों का नर्सरी तैयार किया गया है ।और इस पौधारोपण कार्यक्रम को हरियाली से लेकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक पौधारोपण कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें ग्राम पर सभा फरसगांव, मुहकोट, खुदूरपानी, नयापारा चार गांव,पुरानी बस्ती चारगांवगोरसानाला,तांगापानी आमझर - जोगी बिरदो ग्राम सभाओं द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें खोज एवं जन जागृति समिति जयंती नगर मैनपुर संस्था द्वारा इस नर्सरी से लेकर पौधारोपण और सीडबाल जैसे प्रक्रिया में ग्राम सभाओं को सतत् मार्गदर्शन किया जा रहा है।

किसानों ने कृषि यंत्रों की पूजा कर मवेशियों को खिलाई औषधियुक्त लोंदी

क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई हरेली

महासमुंद/नवप्रदेश। हरेली आज क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ से मनाया गया है। विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र में इस त्योहार का अपना अलग ही महत्व है, और हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है। किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा कर अच्छी फसल की कामना करते हैं और गांव के बच्चे, युवा गेड़ी का आनंद उठाते हैं। बता दें कि फसलों में किसी प्रकार की बीमारी न लगे, पर्यावरण संरक्षण को लेकर किसानों द्वारा हरेली का त्योहार मनाया जाता है। हरेली यानि हरियाली का पर्व मुख्यतः खेती-किसानी से जुड़ा त्योहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज किसानों ने नागर, गैंती, कुदाल, फावड़ा समेत कृषि काम में आने वाले औजारों की साफ-सफाई कर पूजा की और अच्छी फसल की कामना के साथ बैल, गाय और भैंस को बीमारी से बचाने के लिए औषधियुक्त लोंदी खिलाई। बेलसोंडा के किसान सोहन लाल यादव, नेतराम चंद्राकर, बलराम चंद्राकर, पुनीत राम साहू, भीखम, उमेश यादव, राजू चंद्राकर ने बताया कि हरेली तक किसान अपनी फसलों की बोआई और रोपाई पूर्ण कर लेते हैं और फसलों की रक्षा के लिए अपने खेत व फसल की धूप-दीप और अक्षत से पूजा भी करते हैं इस दिन लोग घर के मुख्य द्वार पर नीम के पत्ते लगाते हैं। मान्यता है कि इससे परिवार के लोगों की अनिष्ट से रक्षा होती है। हरेली चूंकि छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है। महिलाएं छत्तीसगढ़ का स्वादिष्ट व्यंजन गुड़ का चीला, ठेठरी, खुरमी और गुलगुला भजिया तैयार करती हैं। कृषि यंत्रों की पूजा के बाद किसान परिवार सहित इन व्यंजनों का स्वाद लेते हैं वहीं परंपरा अनुसार बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद उठाते हैं । गांवों में गेड़ी दौड़, फुगड़ी, भौंरा और रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होता है जिसमें हर वर्ग के लोग हिस्सा लेते हैं।

कलेक्टर ने किया स्कूल का निरीक्षण

कलेक्टर ने जर्जर छत वाले कक्षा में बच्चो को बैठाने में लगी रोक

भटगांव/ नवप्रदेश। नगर भटगांव अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत डोकरीडीह के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में आज जिला कलेक्टर संजय कन्नौजे ने निरीक्षण किया। डोकरीडीह स्कूल में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में निरीक्षण किया गया। विगत वर्षों से स्कूल में शौचालय नहीं होने को लेकर दैनिक नवप्रदेश मे समाचार प्रकाशित किया गया था। जहां एसडीएम वर्षा बंसल, सीईओ जनपद पंचायत प्रतीक प्रधान ने भी शाला का अवलोकन किया।अवलोकन के दौरान मिडिल स्कूल में शौचालय नहीं पाया तथा प्राथमिक शाला के शौचालय को जर्जर एवं अनुपयोगी पाया। अधिकारियों ने जल्द बालक एवं बालिका शौचालय निर्माण कराने की बात कही। जिला कलेक्टर ने जर्जर छत वाले कक्षा में बच्चो को बैठाने से मना किया। जिला कलेक्टर ने प्राथमिक एव मिडिल स्कूल के विभिन्न कक्षाओं में

जाकर बच्चों को सवाल जवाब किया।बच्चों के स्तर को सुधारने हेतु शिक्षकों को निर्देशित किया।वही दैनिक नवप्रदेश समाचार पत्र में खबर प्रकाशित गया था। साथ ही शौचालय के समाचार को लेकर कलेक्टर ने शिक्षकों पर नाराजगी व्यक्त किए। अवलोकन के समय सरपंच कुंती साहू,सचिव रेखा जांगड़े, जनपद पंचायत के मनरेगा प्रभारी, स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी, सब इंजीनियर, तहसीलदार, एसडीएम,सीईओ सहित आला अधिकारी एवं पालक उपस्थित रहे। स्कूल की समस्याओं को तत्परता के साथ दूर करने के लिए दिया निर्देश के लिए जिला कलेक्टर डॉक्टर कन्नौजे को धन्यवाद।

चाकू लेकर डरा धमकाने वाला युवक गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। चाकू लहराकर लोगों को डराने - धमकाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि टाउन हाल के सामने चाकू लहरा कर आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहे वार्ड -06 नयापारा निवासी नईम अली उर्फ नानू (22) को पकड़ा गया। आरोपी से चाकू बरामद 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

भ्रष्टाचार को अंजाम देने अपात्र फर्म को दिया क्रय आदेशः विनोद

महासमुंद/नवप्रदेश। पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि बार-बार जीरो टालरेंस की बात करने वाली भाजपा सरकार में कृषि विभाग में हुए करोड़ों के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई ना किया जाना यह साबित कर रहा है कि सरकार की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। पूरे साक्ष्यों के साथ की गई शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं किया जाना प्रशासनिक मिलीभगत को सतह पर ला दिया है। उन्होंने कहा कि उप संचालक कृषि द्वारा जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से लगभग 2 करोड़ 22 लाख रुपए का फर्जी तरीके से भ्रष्टाचार की नीयत से 22.11.2024 को निविदा आमंत्रित कर अपात्र फर्म माता दी इलेक्ट्रिकल्स गरियाबंद को मेटलेक पॉवर स्पेयर 15 लीटर कीमत 6300 रुपए की दर से प्रति स्पेयर क्रय करने का आदेश दिया गया। जबकि, खुले बाजार में यही स्पेयर 2000 से 2500 रुपए की दर पर बिक रहे हैं। तीन गुना दर बढ़ाकर क्रय करने का षड्यंत्र रचा गया। सप्लायर द्वारा महासमुन्द ब्लॉक के लिए 695 नग, पिथौरा को 695 नग, बागबाहरा, बसना एवं सरायपाली ब्लॉक को 694-964 नग की आपूर्ति की गई। किसानों द्वारा अंश राशि जमा करने में असहमति व्यक्त करने पर इसका वितरण नहीं हो पाया। चंद्राकर ने कहा कि कृषि विभाग में करोड़ों के भ्रष्टाचार उजागर होने पर मुख्यमंत्री को कार्रवाई के लिए किस बात का इंतजार है। शासन द्वारा जिम्मेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई, यदि शासन द्वारा कार्रवाई का आदेश दिया गया है।

राजीव लोचन मंदिर में होगी शिव महापुराण कथा

राजिम/नवप्रदेश। श्री राजीव लोचन मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष सावन झूला पर्व पर श्री हरि संकीर्तन का आयोजन प्रतिवर्ष होता है जिसमें मधुश्रवा तीज से एकादशी पर्यंत भगवान श्री राधा कृष्ण को झूला सजाकर प्रतिदिन सेवा की जाती है उक्त उत्साहमय समयावधि में राजिम नगर के श्रद्धालु एवं राजिम अंचल के श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में प्रतिदिन होती है जो श्रद्धा से भगवान को झूला झूलाते हैं एवं भगवान श्री हरि की कथा संकीर्तन में भाग लेते हैं। इसी तारतम्य में इस वर्ष श्रद्धालुओं के श्रद्धा अनुरूप श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन 29 जुलाई से 5 अगस्त तक श्री राजीव लोचन मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। जिसमें कथा व्यास के रूप में पं. वरुण तिवारी जेंजरा वाले होंगे जिसमें सात दिवस तक उनके मुखारविंद से शिव महापुराण की कथा का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगी। 29 जुलाई को कलश यात्रा एवं वेदी पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा 30 जुलाई से कथा प्रारंभ होगी जिसमें प्रथम दिवस शिव महापुराण का माहात्म्य द्वितीय दिवस आदि शिवलिंग की उत्पत्ति शिवलिंग पूजन की विधि एवं तृतीय दिवस नारद मोह कुबेर चरित्र इसी तरह 7 दिन तक शिव महापुराण की कथा3:00 बजे से 6:00 बजे तक होगी कथा में प्रमुख रूप से यजमान के रूप में पुजारी राजेंद्र सिंह राजपूत मनु सपत्नीक होंगे। मंदिर प्रबंधक पुरुषोत्तम मिश्रा ने बताया की उक्त कथा आयोजन की तैयारी में सर्वराकार चंद्रभान सिंह ठाकुर पुजारी समिति अध्यक्ष राम कुमार सिंह ठाकुर वरिष्ठ पुजारी एवं ट्रस्टी श्रवण सिंह ठाकुर, बैकुंठ सिंह ठाकुर, शिव सिंह ठाकुर, कन्हैया सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह, तुषार सिंह आदि लगे हुए हैं राजीव लोचन मंदिर ट्रस्ट ने शिव भक्तों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में कथा में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की कृपा करें।

मातृशक्तियों की भागीदारी... महिलाओं ने शरद बबीता भृगु के प्रांगण में सावन हरियाली उत्सव

अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति ने मनाया सावन उत्सव

भाटापारा/नवप्रदेश। अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति नारी प्रकोष्ठ की महिलाओं ने शरद बबीता भृगु के प्रांगण मे सावन उत्सव धूमधाम से मनाया।

सावन उत्सव का शुभारंभ भगवान परशुराम के पूजन अर्चन से हुआ उसके बाद मातृशक्तियों की उत्साहमय भागीदारी के साथ मेंहदी जूड़ा एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गयी सभी सदस्यों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रथम द्वितीय विजेता घोषित किए गये,जिसके तहत मेंहदी मे प्रथम सरिता रानी शर्मा,द्वितीय सोना शर्मा जूड़ा बनाओ प्रतियोगिता मे अंजलि दुबे,द्वितीय रितु तिवारी,नृत्य प्रतियोगिता मे प्रथम स्नेहल ओझा,साक्षी जोशी,द्वितीय अनिता दुबे,स्वेता मिश्रा,ने स्थान अर्जित किए साथ ही साथ नृत्य प्रतियोगिता मे किरण उपाध्याय,गंगा शर्मा,विद्या शर्मा द्वारा भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। आयोजन का समापन विशिष्ट परिधान एवं श्रृंगार के आधार पर निकिता शर्मा एवं

ओमी तिवारी को सावन सुंदरी घोषित करने से हुआ।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी द्वय ममता दीवान एवं सरिता रानी शर्मा द्वारा बताया गया कि समिति के वरिष्ठ सदस्यों एवं पदाधिकारियों के कुशल नेतृत्व मे आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ जिसमे समस्त सदस्यों की उत्साह जनक भागीदारी रही आयोजन मे समिति के प्रांतीय उपाध्यक्ष उषा मिश्रा अध्यक्ष कविता शर्मा,उपाध्यक्ष भावना शुक्ला,कोषाध्यक्ष सीमा तिवारी,सचिव मीता शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी शालिनी तिवारी, गौड़ समाज अध्यक्ष बबिता भृगु,कान्यकुब्ज समाज अध्यक्ष चन्द्रकांता तिवारी, लालसोट नेहा अश्वनी शर्मा,विप्र फाउंडेशन उमा शर्मा,मंजू रतन शर्मा,शिवानी शर्मा, स्वर्णलता त्रिवेदी चन्द्रकिरण शर्मा,सुषमा मिश्रा आशा शर्मा,लता शर्मा,रेणु त्रिवेदी,अनिता त्रिवेदी, प्रमिला शर्मा,संध्या दीवान,रुपाली शर्मा,आरती पाण्डेय,पूजा शर्मा, शशि पांडे,भारती दवे साधना मिश्रा,डिंपू अवस्थी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षा विभाग ने दिखाई दरियादिली

गरियाबंद/नवप्रदेश। अनुकम्पा नियुक्ति में नियम कायदों को ताक में रख कर शिक्षा विभाग ने दिखाई दरियादिली।जिला पंचायत सदस्य का आरोप कलक्टर अनुमोदन के बगैर आनन फानन में 22 लोगों को दिया नियुक्ति, इस आड़ में हितग्राहियों से ली गई मोटी सुविधा शुल्क।तत्कालीन डीईओ ने कहा समिति गठित कर विधिवत किया गया,कलेक्टर की अनुमोदन की आवश्यकता नहीं। वर्ष 2024 में शिक्षा विभाग द्वारा की गई 22 हितग्राहियों की अनुकम्पा नियुक्ति पर अब कई सवाल खड़े हो गए हैं।जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम का आरोप है कि नियुकी के पहले छान बिन करने का प्रावधान

था जो नहीं हुआ। अपर कलेक्टर के नेतृत्व में नियुक्ति समिति बनाई जाती ,फिर कलेक्टर के अनुमोदन के बाद नियुक्ति आदेश जारी किया जाना था। शासन द्वारा 15 अप्रैल 2024 को जारी गाइड लाइन में उक्त बिंदुओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया है किन्तु शिक्षा विभाग ने प्रकरण के निपटारे में इस महत्वपूर्ण कड़ी को छोड़ दिया।

हरेली तिहार पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक

मुख्यमंत्री साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्रीगण और जनप्रतिनिधियों ने की पूजा-अर्चना

- हरेली पर्व हमारी धरती, परिश्रम और परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीकः साव
- हरेली पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और कृषि संस्कृति को संरक्षित रखने की प्रेरणा देते हैः टंक राम वर्मा
- यह पर्व किसान, खेत-खलिहान और गोधन की पूजा का अवसरः विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कृषि परंपरा और ऋषि संस्कृति से जुड़े पहले पर्व हरेली के पावन अवसर पर राजस्व मंत्री के निवास कार्यालय में पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के निवास कार्यालय में आयोजित हरेली पर्व में शामिल होकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया, साथ ही गौरी-गणेश, नवग्रहों और कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर महापौर मीनल चौबे सहित कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, यह पर्व हमारी धरती, परिश्रम और परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह हमारे किसानों की आस्था और प्रकृति के साथ संतुलन का प्रतीक है।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है। हरेली जैसे पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और कृषि संस्कृति को संरक्षित रखने की प्रेरणा देते हैं। सभी लोगों को इस पावन पर्व की बधाई देते हुए कहा कि इस पर्व में बच्चों के लिए गेड़ी चलाने की प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहती है। इसके साथ ही गोधन को पौष्टिक भोजन कराकर ग्रामीण पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने हरेली तिहार की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पर्व किसान, खेत-खलिहान और गोधन की पूजा का अवसर है। मान्यता है कि आज के दिन शिव-पार्वती स्वयं भू-लोक में आकर किसानों की किसानी देखने आते हैं। हरेली से छत्तीसगढ़ में त्योहारों की श्रृंखला की शुरुआत होती है।

इस अवसर पर गेड़ी चढ़ने की परंपरा, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन, लोक गीतों की प्रस्तुति और छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक ने पूरे वातावरण को उल्लास और लोकभावना से सराबोर कर दिया। राज्यभर में गांव-गांव, घर-घर हरेली पर्व की उमंग है। लोगों ने पारंपरिक औजारों की पूजा कर प्रकृति और कृषि परंपरा के प्रति आस्था जताई और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत को सहेजने का संकल्प दोहराया।

छत्तीसगढ़ी सुग्घर परंपरा के रंग में रंगा मुख्यमंत्री निवास

छत्तीसगढ़ की परंपरा में हरेली मानव और प्रकृति के जुड़ाव को नमन करने का उत्सव है। हरेली आती है तो छत्तीसगढ़ के खेत-खलिहान, गाँव-शहर, हल और बैल, बच्चे-युवा-महिलाएँ सभी इस पर्व के हर्षोल्लास से भर जाते हैं। जिस हरेली पर्व से छत्तीसगढ़ में त्योहारों की शुरुआत होती है, उसके स्वागत में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवास के द्वार भी सज गए हैं। पूरा मुख्यमंत्री निवास श्रावण अमावस्या को मनाये जाने वाले हरेली पर्व की सुग्घर परंपरा के रंग में रंग गया है। हरेली पर मुख्यमंत्री निवास की सजावट के तीन प्रमुख हिस्से हैं। प्रवेश द्वार, मध्य तोरण द्वार और मुख्य मंडप। प्रवेश द्वार में बस्तर के मेटल आर्ट की झलक है। इस द्वार पर लोगों के स्वागत में छत्तीसगढ़ का पारम्परिक वाद्य तुरही के मध्य में भगवान गणेश की प्रतिकृति है और मेटल आर्ट का घोड़ा भी उकेरा गया है।

प्रवेश द्वार के बाद मध्य में तोरण द्वार है जिसे पारम्परिक टोकनी से सजाया गया है। साथ ही रंग-बिरंगी छोटी झंडियाँ तोरण के रूप में शोभा बड़ा रही हैं। इस हिस्से में नीम और आम पत्तों की झालर को हरेली की परम्परा के प्रतीक के रूप में लगाया गया है। पूरी सजावट का मुख्य आकर्षण वे छोटी-छोटी रंग-बिरंगी गेड़ियां हैं, जिनका सुंदर स्वरूप यहां से मुख्य मंडप तक हर जगह दिखता है।

मुख्य मंडप द्वार को सरगुजा की कला के रंगों से आकर्षक बनाया गया है। इस द्वार की छत को पैरा से छाया गया है और सरगुजिहा भित्ति कला का के मनमोहक चित्र बनाये गए हैं। कई रंगों से सजा बैलगाड़ी का चक्का भी इस द्वार की रौनक बढ़ा रहा है।

मुख्यमंत्री निवास में हरेली उत्सव, दिखी परंपरा और प्रगति की अनूठी झलक

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और कृषि परंपराओं का प्रतीक हरेली तिहार इस वर्ष मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास परिसर में अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य की समृद्ध विरासत, पारंपरिक कृषि यंत्रों, लोक परिधानों, खानपान और आधुनिक कृषि तकनीकों का समन्वय एक अद्भुत नजारे के रूप में सामने आया। कार्यक्रम स्थल को पारंपरिक छत्तीसगढ़ी रंग-रूप में सजाया गया था, जहां ग्रामीण परिधान पहने अतिथि, कलाकार और आमजन लोक संस्कृति में रमे हुए नजर आए।

हरेली उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री निवास में परम्परागत और आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री साय ने प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण कर विभिन्न पारंपरिक यंत्रों और वस्तुओं का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में काठा, खुमरी, झांपी, कांसी की डोरी और तुतारी जैसे ऐतिहासिक कृषि उपकरणों को प्रदर्शित किया गया।

कृषि विभाग द्वारा आयोजित आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी, जिसमें नांगर, कुदाली, फावड़ा, रोटावेटर, बीज ड्रिल, पावर टिलर और स्प्रेयर जैसे यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। 'काठा' वह परंपरागत मापक है जिससे पुराने समय में धान तौला जाता था; 'खुमरी' बांस और कौड़ियों से बनी छांव प्रदान करने वाली टोपी है; 'झांपी' शादी-ब्याह में उपयोग होने वाली वस्तुएं रखने की बांस से बनी पेटी; 'कांसी की डोरी' खाट बुनने में काम आती है और 'तुतारी' पशुओं को संभालने में उपयोग होती है।

मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा कि हरेली तिहार केवल पर्व नहीं, बल्कि यह हमारे कृषि जीवन, पशुधन और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की खुशबू से सराबोर हरेली तिहार

छत्तीसगढ़ की धरती पर जब भी कोई त्योहार आता है, तो वह केवल धार्मिक या सांस्कृतिक उत्सव भर नहीं होता, बल्कि वह जीवनशैली, परंपरा, स्वाद और सामाजिक सौहार्द का पर्व बन जाता है। इसी श्रृंखला में प्रदेश के प्रमुख कृषि पर्व हरेली तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास में पारंपरिक स्वादिष्ट छत्तीसगढ़ व्यंजनों ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। प्रदेश की अतुलनीय पाक परंपरा को जीवंत करते हुए यहां आगंतुकों के स्वागत के लिए विशेष रूप से ठेठरी, खुरमी, पिड़िया, अनरसा, खाजा, करी लड्डू, मुठिया, गुलगुला भजिया, चीला-फरा, बरा और चौसेला जैसे दर्जनों पारंपरिक व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी।

बांस की सूप, पिटारी और दोना-पत्तल में परोसे गए इन व्यंजनों ने न केवल स्वाद, बल्कि प्रस्तुतीकरण में भी लोकजीवन की आत्मा को उजागर किया। अतिथियों ने गर्मागर्म पकवानों का स्वाद लेते हुए राज्य की पारंपरिक पाककला की मुक्तकंठ से सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं भी इन व्यंजनों का स्वाद चखा और कहा की हरेली तिहार केवल खेती-किसानी का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी लोकसंस्कृति, हमारी परंपरा और आत्मीयता की अभिव्यक्ति है। इन पारंपरिक व्यंजनों में हमारी माताओं-बहनों की मेहनत, सादगी और स्वाद की समृद्ध परंपरा छिपी है, जो हमारी असली पहचान है। यह आयोजन न केवल हरेली पर्व की महत्ता को दर्शाता है, बल्कि यह प्रमाणित करता है कि छत्तीसग? की आत्मा उसकी मिट्टी, उसके स्वाद और उसकी परंपराओं में रची-बसी है।

इस अवसर पर परिसर का हर कोना छत्तीसगढ़ी संस्कृति की सौंधी खुशबू से सराबोर था। कहीं ढोल-मंजीरों की थाप पर लोक नृत्य होते दिखे तो कहीं व्यंजनों की खुशबू लोगों को अपनी ओर खींचती रही। परंपरागत वेशभूषा में सजे ग्रामीण कलाकारों और सांस्कृतिक प्रस्तुति ने पूरे माहौल को जीवंत और आत्मीय बना दिया।

बीएमएस ने 70 वें स्थापना दिवस बाइक रैली निकाली

रायपुर /नवप्रदेश । भारतीय मज़दूर संघ बीएमएस का 70 वां स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर जिला बीएमएस एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ के द्वारा बाइक रैली निकाली गई रायपुर रेल्वे स्टेशन होते हुए फाफाडीह चौक घड़ी चौक जय स्तंभ चौक तात्यापारा लाखे नगर होते हुए प्रदेश बीएमएस कार्यालय में समापन हुआ । इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला बीएमएस मंत्री रामेश्वर कन्नौजे, कमल साह, ओम प्रकाश पाल,छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ से अध्यक्ष गेंदलाल साहू, उपाध्यक्ष दीपक बाग, कोषाध्यक्ष पवन श्रीवास, सचिव पूरन दूरियां एवं बीएमएस और चालक संघ सभी सदस्य उपस्थित रहे।

अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों से सशक्तीकरण की राह पर मुंगेली

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा की अनुरूप मुंगेली जिला डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुंगेली जिले के तीनों विकासखण्डों की 30 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की स्थापना होने से ग्रामीणों को काफी सुविधा मिल रही हैं। पहले आय, जाति, निवास आदि कार्यों के लिए च्वाईस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ग्रामीणों को उनके घर के पास ही सभी सुविधाएं मिलने लगी है। इससे समय और धन दोनों की बचत हुई है।

भटगॉव के युवा लेखराम साहू ने बताया कि पहले पैसे जमा या निकासी के लिए 20 किलोमीटर दूर मुंगेली जाना पड़ता था, लेकिन अब ये सुविधा केन्द्र खुलने से यह प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है। इससे ग्रामीणों को समय, मेहनत और यात्रा खर्च की बचत हो रही है। इसी तरह डिजिटल सेवा का लाभ लेने पहुंची गंगा साहू ने भी शासन की इस पहल की सराहना की। गंगा साहू ने कहा कि यह पहल ग्रामीण स्वावलंबन और पंचायत सशक्तिकरण की दिशा में मददगार कदम है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शुरू हुए थे एडीएसके

इस वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर शासन द्वारा जिले के तीनों विकासखण्डों में पहले चरण मे 10-10 ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया गया है। इन केन्द्रों में आमजनों को बैंकिंग, बीमा, पेंशन, बिजली बिल भुगतान, रेलवे टिकट, छात्रवृत्ति, और जन्म-मृत्यु सहित जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज़ों सहित खाता खोलने की सुविधा दी जा रही है। इससे गाँव के लोग पंचायत स्तर पर ही ज़रूरी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

आर्थिक नाकेबंदी की सफलता भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू : शुक्ला

- प्रदेश की जनता ने भाजपा के संरक्षण में अडानी की लूट का विरोध किया

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस द्वारा किये गये आर्थिक नाकेबंदी की सफलता यह बताती है कि प्रदेश में भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में 138 से अधिक स्थानों पर चक्का जाम करके प्रदेश की जनता ने भाजपा सरकार के संरक्षण में अडानी की लूट का विरोध किया। पूरे देश में किसी औद्योगिक घराने के खिलाफ पहली बार इतना व्यापक जनांदोलन हुआ। आर्थिक नाकेबंदी ने यह बता दिया कि राज्य के जल, जंगल, जमीन की लूट के खिलाफ पूरा प्रदेश एकजुट है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार अपने मित्र अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए बंदूक की नोक पर जंगलों की कटाई करवा रही है और कटाई का विरोध कर रहे आदिवासियों को प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जब प्रदेश अध्यक्ष थे तब वह जंगलों की कटाई के विरोध में आंदोलन कर रहे थे और आज मुख्यमंत्री है तब जंगल की कटाई का विरोध कर रहे लोगों को पुलिस से पिटवा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण पड़ कटाई का विरोध कर रहे, ग्राम सभा की मांग कर रहे, सरकार के इशारे पर हजारों पुलिस बल तैनात कर पड़ कटाई करवाया जा रहा। विरोध कर रहे आदिवासियों का कहना है उनके ऊपर अत्याचार किया जा रहा। यह सरकार आदिवासियों के अधिकारों को दबा कर एक निजी उद्योगपति अडानी को कोल माइंस सौपना चाहती है। आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासियों का खून बहाया जा रहा। सरकार आदिवासियों की हत्या करना चाहती है। आदिवासियों को दबा कर कोयला उत्खनन करना चाह रही है। यह सरकार आदिवासी विरोधी है। सरकार माँ के नाम पेड़ लगाओ का नारा देती और बाप के नाम हजारों पेड़ कटवा रही है। मुख्यमंत्री जवाब दे आदिवासियों का जल-जंगल-जमीन किसको सौंपना चाहते है।

जीवन में समृद्धि से ज्यादा सदाचार को महत्व दें : मनीष सागरजी

बुद्धि मिलना सरल, शुद्धि बने रहना कठिन

रायपुर /नवप्रदेश। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में बुधवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि समृद्धि पाने के साथ सदाचारी बनने का भी लक्ष्य बनाइए। जीवन मे व्यक्ति समृद्धि के पीछे भागता रहता है, लेकिन सदाचार का गुण अपने भीतर लाने का प्रयास भी उतना ही होना चाहिए। समृद्धि कितनी भी महानतम क्यों ना हो, सदाचार ही हमेशा महानतम कहलाएगा। समृद्धि पुण्य आश्रित है और सदाचार स्व-आश्रित। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में सदाचार को अहम स्थान देना चाहिए। खूब कमाया, खूब कमाए लेकिन सब गवा देते हैं। सदाचार हमेशा आपके पास रहेगा। सदाचार बहुत मुश्किल से मिलता है। यह हमारी सबसे मुख्य पूंजी है। इसको कभी बेचना नहीं चाहिए। जैसे रिश्वत बहुत छोटी चीज है, लेकिन मर्यादा, नैतिकता, प्रमाणिकता बड़ी चीज है। सदाचार एक बार गवा दोगे तो इसको कमाने के लिए पूरा जीवन बीत जाएगा। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कमी को इग्नोर करोगे तो सुखी रहोगे। कमी को पकड़ कर बैठे रहोगे तो दुख घेरे रहेगा। भीतर में लोभ तो कुछ दिखाई नहीं देगा। लोभ के कारण संसार में बहुत कुछ हो जाता है। लोभ सबके भीतर है और यह जैसे-जैसे लोभ बढ़ेगा और भी विकराल हो जाता है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि लोभ बढ़ता है, उतना अहंकार बढ़ता है।

मुख्यमंत्री योगी और प्रशासन के प्रति जताया आभार

सिक्ख समाज ने जगतगंज गुरुद्वारा व मंदिर विवाद सुलझने पर जताया हर्ष

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने वाराणसी के जगतगंज स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब से जुड़े 42 साल पुराने धार्मिक विवाद के शांतिपूर्ण समाधान पर गहरा हर्ष और संतोष व्यक्त किया है। समाज ने उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वाराणसी जिला प्रशासन के न्यायपूर्ण और समन्वयात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने इस अवसर पर कहा कि धर्मनगरी वाराणसी में 42 वर्षों से लंबित इस विवाद का समाधान शांतिपूर्वक और आपसी सहमति से होना पूरे देश के लिए सांप्रदायिक सौहार्द और सहिष्णुता का प्रेरणादायक उदाहरण है। अब मंदिर और गुरुद्वारा दोनों एक ही परिसर में एक-दूसरे के सम्मान के साथ विद्यमान रहेंगे -यह भारत की गंगा-जमुनी तहज़ीब की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल एक कानूनी या प्रशासनिक समाधान नहीं, बल्कि देश की एकता और धार्मिक समरसता को मजबूत करने वाला ऐतिहासिक क्षण है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने वाराणसी प्रशासन के साथ-साथ दोनों पक्षों के धार्मिक प्रतिनिधियों की परिपक्वता और संयम की भी सराहना की है, जिन्होंने मामले को भड़काने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाया। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, बलविंदर सिंह सैनी, मानवेंद्र सिंह डडियाला, स्वर्णपाल सिंह चावला, परमजीत सिंह सलूजा, मनजीत सिंह भाटिया, मनदीप सिंह सलूजा, हरविंदर सिंह खालसा, गुरदीप सिंह टुटेजा, हरदीप सिंह छाबड़ा, जिला अध्यक्ष बेमेतरा, गुरमीत सिंह अरोरा जिला अध्यक्ष बिलासपुर ने आशा जताई कि भविष्य में भी इस प्रकार के विवादों को आपसी सहमति और सम्मान के साथ सुलझाने की परंपरा से देश में एकता, शांति और भाईचारे की भावना प्रबल हुई है।

हरदीप सिंघ राजा छाबड़ा छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के बेमेतरा जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने बेमेतरा के युवा, सामाजिक कार्यकर्ता हरदीप सिंह राजा छाबड़ा को उनका नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनसे आग्रह किया कि वे बेमेतरा जिले में सिक्ख समाज की धार्मिक, सामाजिक गतिविधियों के साथ साथ समाज हित में तन मन से धर्म प्रचार एवं समाज सेवा करे । बाबा बुड्ढा जी साहिब गुरुद्वारा रायपुर के प्रधान हरिकिशन सिंघ राजपूत ने राजा छाबड़ा को बधाई और आशीर्वाद दिया।

न्यूज गैलरी

दूरसंचार पीएलआई ने आकर्षित किया 4,305 करोड़ रुपए का निवेश : केंद्रीय मंत्री

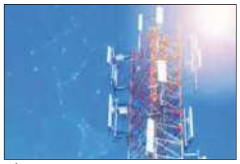

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) की लाभार्थी कंपनियों ने सामूहिक रूप से 4,305 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिससे 85,391 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है, जिसमें 16,414 करोड़ रुपए का निर्यात (31 मई, 2025 तक) शामिल है। संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि इस निवेश से 28,067 लोगों को रोजगार भी मिला है। दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना का उद्देश्य इस सेक्टर में 12,195 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। दूरसंचार पीएलआई योजना के तहत कुल 42 कंपनियों को लाभार्थी के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके अलावा, 5जी सेवाओं को शुरू करने के लिए, 700 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड सहित अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी) के लिए विभिन्न स्पेक्ट्रम बैंडों में एक्सेस स्पेक्ट्रम वर्ष 2022 और 2024 में आयोजित स्पेक्ट्रम नीलामी के माध्यम से दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) को आवंटित किया गया है।नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम प्राप्त करने वाले सफल बोलीदाताओं को 5जी सहित किसी भी आईएमटी तकनीक को लागू करने की अनुमति है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, डाक विभाग ने डाकघर बचत बैंक सेवाओं के डिजिटलीकरण, डाक जीवन बीमा को कागज रहित और ऑनलाइन प्रणाली में परिवर्तित करने, डाक घर निर्यात केंद्रों की स्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, बीमा और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ई-कॉमर्स संस्थाओं के साथ सहयोग जैसी नई पहल की हैं।दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने संचार क्षेत्र में इनोवेशन और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं।
केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डिजिटल कम्युनिकेशंस इनोवेशन स्क्वायर (डीसीआईएस) योजना के तहत, दूरसंचार विभाग ने स्वदेशी 5जी सहित उन्नत तकनीकों के विकास को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स और एमएसएमई द्वारा संचालित 126 परियोजनाओं को 108 करोड़ रुपए के कुल बजटीय परिव्यय के साथ समर्थन दिया है।उन्होंने बताया कि देश की सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना को चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है और अब तक 2,14,325 जीपी को सेवा के लिए तैयार किया जा चुका है।

भारतीय अर्थव्यवस्था स्ट्रॉन्ग मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल के बल पर काफी हद तक मजबूत

टैरिफ को लेकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि टैरिफ को लेकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था स्ट्रॉन्ग मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल के बल पर काफी हद तक मजबूत बनी हुई है। आरबीआई बुलेटिन के स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की बेहतर संभावनाओं, सरकारी व्यय में तेज, लक्षित राजकोषीय उपायों और ब्याज दरों में कटौती के तेज प्रसारण के लिए अनुकूल वित्तीय परिस्थितियों से आगे चलकर अर्थव्यवस्था में समग्र मांग को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय बैंक के दस्तावेज में जोर दिया गया है, बढ़ती व्यापार अनिश्चितताओं और भू-आर्थिक विखंडन के बीच, अधिक मजबूत व्यापार साझेदारियां बनाना भारत के लिए ग्लोबल वैल्यू चेन के साथ अपने इंटीग्रेशन को गहरा करने का एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर में घरेलू निवेश में तेजी लाने के उपाय और प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता में सुधार के उद्देश्य से संरचनात्मक सुधार, विकास की गति को सहारा देते हुए मजबूती बढ़ाएंगे। इससे पहले, मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत की अर्थव्यवस्था 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी और 2035 तक इसका आकार दोगुना से भी ज्यादा होकर 10.6 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने कहा कि मजबूत घरेलू मांग, सामान्य मानसून और देश में मौद्रिक नरमी के बीच, भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 प्रतिशत और 2026 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। देश में इस वर्ष 3.8 प्रतिशत और 2026 में 4.0 प्रतिशत मुद्रास्फीति रहने की संभावना है, जो आरबीआई के अनुमानों के भीतर है।आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, 1 अगस्त, 2025 से नई आयात शुल्क दरें लागू होने से पहले व्यापार सौदों को अंतिम रूप देने के लिए गहन बातचीत चल रही है, इसलिए ध्यान फिर से अमेरिकी व्यापार नीतियों और वैश्विक स्तर पर उनके प्रभावों पर केंद्रित है।रिजर्व बैंक ने कहा, हालांकि, वित्तीय बाजारों ने व्यापार नीति की अनिश्चितताओं को गंभीरता से लिया है, जो संभवतः वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कम व्यवधानकारी व्यापार समझौतों पर पहुंचने की आशा को दर्शाता है। इसके बावजूद, वित्तीय बाजारों द्वारा व्यापक आर्थिक जोखिम का कम मूल्यांकन एक चिंता का विषय बना हुआ है। आरबीआई ने कहा, वैश्विक व्यापार प्रवाह और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकसित होता स्वरूप अभी तक स्थिर नहीं हुआ है। ये अनिश्चितताएं वैश्विक आर्थिक संभावनाओं के लिए काफी बाधाएं खड़ी कर रही हैं।

जीपीयू की औसत दर 65 रुपए प्रति घंटा

इंडियाएआई मिशन में जीपीयू की संख्या बढ़कर 34,381 देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। इंडियाएआई मिशन में अब तक 14 सूचीबद्ध सर्विस प्रोवाइडर्स से 34,381 जीपीयू प्राप्त हो चुके हैं। इससे देश को वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में लीडर बनने में मदद मिलेगी। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि सरकार इन जीपीयू को रियायती दरों पर उपलब्ध कराती है। इन जीपीयू की औसत दर लगभग 65 रुपए प्रति जीपीयू प्रति घंटा है। एच100 जीपीयू की कीमत 92 रुपए प्रति जीपीयू प्रति घंटा है, इसका उपयोग बड़े स्तर पर फाउंडेशनल मॉडल ट्रेनिंग में किया जाता है।

सरकार द्वारा जीपीयू उपयोग के लिए निर्धारित की गई कीमतें हाइपर-स्केलर क्लाउड प्रोवाइडर्स की तुलना में काफी कम है।भारत में एक मजबूत आईटी इकोसिस्टम है। यह 250 अरब डॉलर से अधिक का वार्षिक राजस्व उत्पन्न करता है और 60 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।स्टैनफोर्ड एआई रैंकिंग जैसी वैश्विक रैंकिंग, भारत को एआई कौशल, क्षमताओं और एआई उपयोग नीतियों के मामले में शीर्ष देशों में स्थान देती है। भारत अपनी वाइब्रेंट डेवलपर कम्युनिटी को प्रदर्शित करते हुए, गिटहबएआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है।सरकार ने मार्च 2024 में इंडिया एआई मिशन शुरू किया था। यह भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक मजबूत और समावेशी एआई इकोसिस्टम स्थापित करने की एक रणनीतिक पहल है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, इंडियाएआई एप्लीकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शासन और सीखने की अक्षमताओं के लिए सहायक तकनीकों जैसे क्षेत्रों में भारत की विशिष्ट चुनौतियों के लिए आई एप्लीकेशन विकसित करना है। अब तक 30 आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। इसके अलावा, अन्य मंत्रालयों और सरकारी संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्र-विशिष्ट हैकथॉन का आयोजन किया गया है।सरकार ने बताया, एआईकोष एक एकीकृत डेटा प्लेटफॉर्म है जो सरकारी और गैर-सरकारी स्रोतों से डेटासेट को एकीकृत करता है। मार्च 2025 में लॉन्च किए गए बीटा संस्करण में वर्तमान में 890 से अधिक डेटासेट, 208 एआई मॉडल और 13 से अधिक विकास टूलकिट शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ये संसाधन डेवलपर्स के लिए आधारशिला का काम करते हैं, जिससे उन्हें मॉड्यूल दोबारा बनाने के बजाय मुख्य एआई कार्यक्षमता पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।इंडियाएआई फाउंडेशन मॉडल्स पहल का उद्देश्य भारतीय डेटासेट और भाषाओं पर प्रशिक्षित भारत के अपने लार्ज मल्टीमॉडल मॉडल (एलएमएम) विकसित करना है।इंडियाएआई मिशन को 500 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए। पहले चरण में, 4 स्टार्ट-अप का चयन किया गया है। इनमें सर्वम एआई, सोकेट एआई, ज्ञानी एआई और गण एआई शामिल हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ ने भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते को द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक परिवर्तनकारी उपलब्धि बताया

भारतीय उद्योग परिसंघ के भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऐतिहासिक यूके यात्रा में भाग लिया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज यूनाइटेड किंगडम की एक ऐतिहासिक यात्रा की, जिसका समापन आज भारत–यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) पर हस्ताक्षर के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री के साथ गए प्रतिनिधिमंडल में भारतीय उद्योग जगत के 16 प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिनका नेतृत्व भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं अध्यक्ष तथा इंडिया– यूके सीईओ फोरम के सह–अध्यक्ष श्री सुनील भारती मित्तल ने किया। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित इस व्यापार प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति ने भारतङ्कयूके आर्थिक साझेदारी को आगे बढ़ाने में सरकार और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग को उजागर किया। इस अवसर पर सुनील भारती मित्तल ने कहा, भारतीय उद्योग जगत के सभी सेक्टर भारतङ्कयूके मुक्त व्यापार समझौते का पूरे उत्साह के साथ स्वागत करते हैं। यह समझौता आधुनिक और दूरदृष्टि से युक्त साझेदारी को स्थापित करता है, जो नवाचार को प्रोत्साहित करेगा, बाज़ार तक पहुँच को सरल बनाएगा और निवेश को बढ़ावा देगा। भारत और यूके दोनों देशों के व्यवसायों को इससे भारी लाभ होगा, क्योंकि यह प्रमुख उद्योगों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की ठोस नींव रखता है।

भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा गठित भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडलने ब्रिटिश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, नीतिनिर्माताओं और चुनिंदा यूके सीईओके साथ संवाद किया। चर्चा में विशेष रूप से जिन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया, उनमें कौशल विकास और गतिशीलता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और उन्नत प्रौद्योगिकी, सतत–विकास (संधारणीयता) एवं जलवायु कार्रवाई, तथा फार्मास्युटिकल और स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल थे।

फिल्म सैयारा का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बरकरार

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 5 दिन पूरे हो गए हैं। उनकी यह फिल्म 18 जुलाई को दर्शकों के बीच आई थी और पहले ही दिन से यह बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। आलम यह है कि महज 5 दिन में फिल्म सैयारा ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 132 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। आइए जानें सैयारा ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, सैयारा ने रिलीज के पांचवे दिन 25 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 132.25 करोड़ रुपये हो गया है। सैयारा ने 21.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 26 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म ने तीसरे दिन 35.75 करोड़ रुपये और चौथे दिन 24 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का बजट 45 करोड़ रुपये है। सैयारा के निर्देशन की कमान मोहित सूरी ने संभाली है, जिन्हें अवारापन और आशिकी 2 जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। इस फिल्म के लिए मोहित ने यशराज फिल्म्स (ङ्खक्रस्न) से हाथ मिलाया है। अक्षय विधानी इस फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी संकल्प सदन और रोहन शंकर ने मिलकर लिखी है। अहान और अनीत के अलावा फिल्म सैयारा में अंगद राज ने भी अहम भूमिका निभाई है।

सूर्या के प्रशंसकों को मिला तोहफा, वेंकी एटलुरी द्वारा निर्देशित सूर्या46 से फर्स्ट लुक जारी

अपनी बहुमुखी और प्रभावशाली अदाकारी के लिए मशहूर सूर्या आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उनके

प्रशंसक इसे किसी त्यौहार की तरह मना रहे हैं और सूर्या को हर तरफ से शुभकामनाओं का तांता लगा हुआ है। इस बीच, उनकी आने वाली फिल्मों के निर्माताओं ने उनके फर्स्ट लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को खुश कर दिया है। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित उनकी आगामी फिल्म करुप्पु का फर्स्ट लुक और टीज़र पहले ही जारी हो चुका है। इसके अलावा, सबकी निगाहें वेंकी अटलुरी के साथ उनके आगामी प्रोजेक्ट पर टिकी हैं। यह फिल्म सूर्या की पहली तेलुगु फिल्म है और इसे तेलुगु और तमिल दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा। निर्माताओं ने सूर्या का जन्मदिन फर्स्ट लुक पोस्टर जारी करके मनाया। फर्स्ट लुक पोस्टर में, सूर्या बेहद खूबसूरत, आकर्षक और स्टाइलिश लग रहे थे, जिससे उनके शुरुआती दिनों की यादें ताज़ा हो गईं। फिल्म में ममिता बैजू मुख्य भूमिका में हैं और संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म का निर्माण नागा वामसी और साई सौजन्या ने सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज़ के बैनर तले किया है।

खेल, मनोरंजन

हरमनप्रीत कौर और क्रांति गौड़ ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से हरा दिया है. इस सीरीज का पहला मैच भारत ने जीता था और दूसरे मैच में इंग्लैंड को जीत मिली थी. इसके बाद सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच मंगलवार की रात चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला गया।

इस मैच में भारतीय टीम में पहले बल्लेबाजी करते हुए हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक की बदौलत 50 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 318 रन बनाए. इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 49.5 ओवर में 305 रनों पर ऑलआउट हो गई और 13 रनों से मैच हार गई। इस मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 82 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रनों की शतकीय पारी खेली. इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया. ये वनडे में किसी भारतीय महिला द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज शतक है. कौर ने जून 2024 के बाद अब शतक लगाया है। हरमनप्रीत कौर के वनडे करियर का ये 7वां और इंग्लैंड में ये तीसरा शतक है. इसके साथ ही वो इंग्लैंड में वनडे क्रिकेट में 3 शतक लगाने वाले पहली विदेशी महिला बल्लेबाज बन गई हैं. उन्होंने मिताली राज और मेग लैनिंग को पीछे छोड़ दिया है जिनके नाम वनडे क्रिकेट में 2-2 इंग्लैंड में दर्ज थे। इस मैच में तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शानदार गेंदबाजी की और 6 विकेट चटकाए. उन्होंने 9.5 ओवर में 52 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए. इस मैच के लिए हरमनप्रीत कौर को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला, जिसे हरमन ने बड़ा दिल दिखाते हुए क्रांति गौड़ के साथ साझा किया. क्रांति महिला वनडे में छह विकेट लेने वाली पांचवीं भारतीय गेंदबाज और सबसे कम उम्र की गेंदबाज बनीं. वह झूलन गोस्वामी (2005) के बाद इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल दूसरी भारतीय बनीं।

हरमनप्रीत ने गौड़ को एक गेंद दी, जिस पर मैच के आंकड़े भी लिखे हुए थे. हरमन ने उनके लिए कहा, क्रांति, आप एक स्टार हैं. मुझे प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया है. मैं इसे क्रांति के साथ साझा करना चाहती हूं क्योंकि उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्पेल में से एक डाला. मुझे लगता है कि एक गेंदबाज के तौर पर यह एक बड़ी उपलब्धि है।

बांग्लादेश ने जीती ऐतिहासिक टी20 सीरीज

नईदिल्ली। बांग्लादेश ने ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भी पाकिस्तान के चारो खाने चित कर दिया. 133 रनों का बचाव करते हुए बांग्लादेशी गेंदबाजों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और मेहमान टीम को लगातार दूसरे मैच में ऑल आउट करके तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली।

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर, (जोन क्र.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID- rmczone10@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 22417 दिनांक 15.07.2025
वार्ड का नाम-54- कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रापर्टी आई.डी. RPR652J00543 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती ABDUL KASAM पिता/पति श्री/ श्रीमती ABDUL KADAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ASHIYA LAMBA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O MOHAMMAD HANIF ने मृत्यु प्रमाणपत्र/ सह पत्र/ शपथ पत्र/दान पत्र/ हिब्बानामा/ रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री विवेकानंद दुबे
जोन कमिश्नर
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर, (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID- rmczone8@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. 22812 दिनांक 24.07.2025
वार्ड का नाम-70- संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रापर्टी आई.डी. RPR568K00032 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती VIMAL GAREWAL पिता/पति श्री/ श्रीमती SIYARAM GAREWAL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SMT. SHEELA SINGH DHRUV पिता/पति श्री/श्रीमती W/O BHUSHAN SINGH DHRUV ने मृत्यु प्रमाणपत्र/ सह पत्र/ शपथ पत्र/दान पत्र/ हिब्बानामा/ रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी, जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
जोन कमिश्नर
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
क्रमांक/663/नि.आ.सू./न.पा.परि./2025-26 दन्तेवाड़ा, दिनांक 23/07/2025

ई–टेण्डर निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों/एजेंसी/कंपनी से निम्नलिखित कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम ई-टेण्डर नं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
172646	Pipeline extension work from Gauthan to Rizpal's house at Ward No. 12	49.48 लाख	14.08.2025

2. उपरोक्त निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

NICSI | **Notice for Inviting Tender (NIT)** | **MPVS**

RFP for Selection of Managed Service Provider (MSP/SI) for Augmentation of IT Infrastructure at Madhya Pradesh Vidhan Sabha, Bhopal
GEM Bid No: GEM/2025/B/6382205 dt. 25-06-2025

NICSI invites proposals from Reputed Companies/ Managed Service Providers for Augmentation of IT Infrastructure, i.e. Supply, Installation, Testing, Commissioning & Maintenance of IT Infrastructure at Madhya Pradesh Vidhan Sabha, Bhopal. Interested Companies, who qualify as per the criteria mentioned in the tender document, may submit their Proposals online through GEM portal till 16/07/2025.
Please refer the tender document available at GEM portal with Bid Number: GEM/2025/B/6382205 dt. 25-06-2025 for detail Scope of Work, Other important details, corrigendum and other terms and conditions.

CBC- 06107/11/0001/2526
(General Manager)
NICSI

मुख्यमंत्री निवास में हरेली उत्सव: पारंपरिक लोक यंत्रों के साथ सुंदर नाचा का आयोजन

रायपुर /नवप्रदेश। मुख्यमंत्री निवास में हरेली तिहार के अवसर पर पारंपरिक लोक यंत्रों की गूंज और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा के साथ सुंदर नाचा का आयोजन किया जा रहा है। पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण से सराबोर है। ग्रामीण परिवेश की जीवंत छवि इस सुंदर माहौल में साकार हो गई है। कहीं सुंदर वस्त्रों में सजे राउत नाचा कर रहे कलाकारों की रंगत बिखरी है, तो कहीं आदिवासी कलाकार पारंपरिक लोक नृत्य की मोहक प्रस्तुतियाँ दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ का अद्भुत ग्रामीण लैंडस्केप अपनी संपूर्ण सांस्कृतिक सुंदरता के साथ यहां सजीव रूप में अवतरित हो गया है। विभिन्न प्रकार की लोक धुनों में छत्तीसगढ़ी संगीत का माधुर्य अपने चरम पर है। राउत नाचा, छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति का एक प्रसिद्ध पारंपरिक लोकनृत्य है, जो विशेष रूप से दीपावली के अवसर पर गोधन पूजा के दौरान किया जाता है। यह नृत्य विशेषकर यादव समुदाय (ग्वाला/गोपालक वर्ग) द्वारा प्रस्तुत किया जाता है और भगवान श्रीकृष्ण तथा गोधन की आराधना का प्रतीक माना जाता है। राउत नाचा की परंपरा छत्तीसगढ़ में सदियों पुरानी है। इसे गोवर्धन पूजा से जोड़ा जाता है, जब ग्वाल-बाल भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की स्मृति में यह नृत्य करते हैं। नर्तक रंग-बिरंगे परिधानों में सजते हैं, सिर पर पगड़ी धारण करते हैं और हाथों में लाठी थामे रहते हैं। उनके वस्त्रों को कौड़ियों, घुंघरुओं और अन्य सजावटी वस्तुओं से अलंकृत किया जाता है। राउत नाचा की प्रस्तुति के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्रों — जैसे ढोल, मांदर और नगाड़ा — का प्रयोग होता है। इनकी थाप पर नर्तक सामूहिक रूप से तालबद्ध होकर नृत्य करते हैं।

यह नृत्य केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, श्रम की महत्ता, पशुपालन के योगदान और सांस्कृतिक गौरव का संदेश भी देता है। नाचा के साथ गाए जाने वाले गीतों को 'राउत गीत कहा जाता है, जिनमें धर्म, वीरता, प्रेम और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन होता है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निवास पर हरेली की धूम

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नवा रायपुर स्थित शासकीय निवास पर आज सुबह से हरेली की धूम रही। उन्होंने सपरिवार हल और कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गौमाता को आटे की लोंदी और गुड़ खिलाया। उन्होंने गेड़ी का भी आनंद लिया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक रोहित साहू और मोतीलाल साहू भी हरेली पर्व में शामिल हुए। हरेली पर उप मुख्यमंत्री साव के निवास पर चहुंओर छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोक जीवन और खानपान की झलक दिखी। उन्होंने हरेली पर्व में शामिल होने अपने निवास पहुंचे सभी लोगों का परंपरागत छत्तीसगढ़ी व्यंजनों चौसेला, गुलगुल भजिया, बरा, टमाटर की चटनी और भजिया खिलाकर स्वागत व आवभगत किया। उन्होंने हरेली पर अपने निवास में शीशम का पौधा लगाया। उप मुख्यमंत्री साव ने प्रदेशवासियों को हरेली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली तीज-तिहारों से संपन्न छत्तीसगढ़ का साल का पहला लोक पर्व है। मुख्यतः कृषि और किसानों को समर्पित यह पर्व आज पूरे प्रदेश में उत्साह व उमंग के साथ मनाया जा रहा है। हरेली में गेड़ी का परंपरागत साथ बच्चों के लिए भी

इस त्योहार को उत्साहपूर्ण बनाता है। हरेली से मेरे बचपन की कई अच्छी और सुखद यादें जुड़ी हुई हैं। रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर, खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष छगन मूंदड़ा, बाल संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष यशवंत जैन, पवन साय और अनुराग अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि भी हरेली पर्व में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ी परंपराओं की झलक, पारंपरिक कृषि यंत्रों के साथ बिखरी सांस्कृतिक छटा

छत्तीसगढ़ी लोकजीवन की खुशबू लिए हरेली तिहार का पारंपरिक उत्सव आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निवास में विधिवत रूप से आरंभ हुआ। छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है, जहाँ प्रत्येक अवसर और कार्य के लिए विशेष प्रकार के पारंपरिक उपकरणों एवं वस्तुओं का उपयोग होता आया है। हरेली पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में ऐसे ही पारंपरिक कृषि यंत्रों एवं परिधानों की झलक देखने को मिली, जो छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं।

काठा : सबसे बाईं ओर दो गोलनुमा लकड़ी की संरचनाएँ रखी गई थीं, जिन्हें 'काठा कहा जाता है। पुराने समय में जब गाँवों में धान तौलने के लिए काँटा-बाँट प्रचलन में नहीं था, तब काठा से ही धान मापा जाता था। सामान्यतः एक काठा में लगभग चार किलो धान आता है। काठा से ही धान नाप कर मजदूरी के रूप में भुगतान किया जाता था।

खुमरी: सिर को धूप और वर्षा से बचाने हेतु बांस की पतली खपच्चियों से बनी, गुलाबी रंग में रंगी और कौड़ियों से सजी एक घेरेदार संरचना खुमरी कहलाती है। यह प्रायः गाय चराने वाले चरवाहों द्वारा सिर पर धारण की जाती है। पूर्वकाल में चरवाहे अपने साथ कमरा (रेनकोट) और खुमरी लेकर पशु चराने निकलते थे। कमरा जूट के रेशे से बना एक मोटा ब्लैंकेट जैसा वस्त्र होता था, जो वर्षा से बचाव के लिए प्रयुक्त होता था।

कांसी की डोरी : यह डोरी 'कांसी नामक पौधे के तने से बनाई जाती है। पहले इसे चारपाई या खटिया बुनने के लिए निवार के रूप में प्रयोग किया जाता था। डोरी बनाने की प्रक्रिया को डोरी आंटना कहा जाता है। वर्षा ऋतु के प्रारंभ में खेतों की मेड़ों पर कांसी पौधे उग आते हैं, जिनके तनों को काटकर डोरी बनाई जाती है। यह डोरी वर्षों तक चलने वाली मजबूत बुनाई के लिए उपयोगी होती है।

झांपी : ढक्कन युक्त, लकड़ी की गोलनुमा बड़ी संरचना झांपी कहलाती है। यह प्राचीन समय में छत्तीसगढ़ में बैग या पेटी के विकल्प के रूप में प्रयुक्त होती थी। विशेष रूप से विवाह समारोहों में बारात के दौरान दूल्हे के वस्त्र, श्रृंगार सामग्री, पकवान आदि रखने के लिए इसका उपयोग किया जाता था। यह बांस की लकड़ी से निर्मित एक मजबूत संरचना होती है, जो कई वर्षों तक सुरक्षित बनी रहती है।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग संभाग में वर्षा होने का पूर्वानुमान

■ राजधानी में पिछले दो दिनों से हो रही वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर जल भराव

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में आज सुबह से बादल छाए रहे जिसके कारण लोगों को लगा की भारी वर्षा होगी। लेकिन दोपहर होते ही बादल उड़ गए। मौसम विभाग के अनुसार द्रोणिका और एक निम्नदाब के कारण मध्य छत्तीसगढ़ कहे जाने वाले रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभाग से संबंधित जिलों में भारी वर्षा होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा के अनुसार एक द्रोणिका विदर्भ से होकर छत्तीसगढ़ से जा रही है, निम्नदाब एवं द्रोणिका के कारण कल 25 जुलाई को मध्य छत्तीसगढ़ तथा एक दो स्थानों पर अति वर्षा होने की संभावना है। इधर राजधानी में पिछले दो दिनों से वर्षा होने के करण कई वार्डों में पानी भर गया है। जिसको निकालने के लिए इस समय नगर निगम की टीम सक्रिय हो गई है। मोती बाग, बुढ़ातालाब, प्रोफेसर कालोनी समेरू मठ, राजेन्द्र नगर, बस स्टेण्ड, अग्रसेन चौक एवं आमापारा में जल भराव की निर्मित हुई है।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर फि रोजपुर, करनाल, मेरठ, वाराणसी, जमशेदपुर, दीघा और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

अब पुरानी गाड़ी बेचना भी महंगा सौदा

हर बार नाम ट्रांसफर पर लगेगी फीस, देना होगा आधे से एक फीसदी शुल्क

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वाहन मालिकों को अब अपनी पुरानी गाडिय़ों की बिक्री या नामांतरण (ट्रांसफर) के समय पहले से ज्यादा खर्च उठाना पड़ेगा। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान नियम विधेयक 2025 के तहत नया कर प्रावधान लागू कर दिया है, जिससे प्रत्येक वाहन के ट्रांसफर पर सरकार को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा।

गैर-परिवहन और परिवहन वाहनों पर अलग-अलग टैक्स : गैर-परिवहन वाहनों जैसे कार और बाइक की बिक्री या नामांतरण पर अब वाहन की रजिस्ट्रेशन कीमत का 1त्न टैक्स देना होगा। वहीं, परिवहन वाहनों जैसे ट्रक, बस आदि पर यह टैक्स 0.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। उदाहरण के लिए, यदि किसी कार की रजिस्ट्रेशन कीमत 10 लाख है, तो हर बार ट्रांसफर पर 10,000 का टैक्स देना होगा।

कानून हुआ पास, सरकार को होगा राजस्व लाभ: यह संशोधन विधेयक विधानसभा से पारित हो चुका है और इसका उद्देश्य राज्य के परिवहन और निर्माण क्षेत्र से स्थायी व पारदर्शी टैक्स वसूली सुनिश्चित करना है।

सरकार को मिलेगा हर ट्रांजेक्शन पर लाभ : नई व्यवस्था के तहत, कोई भी वाहन जितनी बार भी खरीदा या बेचा जाएगा, हर बार सरकार को निर्धारित प्रतिशत के हिसाब से टैक्स मिलेगा। इससेः राज्य की आय में नियमित बढ़ोतरी होगी, टैक्स प्रणाली अधिक पारदर्शी बनेगी, हर वाहन की बिक्री से राजस्व अर्जन सुनिश्चित होगा।

निर्माण कार्यों में लगे वाहनों पर लाइफटाइम टैक्स

राज्य सरकार ने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाले विशेष वाहनों पर अब मासिक या त्रैमासिक टैक्स की जगह लाइफटाइम टैक्स लागू कर दिया है। इसमें शामिल हैं लोडर, डंपर, मोबाइल क्रेन, बेकहो लोडर, अन्य निर्माण मशीनें। इन वाहनों के मालिकाना हक में बदलाव होने पर भी सरकार को वाहन के मानक मूल्य का 0.5 प्रतिशत ट्रांसफर टैक्स मिलेगा।

एसडीएम के बेटे ने की आत्महत्या, परिवार में मातम

भिलाई/नवप्रदेश। सुपेला थाना अंतर्गत साईं नगर में 26 वर्षीय एक युवक की आत्महत्या से हड़कंप मच गया है. इंद्रप्रीत सिंह सैनी नाम के इस युवक का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है. इंद्रप्रीत भिलाई में रहकर कृषि की पढ़ाई कर रहा था.

अकेले घर में था इंद्रप्रीत जब हुई घटना: सुपेला थाना क्षेत्र के साईं नगर निवासी इंद्रप्रीत अपने माता-पिता से दूर भिलाई में पढ़ाई कर रहा था. उसके पिता, जनरल सिंह सैनी, जगदलपुर में लोक निर्माण विभाग में एसडीएम के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उसकी माँ एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं. 23 जुलाई को इंद्रप्रीत ने अपने कमरे में अकेले रहते हुए फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. उसकी आत्महत्या का कारण अभी तक अज्ञात है, लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है.

माता-पिता गहरे सदमे में: बेटे की मौत की खबर मिलते ही इंद्रप्रीत के माता-पिता तुरंत जगदलपुर से भिलाई के लिए रवाना हो गए. शाम तक जब वे साईं नगर स्थित अपने घर पहुँचे, तो माँ बेटे की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गईं और उनका रो-रोकर बुरा हाल था. परिजनों ने बताया कि इंद्रप्रीत दो भाइयों में बड़ा था और उसका स्वभाव काफी शांत था. उन्हें उसकी किसी भी परेशानी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. यह दुखद घटना परिवार के लिए एक बड़ा आघात है.

भारतीय कृषि में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन पर शामिल हुए 70 से अधिक वैज्ञानिक

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय कृषि में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन तथा नीतियों पर दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र का आयोजन गत दिनों आईसीएआर राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एनआईबीएसएम), रायपुर में हुआ। यह कार्यक्रम आईसीएआर राष्ट्रीय अजैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (एनआईएएसएम), बारामती और भारतीय कृषि अर्थशास्त्र सोसायटी (आईएसएई), मुंबई के सहयोग से तथा नाबार्ड, रायपुर के आंशिक समर्थन से आयोजित किया गया। सत्र में देशभर के करीब 70 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री और नीति निर्माता शामिल थे। उन्होंने कृषि में जैविक (कीट, रोग, आक्रामक प्रजातियां) और अजैविक (सूखा, लवणता, बाढ़, ताप) तनावों के प्रबंधन के विज्ञान आधारित दृष्टिकोण पर चर्चा की। इस अवसर पर भविष्य की नीतियों और कार्यक्रमों के लिए एक नीति पत्र तैयार करने पर सहमति बनी।

उद्घाटन सत्र में डॉ. एच.सी. शर्मा, पूर्व कुलपति, एचपीकेवी, पालमपुर; डॉ. पी.के. चक्रवर्ती, पूर्व एडीजी (पीपी एंड बी), सदस्य, एएसआरबी; डॉ. पी.के. राय, निदेशक, एनआईबीएसएम; डॉ. के. सम्मी रेड्डी, निदेशक, एनआईएएसएम; डॉ. डी.के. मारोठिया, अध्यक्ष, आईएसएई; श्री ज्ञानेंद्र मणि, सीजीएम, नाबार्ड और डॉ. ए. अमरेंद्र रेड्डी, संयुक्त निदेशक, एनआईबीएसएम ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान तनाव प्रबंधन पर आधारित दो प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। तकनीकी सत्रों में जैविक तनाव प्रबंधन में वैज्ञानिक और नियामक नवाचार पर डॉ. एच.सी. शर्मा, जैविक तनाव के लिए नीति और संस्थागत रणनीतियों पर डॉ. पी.के. चक्रवर्ती, अजैविक तनाव के लिए तकनीकी हस्तक्षेप पर डॉ. अंजनी कुमार (आईएफ पीआरआई) और अजैविक तनाव लचीलापन बढ़ाने की रूपरेखाओं पर डॉ. के.एल. गुर्जर (डीपीपीक्यूएस) ने प्रस्तुतियां दीं।

रथ निर्माण... जनप्रतिनिधियों सहित मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता और बड़ी संख्या में जनसमुदाय हुआ शामिल

पाट जात्रा के साथ शुरू हुआ विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा

रायपुर /नवप्रेदश। हरियाली अमावस्या के मौके पर बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मन्दिर के सामने गुरुवार को पाट जात्रा पूजा विधान के साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया। बस्तर दशहरा पर्व के इस प्रथम पूजा विधान में बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बस्तर दशहरा पर्व समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी-चालकी, मेम्बर-मेम्बरीन, पुजारी-गायता, पटेल, नाईक-पाईक, सेवादारों के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमुदाय शामिल हुआ। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी

को समर्पित इस ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के पहले पूजा विधान पाट जात्रा में रथ निर्माण के लिए बनाए जाने वाले औजार ठुरलू खोटला तथा अन्य औजारों का परम्परागत तरीके से पूजा-अर्चना कर रस्म पूरी की गयी। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया, जो इस वर्ष करीब 75 दिवस की अवधि तक पूरे आस्था, श्रद्धा और पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

बस्तर दशहरा पर्व के प्रमुख पूजा विधानों को निर्धारित तिथि अनुसार सम्पन्न की जाती है। जिसके तहत आगामी शुक्रवार 05 सितम्बर को डेरी ग?ाई पूजा विधान, रविवार 21 सितम्बर को काछनगादी पूजा विधान, सोमवार 22 सितम्बर को कलश स्थापना पूजा विधान, मंगलवार 23 सितम्बर को जोगी बिठाई पूजा विधान सहित बुधवार 24 सितम्बर से सोमवार 29 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, सोमवार 29 सितम्बर को सुबह 11 बजे बेल पूजा, मंगलवार 30 सितम्बर को महाअष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान, बुधवार 01 अक्टूबर को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव, गुरुवार 02 अक्टूबर को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शुक्रवार 03 अक्टूबर को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान, शनिवार 04 अक्टूबर को काछन जात्रा पूजा विधान एवं मुरिया दरबार होगा। वहीं रविवार 05 अक्टूबर को कुटुम्ब जात्रा पूजा विधान में ग्राम्य देवी-देवताओं की विदाई होगी और मंगलवार 07 अक्टूबर को मावली माता की डोली की विदाई पूजा विधान के साथ ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व सम्पन्न होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक - यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, navpradesh@gmail.com